हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 25 मई 2025

RCP
INFRATECH PVT. LTD.

VIP CITY
A City in The City

PLOTS -
1000 Sq.ft (92.2 sq.MT)
1200 Sq.ft (111.5 sq.MT)
50%
DISCOUNT
ON REGISTRY & PLC

VILLAS -
2 BHK
3 BHK
4 BHK

₹5,00,000/-
DIRECT
DISCOUNT

SHOPS & OFFICES
STARTS ₹ 9.99 LACS

Follow us on :
@VIPCITYRPR

CALL-812 000 8290

Member of : CREDAI CHHATTISGARH
RERA REGISTERED PROJECT :
(VIP VILLAS/SHOP) RERA NO. : PCGRERA130223001603
(PRIME- 2) RERA NO. : PCGRERA130422001395
www.rera.cgstate.gov.in

A Project by
RCP Infratech Pvt. Ltd.
Saddu-Urkura Road, Ring Road No. 3, Raipur (C.G.),
Email : rcpinfratech.vip@gmail.com, Website : www.rcpinfra.co.in

Scan this QR code to find us Google Maps

फायनेंस उपलब्ध
SBI | सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India | kotak Kotak Mahindra Bank | HDFC HOME LOANS
Follow us on : /vipcityrpr /vipcityrpr

* Terms & Conditions Apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

झीरम की आज बरसी

नक्सलियों ने कांग्रेस के बड़े नेताओं समेत 31 की हत्या की थी

12 साल बाद भी नहीं लौटी झीरम की खुशियां खत्म नहीं हो रहा सरकारी योजनाओं का 'वनवास'

आदिवासियों के जीवन में कोई बदलाव नहीं आया

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

आज से ठीक 12 साल पहले का वह आज का ही दिन था, जब 25 मई 2013 को यहां से 43 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दरभा से आगे झीरम घाटी में नक्सलियों ने खूनी खेल खेला था। शाम का समय था और झीरम घाटी मे मौजूद दर्जनों खूंखार माओवादिओं ने अंधाधुंध गोली बरसाकर दो दर्जन से अधिक कांग्रेस के दिग्गज नेताओं समेत आम नागरिकों और जवानों को मौत की नींद सुला दिया था। इस जघन्य घटना में 31 लोग मारे गये थे। उस घटना के 12 साल पूरे हो चूके है। हरिभूमि ने झीरम घाटी पर घटनास्थल और दो ,तीन किलोमीटर दूर आगे झीरम गांव जाकर वर्तमान हालात का जायजा लिया। घाटी में 12 साल बाद भी मौत का सन्नाटा कायम है। न झीरम की तस्वीर बदली है न ही ग्रामीणों के हालात। सबकुछ ▶▶|शेष पेज 5 पर

जवान बेटे को खोने वाली मां को न मकान मिला, न ही गाड़ी का मुआवजा

जवान बेटा खोया, न मुआवजा मिला और न मकान, बताते भावुक हो उठी मां

दूसरे बेरोजगार बेटे के लिए सरकारी नौकरी चाहती है सरकार से

झीरम कांड के 12 साल बाद भी मां की ममता बेटे की याद में तरस रही है। दरभा निवासी रमादेवी जोशी के लिए 25 मई 2013 का वह दिन मनहूस साबित हुआ, जब झीरम कांड ने उसका जवान बेटा छीन लिया। 25 दिन पहले बेटे की शादी हुई थी, नई दुल्हन आयी थी और घर में विवाह का उत्साह कम नहीं हुआ था। अचानक खबर आई कि सुकमा से लौटते समय शाम को नक्सलियों ने कांग्रेस के परिवर्तन यात्रा पर हमला कर दिया है। जिसमें उसका 24 साल का जवान बेटा मनोज जोशी अपने बोलेरो ▶▶|शेष पेज 5 पर

स्कोर बोर्ड

पंजाब		दिल्ली
206/8	VS	208/4

6 विकेट से जीता दिल्ली

58* रन : समीर रिज्वी
प्लेयर ऑफ द मैच

आज के मैच

गुजरात VS चेन्नई
दोपहर : शाम 3.30 बजे

कोलकाता VS हैदराबाद
समय : शाम 7.30 बजे

खबर संक्षेप

बैंक धोखाधड़ी, अमेरिका से अंगद को लाया गया भारत

नई दिल्ली। भारत में धोखाधड़ी के आरोप में वांछित अंगद सिंह चंडोक को सीबीआई द्वारा एक समन्वित अभियान के तहत अमेरिका से प्रत्यर्पित कर यहां लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि चंडोक को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया, जहां सीबीआई ने उसे हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया।

ट्रक और कार की टक्कर, इंजीनियर समेत 4 की मौत

गुव्वलचेरुवु। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में शनिवार सुबह एक ट्रक के कार से टकरा जाने की घटना में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्रीकांत अपने परिवार के साथ चिंतापुट्टायपल्ली गांव जा रहे थे। इस दौरान सुबह करीब साढ़े नौ बजे गुव्वलचेरुवु घाट रोड पर यह हादसा हुआ। वे कार से कडप्पा की ओर जा रहे थे।

प्रीति जिंटा ने महिला संगठन को दिए 1.10 करोड़

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स की सह-मालिक और बॉलीवुड अदाकारा प्रीति जिंटा ने सेना महिला कल्याण संघ को उसकी पहल 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत 1.10 करोड़ रुपए का दान दिया है। यह योगदान पंजाब किंग्स के सीएसआर निधि के तहत दिया गया है।

2009 के बाद भारतीय मुख्य भूमि पर सबसे जल्दी आगमन

केरल में मानसून की एंट्री, टूटा 16 साल का रिकॉर्ड, छत्तीसगढ़ भी भीगा

दक्षिण-पश्चिमी मानसून अपने तय समय से 8 दिन पहले शनिवार को केरल पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक 16 साल में ऐसा पहली बार हुआ, जब मानसून इतनी जल्दी आया है। 2009 में मानसून 9 दिन पहले पहुंचा था। दक्षिण भारत में जोरदार शुरुआत के बाद अब दक्षिण-पश्चिम मानसून महाराष्ट्र की तरफ बढ़ रहा है। इधर, छत्तीसगढ़ में जून के पहले सप्ताह में मानसून पहुंचने का अनुमान है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मानसून 2009 में 23 मई को केरल पहुंचा था। दक्षिण-पश्चिमी मानसून सामान्यतः एक जून तक केरल में प्रवेश करता है और आठ जुलाई तक पूरे देश में पहुंचता है। उत्तर-पश्चिमी भारत से इसकी वापसी 17 सितंबर के आसपास शुरू हो जाती है और 15 अक्टूबर तक यह पूरी तरह से वापस चला जाता है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, मानसून दक्षिणी राज्य में पिछले साल 30 मई को, 2023 में आठ जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में तीन जून को, 2020 में एक जून को, 2019 में आठ जून को और 2018 में 29 मई को आया था। इस संबंध में 1975 से उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि मानसून केरल में सबसे जल्दी 1990 में (19 मई को) पहुंचा था जो सामान्य तिथि से 13 दिन पहले था। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, केरल में मानसून के जल्दी या देर से आने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों में भी उसी तरह पहुंचेगा। आईएमडी के एक ▶▶|शेष पेज 5 पर

■ सामान्यत: एक जून तक केरल में प्रवेश करता है मानसून

राजधानी रायपुर में घिर आए बदरा और हुई बारिश

कब-कब केरल में दस्तक

1918-11	मई
1972- 18	जून
2016- 9	जून
2018-29	मई
2020-1	जून
2022-29	मई
2023-8	जून

दो से तीन दिन में महाराष्ट्र

आईएमडी ने शनिवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून जल्द ही महाराष्ट्र पहुंचेगा, क्योंकि अगले दो से तीन दिनों के दौरान मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। मुंबई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की प्रमुख डॉ. शुभांगी भूटे ने संवाददाताओं को बताया, दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल में अपने आगमन की सामान्य तिथि एक जून से लगभग एक सप्ताह पहले ही पहुंच चुका है।

पश्चिमी तट पर रेड अलर्ट जारी

केवल मानसून ही नहीं, बल्कि एक तेज मौसम प्रणाली ने भी देश के पश्चिमी तटीय इलाकों को प्रभावित किया है। केरल, कर्नाटक, कोंकण-गोवा और आसपास के गुजरात तट पर 27 मई तक समुद्र की स्थिति काफी खराब रहने की संभावना है। लिहाजा, इन इलाकों में मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है और मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। पूर्व-मध्य अरब सागर और दक्षिण कोंकण तट के आसपास एक दबाव प्रणाली बनी, जिससे इस इलाके में तेज बारिश हुई।

सप्ताहभर पहले मानसून के छत्तीसगढ़ पहुंचने की उम्मीद

रायपुर। सामान्य तारीख से आठ दिन पहले केरल में दस्तक देने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून के सप्ताहभर पहले छत्तीसगढ़ पहुंचने की उम्मीद बनी हुई है। मानसून को आगे बढ़ाने के लिए अभी अरब सागर से लेकर बंगाल की खाड़ी तक विभिन्न मौसम तंत्रिकाएं सक्रिय हैं। अगले दो से तीन दिनों में इसके गोवा, महाराष्ट्र में भी पहुंचने की उम्मीद है। स्थिति अगर पूरी तरह सामान्य रही, तो छत्तीसगढ़ में 13 के बजाए जून के प्रथम सप्ताह में मानसून की झमाझम बारिश शुरू हो सकती है। केरल में मानसूनी दस्तक के बाद प्रदेश में प्री-मानसून एक्टिविटी शुरू हो गई है और अभी रायपुर, राजनांदगांव और दुर्ग संभाग में अच्छी बारिश हुई है। अगले तीन दिनों तक प्रदेश में वर्षा की गतिविधि बनी रहने की संभावना है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

हरा सोना, इस बार खरा सोना नहीं...आंधी बारिश से पत्ते कम 90 करोड़ का नुकसान!

- बस्तर संभाग के चार जिलों में तेंदूपत्ता संग्रहण का टार्गेट काफी पीछे
- 101057 संग्राहकों ने एक लाख 16 हजार 999 मानक बोरा तेंदूपत्ता बेचा
- 2024 में चार जिलों के संग्राहकों को 155 करोड़ का मिला था पारिश्रमिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

खास खबर

बस्तर के चार जिलों में इस बार आंधी-बारिश और ओले ने तेंदूपत्ता संग्रहण में तकरीबन 90 करोड़ का नुकसान संभावित है। नए पत्ते नहीं आने की वजह से संग्रहण का टार्गेट काफी पीछे रह गया है, जिसकी वजह से यह नुकसान हो रहा है। कहा जा सकता है, इस साल संग्राहकों को उतना फायदा नहीं होगा, जितना पिछले साल हुआ था। बस्तर संभाग के चार जिले बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर एवं सुकमा में 119 लाट संख्या में 2 लाख 70 हजार 600 मानक बोरा ▶▶|शेष पेज 5 पर

उम्मीदों पर पानी फेर दिया

संग्राहकों ने बताया कि बस्तर में हरा सोना माने जाने वाले तेंदूपत्ता पर ओले के साथ तेज अंधड़ की मार के चलते कारोबार पर असर पड़ा है। बस्तर संभाग के हजारों परिवार की जीविका और आर्थिक स्रोत का एक प्रमुख साधन तेंदूपत्ता है। मौसम का मिजाज बदल गया है, तेज हवाएं चलने के साथ बारिश और ओले गिरने के कारण कोमल तेंदूपत्ता को जबरदस्त नुकसान पहुंचा है। तेंदूपत्ता निकलने के दौरान पत्ता कोमल होता है, जिस पर पानी गिरने के बाद दाने के रूप में ▶▶|शेष पेज 5 पर

पुलिस महकमे में हड़कंप

थाने से दुष्कर्म का आरोपी फरार, 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले के नवागढ़ ब्लॉक की सोनपुरी की लौह अभी ठंडी हुई नहीं ओर थाना खम्हरिया से एक गंभीर अपराध का आरोपी फरार हो गया। यह घटना 23 मई की रात की है, जब दुष्कर्म का आरोपी देवेन्द्र यादव पुलिस अभिरक्षा से भाग निकला। आरोपी की फरारी की सूचना मिलते ही एसएसपी रामकृष्ण साहू ने तत्काल कड़ी कार्रवाई करते हुए 5 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। फरार ▶▶|शेष पेज 5 पर

लॉकअप व्यवस्था की समीक्षा शुरू

घटना के बाद जिला स्तर पर सभी थानों की सुरक्षा व्यवस्था और लॉकअप निगरानी प्रणाली की समीक्षा शुरू कर दी गई है। सभी एसएचओ और अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने थानों में सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता दें और नियमित निरीक्षण करें। इस निरीक्षण में एएसपी ज्योति सिंह, एसडीओपी मनोज तिर्की और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

बड़ी साजिश नाकाम

भारत और पाक की सीमा पर मारा गया घुसपैठिया

अहमदाबाद। *सीमा सुरक्षा बल ने गुजरात में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसने की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ ने एक विज्ञप्ति में बताया कि बल के सतर्क जवानों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को शुक्रवार रात बनासकांठा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके सीमा बाड़ की ओर बढ़ते देखा। विज्ञप्ति में कहा गया है, उन्होंने घुसपैठिए से रुकने को कहा लेकिन इसके बावजूद वह आगे बढ़ता रहा जिसके बाद जवानों ने गोलियां चला दीं। घुसपैठिए को मौके पर ही मार गिराया गया। आम तौर पर इस सरहद पर एसी कोई घटना नहीं होती हैं। गुजरात में सामान्य तौर पर सरक्रिक इलाके से घुसपैठ होती है और वहां उसको नाकाम बनाने का बड़ा चैलेंज रहता है।*

पीएम व पूरी पड़ताल के बाद शव किया जाएगा सुपुर्द

टॉप नक्सली का शव लेने फ्रीजर वाहन लेकर आंध्र से पहुंचे परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/नारायणपुर

माड़ मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों के शव लेने परिजन पहुंचने लगे है। मुठभेड़ के तीन दिन बाद शव लेने पहुंचे 8 नक्सलियों के शव परिजनों को पीएम कार्रवाई व जांच के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं मुठभेड़ में मारे गए अन्य नक्सलियों के शव के पीएम की कार्रवाई जारी है। शनिवार को 25 लाख के ईनामी डीकेएसजेडसीएम (दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी) कुख्यात नक्सली कैडर यसन्ना उर्फ जंगू नवीन जिसका असली नाम सज्जा वेंकट नागेश्वर राव का शव लेने परिजन नारायणपुर फ्रीजर वाहन लेकर पहुंचे थे। मुठभेड़ में मारा गया 60 वर्षीय राव आंध्रप्रदेश के प्रकाशम जिले का निवासी था। जिसका अन्य कोड नाम राजन्ना, मधु व यसन्ना थे। वह साउथ जोनल कमेटी का सदस्य था और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उस पर 25 लाख का इनाम घोषित था। इसके शव को कार्रवाई पूरी नहीं होने के चलते परिजनों को नहीं सौपा गया है। पूरी कार्रवाई होने के बाद रविवार को शव सौंपे जाने की संभावना है। इसके अलावा मुठभेड़ में मारे गए ▶▶|शेष पेज 5 पर

■ स्थानीय कैडर के 8 नक्सलियों के शव दिया गया परिजनों को

परिजन अब कहां से आ गए हो रही तस्दीक

मुठभेड़ में मारे गए नक्सली पिछले चार दशक से अधिक समय तक जंगलों में रहकर आंतक मचाए हुए थे। अब उनके मारे जाने के बाद अचानक परिजन पहुंचने लगे हैं। इसलिए परिजनों की पूरी तस्दीक होने व रिश्तेदारी साबित होने के बाद ही शव सौंपा जाएगा।

-सुंदरराज पी, आईजी बस्तर

डीएनए टेस्ट के बाद नक्सलियों का शव दिया जाएगा

जानकारी के मुताबिक पड़ोसी राज्य आंध्रप्रदेश व तेलगांना के मारे गए नक्सलियों के शवों का पीएम व डीएनए टेस्ट किया जा रहा है। पूरी तस्दीक होने के बाद ही परिजनों को शव को सौंपा जाएगा। इसके लिए जिला अस्पताल नारायणपुर में प्रक्रिया जारी है। पंचनामा, पीएम व टेस्ट के बाद परिजनों की तस्दीक की जाएगी तभी शव सुपुर्द किया जाएगा।

---

54 की उम्र में ली आखिरी सांस

'सन ऑफ सरदार' फेम अभिनेता मुकुल का निधन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

'सन ऑफ सरदार', 'यमला पगला दीवाना' और 'जय हो' जैसी फिल्मों में अभिनय से लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता मुकुल देव (54) का निधन हो गया। उनके भाई और अभिनेता राहुल देव ने शनिवार को यह जानकारी दी। राहुल देव ने कहा, मेरे भाई मुकुल देव का कल रात नयी दिल्ली में खराब स्वास्थ्य के कारण निधन हो गया।

'दस्तक' से करियर की शुरुआत

मुकुल देव ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 1996 में आई फिल्म 'दस्तक' से की थी, जिसमें उनके साथ सुष्मिता सेन और शरद कपूर थे। उनकी प्रमुख फिल्मों में अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार', सलमान खान की 'जय हो', धर्मेंद्र, सनी देओल और बॉबी देओल की 'यमला पगला दीवाना', 'कोहराम', 'आर... राजकुमार' और 'वार छोड़ ना यार' शामिल हैं।

बीसीसीआई ने किया 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान

गिल बने टेस्ट कप्तान, शमी इंग्लैंड दौरे से बाहर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बल्लेबाजी स्टार शुभमन गिल को शनिवार को 'बड़े बदलाव के दौर' से गुजर रही 18 सदस्यीय भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। ऋषभ पंत को इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला के लिए उप कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई। पच्चीस साल के गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान होंगे। मंसूर अली खान पटौदी (21), सचिन तेंदुलकर (23), कपिल देव (24) और रवि शास्त्री (25) ने उन से कम उम्र में देश की टेस्ट टीम का नेतृत्व किया है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला 20 जून से लीड्स में शुरू होगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के इस महीने टेस्ट क्रिकेट ▶▶|शेष पेज 5 पर

भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, शारदुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

गिल शानदार खिलाड़ी, पंत बने सहायक

चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के बाद कहा, 'पिछले साल या उससे भी पहले हमने शुभमन पर नजर रखना शुरू कर था। हम मानते है कि वह इस काम के लिए सबसे उपयुक्त है। यह काफी दबाव वाला काम है लेकिन वह एक शानदार खिलाड़ी है। हम उसे शुभकामनाएं देते हैं। पंत पिछले चार-पांच वर्षों में टेस्ट क्रिकेट में हमारे सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं।

32 मैच में बनाए 1893 रन

गिल ने 2020 में पदार्पण करने के बाद अब तक 32 टेस्ट मैच खेले हैं तथा शीर्ष क्रम में खेलते हुए पांच शतक और सात अर्द्धशतक के साथ 35 के औसत से 1893 रन बनाए हैं। वहीं 27 वर्षीय पंत थोड़े अनुभवी हैं जिन्होंने 43 टेस्ट मैच 42.11 के औसत से 2948 रन बनाए हैं। वह 2018 में टीम में शामिल हुए जिसके बाद उन्होंने छह शतक और 15 अर्धशतक लगाए हैं।

शमी फिट नहीं

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम से बाहर रखा गया है। उन्हें इस लंबी श्रृंखला के लिए पर्याप्त रूप से फिट नहीं माना गया। शमी के बारे में अगरकर ने कहा, 'वह श्रृंखला के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पिछले हफ्ते उन्हें थोड़ा झटका लगा। उन्होंने कुछ एमआरआई करवाए हैं। मैं यह बताना चाहूंगा कि मुझे नहीं लगता कि वह सभी पांच टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे। मुझे नहीं लगता कि उनका कार्यभार उतना है जितना होना चाहिए।

झूमके बरसे बदरा

देशभर में बदला मौसम

उत्तर पूर्व से लेकर मध्य भारत में बारिश

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम में बारिश के दौरान शनिवार को विझिनजाम बंदरगाह पर आगंतुक। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने शनिवार को केरल में दस्तक दे दी है। देशभर के कई इलाकों में प्री मानसून बारिश हो रही है।

तिरुवनंतपुरम में भारी बारिश के बाद उखड़े हुए पेड़ को हटाते अग्निशमन और बचावकर्मी।

नादिया। पश्चिम बंगाल के नादिया में बारिश के दौरान जलभराव वाली सड़क से दोपहिया वाहन से अपने बच्चे के साथ गुजरती महिला।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में बारिश के बीच सड़क पार करते यात्री।

खबर संक्षेप

भ्रष्टाचार : 5 दिन की पुलिस हिरासत में आप विधायक अरोड़ा

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर सेंट्रल से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक रमन अरोड़ा को पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी गुरुवार को उनके निवास पर छापेमारी के बाद की गई थी। आज, शनिवार को उन्हें पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। 54 वर्षीय विधायक पर आरोप है कि उन्होंने नगर निगम के कुछ अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर झूठे नोटिस भेजकर लोगों से अवैध वसूली की।

नोएडा में मिला कोरोना का पहला केस

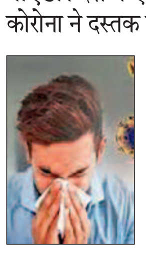

नोएडा। देश में एक बार फिर से कोरोना ने दस्तक दे दी है। नोएडा से लेकर गाजियाबाद समेत अन्य जगहों पर वायरस से संक्रमित मरीजों के केस सामने आने लगे हैं। बीते दिन गाजियाबाद में कोविड पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद नोएडा में भी कोरोना का पहला मरीज मिला है। यहां सेक्टर-110 में रहने वाली 55 वर्षीय बुजुर्ग महिला के माइल्ड लक्षण के साथ निजी अस्पताल पहुंची थी।

बलूचिस्तान में पाक सेना ने पत्रकार को गोलियों से भूना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक वरिष्ठ पत्रकार की गोली मार कर हत्या कर दी गई। पाकिस्तान आर्मी से जुड़े मिलिशिया ने घर में घुसकर उनके ही पत्नी और बच्चे के सामने से पत्रकार को मौत के घाट उतार दिया। इससे पहले बेटे समेत उनके परिवार के चार सदस्यों की भी हत्या कर दी गई थी। पाकिस्तानी आर्मी समर्थित मिलिशिया ने बलूचिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल लतीफ बलूच को गोलियां मार दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मिलिशिया एक नागरिक सशस्त्र बल है, जो किसी देश या क्षेत्र की रक्षा के लिए नियमित सेना के अतिरिक्त कार्य करता है।

चार दिन पहले जलाया था गृहमंत्री का घर

पाक में राष्ट्रपति की बेटी के काफिले पर हमला सिंधु नदी परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की बेटी और सांसद आसिफा भुट्टो के काफिले पर शुक्रवार को भीड़ ने हमला कर दिया। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया।

पुलिस के मुताबिक आसिफा कराची से नवाबशाह जा रही थीं। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोका और विवादित नहर परियोजना और कॉर्पोरेट खेती के खिलाफ नारे लगाए। कुछ लोगों ने काफिले की गाड़ियों पर डंडों से हमला कर दिया। आसिफा के साथ मौजूद सुरक्षा टीम और हैदराबाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और उनकी गाड़ी को सुरक्षित वहां से निकाल लिया। इस पूरी घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पाकिस्तान सरकार सिंध नदी पर नहर बनाने की प्लानिंग कर रही है। इससे स्थानीय लोग नाराज हैं। नाराज लोगों ने मंगलवार को सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर का घर जला दिया था।

भारत द्वारा सिंधु समझौता रद्द करने से और बिगड़ गए हैं हालात

पाकिस्तान में सिंध के गृहमंत्री का घर जलाया

पाकिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर का घर जला दिया था। प्रदर्शनकारियों ने घर की सुरक्षा में तैनात गाड्‌र्स को भी पीटा। रिपोर्ट के मुताबिक सिंध के नौशेहरो फिरोज जिले में मंगलवार को पुलिस और एक राष्ट्रवादी संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी। इसमें कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा दोनों तरफ के कई लोग भी घायल हो गए।

1 मिनट रुका था काफिला

इलाके के एसएसपी जफर सिद्दीकी ने मीडिया को बताया कि काफिला एक मिनट से भी कम समय के लिए रुका था और आसिफा या उनके सुरक्षा कर्मियों को कोई नुकसान नहीं हुआ। उन्होंने कहा- शांतिभंग करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिंध का पानी चोलिस्तान ले जाना चाहती है सरकार, इससे लोग नाराज

पाकिस्तानी वेबसाइट जियो टीवी के मुताबिक सरकार की योजना सिंध नदीं पर नहरें बनाकर चोलिस्तान में हजारों एकड़ बंजर जमीन पर खेती करने की है। इसकी लागत करीब 211 अरब पाकिस्तानी रुपए (63 अरब भारतीय रुपए) है। हालांकि बिलावल भुट्टो की पार्टी पीपीपी इसके खिलाफ है। उनका कहना है कि सिंध को इससे नुकसान होगा और उनका पानी छीन लिया जाएगा। कुछ हफ्ते पहले एक समिति (काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट- सीसीआई) ने भी इस प्रोजेक्ट को खारिज कर दिया था। उनका कहना था कि जब तक सभी राज्यों (प्रांतों) की आपसी सहमति नहीं होगी, तब तक कोई नई नहर नहीं बनेगी। इसके बावजूद सिंध में विरोध प्रदर्शन जारी हैं।

यूएन में भारत ने दिखाया पाक को आईना

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र में जल संधि पर अरिया फॉर्मूला मीटिंग में भारत के प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने ये भी बताया है कि कब तक सिंधु जल संधि सस्पेंड रहेगी। संयुक्त राष्ट्र में जल संधि को लेकर भारत के प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि भारत ने 65 साल पहले सद्भावनापूर्वक सिंधु जल संधि की थी। पाकिस्तान ने भारत पर तीन युद्ध और हजारों आतंकी हमले करके इसकी भावना का उल्लंघन किया है। 20,000 से अधिक भारतीय मारे गए हैं, जिनमें सबसे हालिया पहलगाम में आतंकी हमला है। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी तरह का व्यापार खत्म करने के साथ ही सिंधु जल संधि भी रद्द कर दी थी। जब तक आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान सटीक कदम उठाता नहीं दिखेगा, तब तक सिंधु जल संधि सस्पेंड रहेगी।

पहलगाम हमला : अब हरियाणा के भाजपा सांसद का विवादित बयान

'सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरांगनाओं जैसा जोश नहीं था, इसलिए 26 लोग मरे'

एजेंसी ▶▶| भिवानी

पहलगाम हमले और महिलाओं पर बीजेपी नेताओं की बदजुबानी बंद नहीं हो रही है। मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री विजय शाह के बाद अब हरियाणा से भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले पर विवादित बयान दिया है।

बीजेपी सांसद ने शनिवार को भिवानी के पंचायत भवन में आयोजित अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान जिला संगोष्ठी कार्यक्रम में कहा कि पर्यटक हाथ जोड़कर मारे गए। अगर पीएम की योजना के तहत ट्रेनिंग लेते और सामना करते तो इतनी मौतें नहीं होती। बीजेपी सांसद जांगड़ा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं में वीरता की भावना पैदा करने के लिए एक बहुत बड़ी योजना (अग्निवीर) चलाई। पहलगाम हमले के बाद पूरा देश महसूस कर रहा है कि अगर नरेंद्र मोदी देश के युवाओं को जो ट्रेनिंग देना चाहते हैं, वह ट्रेनिंग यात्रियों के पास होती तो 3 आतंकवादी 26 लोगों को नहीं मार पाते। सांसद ने कहा- अगर यात्रियों के हाथ में लाठी, डंडा कुछ भी होता और वे चारों तरफ से आतंकवादियों की तरफ दौड़ते, तो मैं दावा करता हूं कि शायद 5 या 6 लोगों की ही जान जाती, लेकिन तीनों आतंकवादी भी मारे जाते।

22 मई को हुई थी आतंकी घटना

गौरतलब है कि पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 टूरिस्ट की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बदले में भारतीय सेना ने 7 मई को पाकिस्तान और **PoK** में 9 आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत एयर स्ट्राइक की थी। इसके बाद से बीजेपी नेताओं के लगातार एक के बाद एक बयान सामने आ रहे हैं।

पाकिस्तान के लिए जासूसी, गुजरात से अब स्वास्थ्य कर्मचारी गिरफ्तार

सूचनाएं भेजने के लिए मिले 40 हजार रुपए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में अब गुजरात से एक शख्स की गिरफ्तारी हुई है। इससे पहले दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश से कुछ लोगों को पाकिस्तान को अहम सूचनाएं लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है।

ऐसे लोगों में हरियाणा की रहने वाली यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का नाम काफी चर्चा में है लेकिन अब जिस शख्स की गिरफ्तारी हुई है वह गुजरात के कच्छ जिले का रहने वाला है। इस शख्स का नाम सहदेवसिंह दीपूभा गोहिल है और वह माता-ना-माध प्राइमरी हेल्थ सेंटर में स्वास्थ्य कर्मचारी है। उस पर आरोप है कि उसने सीमा सुरक्षा बल और भारतीय नौसेना से जुड़ी संवेदनशील तस्वीरों और वीडियो को एक ऑपरेटिव को भेजा था जिसे वह 'अदिति भारद्वाज' के नाम से जानता था।

40 हजार रुपए मिले नकद : यह भी पता चला है कि 2025 की शुरुआत में गोहिल ने एक नया सिमकार्ड हासिल किया और अपने फोन पर व्हाट्सएप एक्टिवेट कर इसे अदिति भारद्वाज को दे दिया। एटीएस के मुताबिक, गोहिल अदिति को लगातार सामग्री भेजता था और सूचनाएं देने के बदले में उसे एक बिचौलिए के जरिए 40 हजार रुपए नकद मिले थे।

खुद को बताया पाकिस्तान इंटेलिजेंस सर्विस का एजेंट

एटीएस के अफसरों के मुताबिक, गोहिल की अदिति भारद्वाज से मुलाकात व्हाट्सएप के जरिए 2023 में हुई थी। एटीएस ने बताया कि अदिति भारद्वाज ने खुद को पाकिस्तान इंटेलिजेंस सर्विस का एजेंट बताया और गोहिल से कहा कि वह कच्छ के इलाके में बीएसएफ और नौसेना सहित भारतीय सेना के कुछ निर्माणाधीन और नए बने संस्थानों के बारे में बताए।

जापान में सेनानी बोस को श्रद्धांजलि...

नई दिल्ली। जापान की यात्रा पर गए भारत के बहुपक्षीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य, कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, टोक्यो में शनिवार को तामा कब्रिस्तान में स्वतंत्रता सेनानी रास बिहारी बोस को श्रद्धांजलि देते हुए। यह प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद पर भारत का संदेश देने के लिए इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर की यात्रा पर है। यह तसवीर एक्स पर टोकियो स्थित भारतीय दूतावास ने जारी की है।

केसीआर भगवान हैं जो शैतानों से घिरे हैं : बेटी कविता

हैदराबाद। बीआरएस में सबकुछ ठीक नहीं है, यह केसीआर की बेटी कविता के बयान से समझा जा सकता है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के भीतर आंतरिक मतभेद शुक्रवार को तब सामने आए जब पार्टी एमएलसी के कविता ने अपने पिता और पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव (केसीआर) को लिखे पत्र के लीक होने पर आपत्ति जताई। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में कुछ साजिशें रची जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि केसीआर भगवान की तरह हैं, लेकिन कुछ शैतानों से घिरे हुए हैं।

पश्चिम बंगाल के पूरबा मेदिनीपुर की दर्दनाक घटना

मां मैंने चिप्स नहीं चुराए... आहत बच्चे ने जहर खाकर दे दी जान

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पूरबा मेदिनीपुर के पंसकुरा में चोरी का आरोप लगाने से आहत एक बच्चे ने जहर खाकर जान दे दी। बच्चे पर एक दुकानदार ने चिप्स पैकेट चुराने का आरोप लगाकर बीच बाजार में कान पकड़कर बैठा दिया था और फिर उसकी पिटाई भी की थी। हालांकि बच्चा लगातार यही कह रहा था कि उसने चिप्स का पैकेट नहीं चुराया। फिर इसी बात से आहत होकर बच्चे ने आत्महत्या कर ली।

छात्र ने लिखा था सुसाइड नोट

ये मामला पंसकुरा के गोसाई बाजार से सामने आया है, जहां रहने वाले एक सातवीं कक्षा के छात्र कृष्णेंदु ने मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी अपने माता-पिता के नाम लिखा। उसने सुसाइड नोट में लिखा, 'मां, मैं आपको बता रहा हूं कि मैंने चिप्स का पैकेट नहीं चुराया। मुझे यह मिल गया था। मुझे सड़क के किनारे पैकेट मिला था, मैंने चोरी नहीं की।' बच्चे ने मरने से पहले भी अपनी बेगुनाही की बात ही सुसाइड नोट में लिखी।

सीसीटीवी फुटेज सामने आया

जिस दौरान कृष्णेंदु चिप्स खरीदने गया था। उस दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ पता चल रहा है कि बच्चा झूठ नहीं बोल रहा था। सीसीटीवी फुटेज में दुकान के सामने चिप्स का पैकेट पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। यही बात बच्चे ने अपने सुसाइड नोट में लिखी और कही थी।

ये है मामला

दरअसल, कृष्णेंदु रविवार को दास बाजार में शुभंकर दीक्षित की दुकान पर चिप्स खरीदने गया था। दुकान के बाहर चिप्स का पैकेट पड़ा देखकर कृष्णेंदु ने उसे उठा लिया और दुकानदार को न देखकर वह अपनी साइकिल लेकर वापस आ रहा था। तभी घर लौटते समय दुकान के मालिक शुभंकर ने अपनी बाइक से कृष्णेंदु का पीछा किया और उसे पकड़ लिया। और मारपीट की।

भड़के लोगों ने की दुकानदार के घर पर तोड़फोड़

कृष्णेंदु की मौत के बाद से दुकानदार शुभंकर फरार है। लोगों ने उसके घर पर तोड़फोड़ की है। शुभंकर के पिता सूर्यकांत दीक्षित ने कहा, 'कल कई लोगों ने हमारे घर पर हमला किया। उन्होंने तोड़फोड़ की। उन्होंने मेरे बेटे को जान से मारने की धमकी दी। फरार दुकानदार की पत्नी निशा दीक्षित ने बताया, 'कल बच्चे का शव हमारे घर के सामने छोड़ दिया गया और हमला किया गया। मैं अपने बच्चों के साथ घर पर थी। बच्चे डर से चिल्ला रहे थे। 200-250 लोग आए. सभी के हाथ में बांस की लाठियां थीं।'

चाईबासा कोर्ट में 26 जून को होना होगा पेश

राहुल की बढ़ीं मुश्किलें, गैर-जमानती वारंट हुआ जारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कानूनी परेशानियां एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। झारखंड के चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करते हुए उन्हें 26 जून 2025 को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। अदालत ने राहुल गांधी के वकील द्वारा दाखिल की गई पेशी से छूट की याचिका को खारिज करते हुए यह सख्त रुख अपनाया। यह मामला वर्ष 2018 में राहुल गांधी द्वारा दिए गए एक राजनीतिक भाषण से जुड़ा है। 28 मार्च 2018 को कांग्रेस के एक अधिवेशन के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा के खिलाफ तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस भाषण को लेकर भाजपा नेता प्रताप कटियार ने 9 जुलाई 2018 को चाईबासा सीजेएम कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया था। इसके बाद मामला झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर 20 फरवरी 2020 को रांची स्थित एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया। वहां से केस रिकॉर्ड वापस चाईबासा की एमपी-एमएलए कोर्ट में भेजा गया, जहां न्यायिक दंडाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को समन जारी किया।

रायपुर, रविवार 25 मई 2025 | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी | वर्ष : 23, अंक : 307 | पृष्ठ : 12+6+4 = 22 मूल्य : 5 .00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दांतों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का वरदान, सरकारी अस्पतालों में होगा बीमारियों का मुफ्त इलाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आने वाले दिनों में लोगों को दांतों से संबंधित बीमारियों का शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना से निशुल्क उपचार का लाभ मिल सकता है। प्रारंभिक विचार के मुताबिक आयुष्मान योजना में इसका पैकेज सरकारी अस्पतालों के लिये रिजर्व किया जा सकता है। दांतों की बीमारी को पैकेज में जोड़ने के लिए शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय से प्रस्ताव के साथ बीमारियों के बारे ⏭ शेष पेज 5 पर

खास खबर

हेल्थ सेंटर में सीमित उपचार

दांतों की बीमारी के इलाज के लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और हमर अस्पताल में डेंटिस्टों की नियुक्ति की गई है, मगर वहां इलाज दांतों की जांच और तोड़ने से आगे नहीं बढ़ पाई है। इसकी एकमात्र वजह उपचार के लिए पर्याप्त संसाधन और दवा उपलब्ध नहीं कराना है। दांतों के इलाज की औपचारिकता पूरी करने के लिए वहां हर महीने करीब दस हजार का फंड रिलीज किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि वहां भी आवश्यक सुविधाएं दी जानी चाहिए, ताकि दंत रोगियों को प्राथमिक उपचार की सुविधा दी जा सके।

- दंत चिकित्सा महाविद्यालय से मांगी गई बीमारियों की जानकारी और प्रस्ताव
- लंबी शिकायतों के कारण छह साल पहले आयुष्मान पैकेज से हटाया गया था

विचार किया जा रहा

दांतों के इलाज की सुविधा को आयुष्मान में शामिल किये जाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए बीमारियों की जानकारी लेकर परीक्षण किया जाएगा। प्रदेश सरकार निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा पर विशेष ध्यान दे रही है।

\- **श्याम बिहारी जायसवाल**, स्वास्थ्य मंत्री

दांतों के तार लगने की ढेरों शिकायत पर एक्शन

वर्ष 2019 के पूर्व स्वास्थ्य सहायता योजना के पैकेज में दांतों की बीमारी शामिल थी। ज्यादा लाभ के चक्कर में निजी डेंटिस्टों द्वारा मरीजों के दांतों का बिना जरूरत के इलाज करना शुरू कर दिया गया था। सबसे ज्यादा शिकायत दांतों को टेढ़ा मेढ़ा बताकर उसे तार से बांधने की प्रक्रिया पूरी की जाने लगी। आने वाले सबसे ज्यादा क्लेम के बाद मामले की जांच हुई और गड़बड़ी का पता लगते ही इस बीमारी को पैकेज से हटा दिया गया था। वर्तमान में दांतों से संबंधित बीमारी काफी ज्यादा सामने आने लगी हैं। इसे ध्यान में रखते हुए इस बीमारी को आयुष्मान योजना में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है।

जानकारी मांगी गई

स्वशासी समिति की बैठक के दौरान दांतों की बीमारी तथा मौजूदा उपचार व्यवस्था की जानकारी मांगी गई है। अभी मरीजों से जांच के लिये निर्धारित शुल्क लिया जाता है।

\- **डा. विरेन्द्र वाढेर**, प्राचार्य शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय

- दांतों की बीमारी और निजी अस्पताल में खर्च
- दंत प्रत्यारोपण: प्रति दांत एक से तीन हजार
- कैविटी भरने के लिए हजार के डेढ़ हजार
- मसूड़ों की सूजन का इलाज 5 से 15 हजार
- रूट कैनाल का खर्च 5 से 15 हजार रुपए तक

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सुरक्षाबलों की कार्रवाई में मारे गए दो नक्सली

रांची। झारखंड के लातेहार जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों की कार्रवाई में 'झारखंड जन मुक्ति परिषद' के दो खूंखार नक्सली मारे गए। इनमें से एक पर 10 लाख रुपए और दूसरे पर पांच लाख रुपए का इनाम घोषित था। समूह का एक और सदस्य घायल हुआ है जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके पास से एक इंसास राइफल बरामद की गई है।

पत्नी से विवाद, ससुर की कर दी हत्या

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में पत्नी से विवाद के बाद एक व्यक्ति ने अपने ससुर की कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। बोरखेड़ी गांव में आरोपी पंकज देवराओ गजभिये (30) ने अपने ससुर अरुण ध्यानदेव भगत (65) पर तेजधार हथियार से हमला किया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

दो टैंकरों की, टक्कर में चालक की मौत

अमेठी। जिले के मोहनगंज थाना क्षेत्र के कस्बा तिलोई में दो टैंकरों की आमने-सामने की टक्कर में एक टैंकर चालक की मौत हो गई। थाना क्षेत्र के कस्बा तिलोई में शराब के ठेके के निकट शुक्रवार देर रात कानपुर की तरफ से आ रहे एक टैंकर की सामने से आ रहे टैंकर से टक्कर हो गई, जिसमें एक टैंकर के चालक की मौत हो गई।

कैंसर की नकली दवा की आपूर्ति, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कैंसर की नकली दवाओं की आपूर्ति से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले में तीन साल से फरार एक आरोपी को पश्चिम बंगाल के रानीगंज से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सबीर आलम के रूप में हुई है, जिसे अदालत ने पहले ही भगोड़ा घोषित कर रखा था।

देश में कोरोना के अबतक 350 एक्टिव मरीज

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे में 8, उत्तराखंड-हरियाणा में 3-3 और यूपी के नोएडा में एक मामला सामने आया है। ठाणे में शुक्रवार को 10 मामले सामने आए थे। 23 मई को अहमदाबाद में 20, यूपी में 4, हरियाणा में 5 और बेंगलुरु में 9 महीने का एक बच्चा कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की बैठक में छाए छग के सीएम साय

साय ने खींचा 75 लाख करोड़ की इकॉनामी और थ्री टी मॉडल के साथ 2047 का खाका

बैठक की थीम विकसित राज्य से विकसित भारत @2047 रखी गई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को दिल्ली के भारत मंडपम में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य का दूरदर्शी विकास मॉडल प्रस्तुत किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए 75 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था का दीर्घकालिक लक्ष्य रखा और इसके केंद्र में '3टी मॉडल' (टेक्नॉलाजी, ट्रांसपरेंसी, ट्रांसफॉर्मेशन) को बताया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली/रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य का दूरदर्शी विकास मॉडल प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि कभी नक्सल हिंसा के लिए पहचाना जाने वाला बस्तर अब देश को विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता का नया मॉडल देने जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने नीति आयोग के मंच पर छत्तीसगढ़ के लिए 75 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था का दीर्घकालिक लक्ष्य रखा और इसके केंद्र में '3टी मॉडल' (टेक्नॉलाजी, ट्रांसपरेंसी, ट्रांसफॉर्मेशन) को बताया। उन्होंने ⏭ शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी बोले-

केंद्र-राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह करें काम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकास की गति बढ़ाने की जरूरत है। नीति आयोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पर प्रधानमंत्री के हवाले से कहा, हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

ममता, सिद्धारमैया और विजयन ने बनाई दूरी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बैठक से दूरी बनाई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी इस बैठक में शरीक नहीं हुए। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी बैठक में शिरकत नहीं की। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी भी बैठक में नहीं आए।

प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा : मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में है। खासकर स्टील, कोयला, डोलोमाइट और लिथियम जैसे संसाधनों की उपलब्धता से छत्तीसगढ़ औद्योगिक दृष्टि से अग्रणी बन रहा है। स्टील उत्पादन क्षमता को 28 मिलियन टन से बढ़ाकर 45 मिलियन टन करने और बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 2030 तक हम देश में पहले स्थान पर पहुंच जाएंगे।

पीएम ने आत्मीयता से थामा साय का हाथ

कहा- छग की बात अभी बाकी...

- नीति आयोग की बैठक में दिखी आत्मीयता
- पीएम ने की सीएम साय की सराहना

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक के दौरान एक आत्मीय क्षण सामने आया, जिसने सबका ध्यान खींचा। लंच ब्रेक के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हाथ थामते हुए मुस्कुराकर कहा, छत्तीसगढ़ की बात अभी बाकी है। इसमें प्रधानमंत्री का स्नेह, विश्वास और राज्य के प्रति विशेष रुचि झलक रही थी। उस क्षण, आसपास उपस्थित आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी मुस्कराते हुए इस संवाद के साक्षी बने। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों में हो रहे सकारात्मक बदलाव, औद्योगिक निवेश और 'आत्मनिर्भर बस्तर' की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाए गए ठोस कदमों की सराहना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ⏭ शेष पेज 5 पर

छत्तीसगढ़ राज्य निर्णायक भूमिका निभाएगा

यह क्षण किसी औपचारिक संवाद का नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ के विकास के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री साय के प्रयासों की सहज स्वीकृति और सराहना का था। नीति आयोग की बैठक में जहां देशभर के राज्यों ने अपने विकास मॉडल प्रस्तुत किए, वहीं ⏭ शेष पेज 5 पर

पीएम के सामने साय देंगे आज प्रस्तुति

नक्सलवाद-उद्योग नीति पर रहेगा बड़ा फोकस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को भाजपा और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री परिषद की बैठक करेंगे। इस बैठक में पांच राज्यों को प्रस्तुति देने का अवसर दिया गया है, इनमें छत्तीसगढ़ भी शामिल है। छत्तीसगढ़ की प्रस्तुति मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय देंगे। कहा जा रहा है कि उनका प्रस्तुतिकरण मुख्य रूप से नक्सलवाद और उद्योग नीति पर फोकस रहेगा। इसी के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के लिए प्रदेश सरकार क्या कर रही है और आगे की क्या योजना है, इसके बारे में भी जानकारी प्रस्तुत की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय अभी दिल्ली में हैं। शनिवार को नीति आयोग की बैठक हुई है। इसमें छत्तीसगढ़ में क्या हो रहा है, इसके विजन के बारे में कई जानकारियां दी गई हैं। अब रविवार को एक और ⏭ शेष पेज 5 पर

- मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री के सामने प्रस्तुति देने का अवसर

पांच राज्यों में छग

बैठक में पांच राज्यों को अपने राज्यों की प्रस्तुति देने के लिए चुना गया है। इसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल है। छत्तीसगढ़ को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रस्तुति देंगे। जानकारों का कहना है कि छत्तीसगढ़ का बड़ा फोकस नक्सलवाद और उद्योग नीति ⏭ शेष पेज 5 पर

उद्योगनीति से निवेशक प्रभावित

बैठक में छत्तीसगढ़ की उद्योगनीति के बारे में भी बताया जाएगा। छत्तीसगढ़ की नई उद्योगनीति आने के बाद निवेशक प्रभावित हो रहे हैं और बड़े निवेशक भी छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। राजधानी रायपुर के साथ ही बस्तर में भी अब बड़े निवेश आ रहे हैं। नवा रायपुर में स्थापित की जा रही देश की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट और एआई डेटा सेंटर से बस्तर एवं समूचे राज्य में रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। अब बस्तर मेक इन इंडिया' का उपयुक्त स्थल बन रहा है। इन सब के बारे में मुख्यमंत्री प्रस्तुतिकरण में जानकारी देंगे।

करोड़ों की गड़बड़ी, एसीबी और ईओडब्लू को अब जांच का जिम्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

खास खबर

अरपा भैंसाझार परियोजना में एक ही खसरे का अलग-अलग रकबा दिखाकर मुआवजा बांटने में करीब 4 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की गई। मामला उजागर हुआ और जांच की गई, तब 10 से अधिकारियों को मामले में दोषी माना गया था लेकिन सिर्फ एक राजस्व निरीक्षक मुकेश साहू को बर्खास्त करने के बाद मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। अब जांच का जिम्मा एसीबी व ईओडब्ल्यू को सौंपा गया है। जल संसाधन विभाग के अवर सचिव ने सीई जल ⏭ शेष पेज 5 पर

अरपा भैंसाझार नहर घोटाला

- कलेक्टर द्वारा गठित जिला स्तरीय कमेटी ने 10 अधिकारियों को दोषी पाया था
- सिर्फ एक आरआई को बर्खास्त कर फाइल को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया

एक खसरे का चार अलग-अलग रकबा दर्शाया

पिछली सरकार में जब विधानसभा में मामला उठा तो बताया गया कि इस प्रोजेक्ट में मुआवजा बांटने के बहाने 3.42 करोड़ का घोटाला कर शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाई गई है। लेकिन, दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई। जिसके बाद कलेक्टर अवनीश शरण ने दोबारा जांच ⏭ शेष पेज 5 पर

सुप्रीम कोर्ट से पेटीएम को राहत

फर्स्ट गेम्स को भेजी गई 5712 करोड़ की नोटिस पर रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के स्वामित्व वाले रियल मनी गेमिंग मंच फर्स्ट गेम्स को भेजे गए 5,712 करोड़ रुपये के जीएसटी नोटिस पर रोक लगा दी है। पेटीएम ब्रांड नाम के तहत कारोबार करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने शनिवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय, नयी दिल्ली ने अप्रैल में फर्स्ट गेम्स को कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया था।

उद्योग व्यापी मुद्दा बताया

वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा कि कर का मामला एक उद्योग-व्यापी मुद्दा है और फर्स्ट गेम्स तक सीमित नहीं है। इस मामले की सुनवाई न्यायालय कर रहा है।

सरकार ने लगाई मुहर, 7 करोड़ से ज्यादा कर्मियों को होगा फायदा

पीएफ पर इस साल भी मिलेगा 8.25 फीसदी ब्याज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दी है। इससे ईपीएफओ अपने सात करोड़ से अधिक अंशधारकों के भविष्य निधि पर वार्षिक ब्याज जमा कर सकेगा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 28 फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर को बरकरार रखने का फैसला किया था। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में दिये गये ब्याज दर के बराबर है।

मंत्री की अध्यक्षता में हुई थी बैठक

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में 28 फरवरी को नयी दिल्ली में ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड की 237वीं बैठक में ब्याज दर पर निर्णय लिया गया था। गौरतलब है कि कई निश्चति इनकम वाले साधनों की तुलना में **EPF** ज्यादा और स्थिर रिटर्न पेश करता है, जिससे रिटायरमेंट के बाद सेविंग में स्थिर बढ़ोतरी होती है।

घटता-बढ़ता रहा ब्याज

ईपीएफओ ने फरवरी 2024 में 2023-24 के लिए ब्याज दर को मामूली बढ़ाकर 8.25 प्रतिशत किया था जो 2022-23-में 8.15 प्रतिशत था। वहीं, मार्च 2022 में 2021-22 के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से अधिक के निचले स्तर 8.1 प्रतिशत कर दिया गया था। यह 2020-21 में 8.5 प्रतिशत था।

कैसे तय होती है ईपीएफ ब्याज दर?

ईपीएफओ की सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) ब्याज दर पर फैसला करती है और फिर इसे वित्त मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा जाता है। जब सरकार इस पर सहमति दे देती है, तब यह ब्याज ईपीएफओ ग्राहकों के खातों में जमा किया जाता है। ईपीएफओ कर्मचारियों के लिए हर साल ब्याज दर तय करता है और फिर उसकी मंजरी के लिए वित्त मंत्रालय के पास भेजता है। इसके बाद वित्त मंत्रालय को अगर लगाता है कि यह ब्याज दर सही है तो फिर इसे अप्रूव कर दिया जाता है, लेकिन अगर वित्त मंत्रालय को इसमें किसी भी तरह की बदलाव की गुंजाइश दिखती है तो फिर वह चर्चा के बाद दूसरा रेट्स मंजूर कर सकता है।

सोवियत संघ के काल से ही रूस वस्तुतः कश्मीर विवाद के जटिल प्रश्न पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत को बिना किसी शर्त के एक तरफा समर्थन प्रदान करता आया है। लेकिन हाल ही में हुए भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस द्वारा संघर्षरत दोनों देशों के मध्य तटस्थ रहकर द्विपक्षीय वार्ता अंजाम देने की पेशकश की गई। राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने फरमाया कि दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ अपने ताल्लुक़ात को रूस बराबरी के स्तर पर अपनी तवज्जो प्रदान करता है। जब से भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के निकट हुआ है, तभी से रूस का भारत के प्रति कूटनीतिक खिंचाव बढ़ता गया है। भारत पाक के बीच ताजा झड़प में हमने देख लिया कि कौन हमारे साथ खड़ा है। दूसरी ओर, ईयू-यूके में हुए ताजे समझौते के बाद यूरोप को भारत की याद आ रही है। बदलते विश्व में भारत की बड़ी भूमिका होगी, बशर्ते हम पिछलग्गू ना बनें। हमें आत्मावलोकन करना होगा। बयानबाज़ी और कड़े तेवर नहीं, बल्कि विनम्रता और धैर्य इस नए दौर की राजनयिक मुद्रा होगी। आजकल के ताजा अंक में पेश है विश्व पटल पर निर्मित हो रहे सैन्य गठबंधनों पर एक विश्लेषण...

भारत-पाक सैन्य संघर्ष में कूटनीति का दीदार

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

भारत और पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौर में भारत के प्रति रूस की कूटनीति का एकदम नया चेहरा उजागर हो गया। ऐतिहासिक रूप से दृष्टि डालें तो फिर सोवियत संघ के काल से ही तथा सन् 1991 में सोवियत संघ के विघटन के तत्पश्चात के कालखंड में भी रूस वस्तुतः कश्मीर विवाद के जटिल प्रश्न पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत को बिना किसी शर्त के एक तरफा समर्थन प्रदान करता रहा। उस वक्त के सोवियत संघ ने संपूर्ण कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया था। पहलगाम में अंजाम दिए गए जिहादी आक्रमण के बाद भारतीय सेना द्वारा पाक के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई को लेकर रूस की भारत के प्रति व्यक्त की गई प्रतिक्रिया को बहुत सकारात्मक तौर पर नहीं देखा जा सकता है।

सिर्फ चार दिनों के भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौरान विश्व पटल पर भारत द्वारा कूटनीतिक कलाबाजियों और जटिलताओं का जबरदस्त दीदार किया गया। विश्व पटल पर बनते और बिगड़ते सैन्य गठबंधनों के दौर में परमाणु बमों से लैस दुनिया तृतीय विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी है। भारत और पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौर में भारत के प्रति रूस की कूटनीति का एकदम नया चेहरा उजागर हो गया।

ऐतिहासिक रूप से दृष्टि डालें तो फिर सोवियत संघ के काल से ही तथा सन् 1991 में सोवियत संघ के विघटन के तत्पश्चात के कालखंड में भी रूस वस्तुतः कश्मीर विवाद के जटिल प्रश्न पर पाकिस्तान के विरुद्ध भारत को बिना किसी शर्त के एक तरफा समर्थन प्रदान करता रहा। वर्तमान भारत-पाक सैन्य संघर्ष में रूस द्वारा संघर्षरत दोनों देशों के मध्य तटस्थ रहकर द्विपक्षीय वार्ता अंजाम देने की पेशकश की गई। जब कभी भी भारत और रूस के कूटनीतिक संबंधों की चर्चा होती है तो फिर सोवियत संघ के दौर वाली गर्म जोशी को प्रायः भारतवासी याद किया करते हैं। शीत युद्ध के दौर में कश्मीर विवाद पर अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा सदैव पाकिस्तान का पक्ष लिया गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यों में सोवियत संघ ही एकमात्र देश था, जिसने कि सन् 1957, 1962 और 1971 में कश्मीर विवाद में संयुक्त राष्ट्र की दखलंदाजी वाले पश्चिमी देशों के प्रस्ताव को वीटो करके निरस्त कर दिया था। उस वक्त के सोवियत संघ ने संपूर्ण कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया था।

रूस की प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक नहीं

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के विरुद्ध पेश किए गए प्रस्तावों को रूस द्वारा कुल मिलाकर छह बार वीटो करके निरस्त किया गया। इनमें रूस द्वारा किए गए अधिकतर वीटो कश्मीर विवाद में संयुक्त राष्ट्र की दखलअंदाजी को लेकर थे। सन् 2019 में जब भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर प्रांत का विशेष दर्जा समाप्त करने का ऐलान किया था, तब भी प्रेसिडेंट पुतिन की रूसी सरकार ने भारत का खुलकर समर्थन किया था। लेकिन पहलगाम में अंजाम दिए गए नृशंस जिहादी आक्रमण के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई को लेकर रूस की भारत के प्रति व्यक्त की गई प्रतिक्रिया को बहुत सकारात्मक तौर पर नहीं देखा जा सकता है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने फरमाया था कि भारत हमारा रणनीतिक पार्टनर है और पाकिस्तान भी हमारा राजनीतिक पार्टनर है। दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ अपने ताल्लुक़ात को रूस बराबरी के स्तर पर अपनी तवज्जो प्रदान करता है। राष्ट्रपति पुतिन का भारत का सरकारी दौरा दिसंबर 2021 में संपन्न हुआ था। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के तत्पश्चात पुतिन भारत नहीं पधारे हैं। दूसरी तरफ राष्ट्रपति पुतिन दो दफा चीन का शासकीय दौरा कर चुके हैं। इस दौरान वह अन्य देशों का भी दौरा करते रहे हैं। यहां तक कि सितंबर 2023 में दिल्ली में आयोजित जी 20 समिट में भी राष्ट्रपति पुतिन ने शिरकत नहीं की। भारत-पाक सैन्य संघर्ष के दौर में जब पाकिस्तान को प्रेसिडेंट शी जिनपिंग का चीन खुलकर समर्थन प्रदान कर रहा था तो भारत की तरफ से यह उम्मीद व्यक्त की जाती रही कि रूस द्वारा भारत का खुलकर समर्थन किया जाना चाहिए। भारत और रूस के ताल्लुक़ात यकीनन अब पहले जैसे कदाचित नहीं रहे हैं। जब से भारत कूटनीतिक तौर पर अमेरिका के निकट हुआ है, तभी से रूस का भारत के प्रति कूटनीतिक खिंचाव बढ़ता गया है।

रूस से सैन्य हथियारों का आयात कम

सन् 2009 से लेकर सन् 2013 के मध्य रूस से भारत को हथियारों का आयात तकरीबन 76 फीसदी था, लेकिन 2019 से 2023 के मध्य रूस से सैन्य हथियारों के आयात में 36 फीसदी की गिरावट आई है। सैन्य हथियारों के लिए भारत की निर्भरता अमेरिका एवं पश्चिमी देशों पर बढ़ गई है। भारत द्वारा रूस से अपेक्षाकृत सस्ता तेल आयात करने में काफी वृद्धि नजर आई। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत द्वारा रूस के प्रति एक तरफा समर्थन व्यक्त नहीं किया गया, बल्कि रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने कूटनीतिक मध्यस्थता का प्रस्ताव पेश किया। ठीक ऐसा ही रवैया रूस द्वारा भारत-पाक सैन्य संघर्ष में भारत के प्रति अपनाया गया है जबकि रूस ने भी कश्मीर विवाद पर भारत-पाक के मध्य मध्यस्थता करने का प्रस्ताव पेश किया है। शीत युद्ध के नए दौर में रूस बहुत संभल कर कदम उठा रहा है। रूस वस्तुतः चीन का अत्यंत निकट राजनीतिक और रणनीतिक पार्टनर बन गया है। चीन के विरुद्ध किसी सैन्य संघर्ष में सन्नद होकर रूस वस्तुतः भारत के साथ कदाचित खड़ा नहीं होगा। पाकिस्तान के विरुद्ध सन् 1971 की बांग्लादेश जंग में रूस भारत के पक्ष में खुलकर सैन्य तौर पर खड़ा हुआ था। लेकिन अब तो दुनिया बहुत बदल चुकी है। पाकिस्तान के ताल्लुक़ात अमेरिका और पश्चिमी जगत से पहले की तरह कायम नहीं रह गए हैं। यही कारण है कि रूस की नजदीकियां पाकिस्तान के साथ निरंतर बढ़ रही है।

भारत और अमेरिका में नजदीकियां बढ़ीं

अफगानिस्तान की तालिबान हुकूमत से प्रतिबंध हटा लेने के बाद रूस अब पाकिस्तान की मदद से अफगानिस्तान में अपने पैर जमाना चाहता है। 9/11 को न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर जिहादी आक्रमण के पश्चात भारत और अमेरिका के मध्य नजदीकियां बढ़ीं। अंतरराष्ट्रीय जिहादी आतंकवाद पर भारत और अमेरिका प्रायः एकजुट रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त 2021 में जब अमेरिकन सेना अफगानिस्तान से पलायन कर रही थी, तब काबुल एयरपोर्ट पर एक आत्मघाती हमला अंजाम दिया गया। इस आत्मघाती हमले में तेरह अमेरिकी सैनिक मारे गए और सौ अफगान नागरिक हलाक किए गए। अमेरिका सरकार के मुताबिक इस आतंकवादी आक्रमण के मास्टरमाइंड मोहम्मद शरीफुल्ला को पाकिस्तान की सक्रिय मदद से गिरफ्तार कर लिया गया। जिहादी आतंकवादी मोहम्मद शरीफुल्लाह की गिरफ्तारी पर प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से पाकिस्तान हुकूमत का शुक्रिया अदा किया, उससे यह पैगाम दिया गया कि पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध विश्वव्यापी युद्ध में अमेरिका के साथ शामिल हो गया है और इसको पराजित करने में अमेरिका की इमदाद भी कर रहा है।

जिहादी आतंकवाद पर अमेरिका की दोहरी नीति

विगत दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका का दौरा किया था, तब दोनों मुल्कों की तरफ से संयुक्त बयान जारी किया गया। बयान के तहत बाकायदा पाकिस्तान का नाम लेकर कहा गया कि पाकिस्तान को मुंबई के 26/11 के आतंकवादी आक्रमण की साजिश रचने वालों को तत्काल न्यायिक कटघरे में लाया जाना चाहिए। भारत और अमेरिका ने अपने साझा बयान में यह भी कहा कि दोनों देशों के नेताओं द्वारा वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध में निरंतर जंग जारी रखने की सहमति व्यक्त की गई है। दुनिया के हर कोने से आतंकवाद को खत्म कर देने के लिए भारत और अमेरिका ने प्रतिबद्धता प्रकट की है। दोनों देशों ने जिहादी आतंकवादी गिरोहों क्रमशः अलकायदा, जैश ए मोहम्मद, लश्कर ए तैयबा और आईएसआईएस के विरुद्ध पर परस्पर सहयोग बढ़ाने पर अपनी सहमति व्यक्त की थी। वैश्विक जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध अमेरिका सदैव से ही पाखंड पूर्ण दोहरी नीति अपनाता आया है। वैश्विक आतंकवाद को गुड टैररिज्म और बैड टैररिज्म के मध्य तकसीम करता रहा है। अमेरिका भी वैश्विक आतंकवाद को सिर्फ अपने खुदगर्ज चश्मे से निहारता है। यानी अमेरिका को जो नुकसान पहुंचाए वह तो आतंकवाद है और जो भारत को अथवा किसी अन्य देशों को क्षति पहुंचाए वह आतंकवाद नहीं है। अभी सीरिया को ही देख लें कि बशर-अल-असद को सत्ता से बेदखल करके किस तरह से एक करोड़ डॉलर के इनाम याफ्ता जिहादी आतंकवादी सरगना मोहम्मद अल जुलानी को अमेरिका द्वारा सत्तासीन कराया गया है। पाकिस्तान सदैव से ही अमेरिका का फ्रंटलाइन स्टेट बना रहा है। कुछ लोग उम्मीद बांधे हुए थे कि प्रेसिडेंट ट्रंप प्रशासन पाकिस्तानी फौज पर लगाम कसेगा और इमरान की रिहाई के लिए दबाव डालेगा। लेकिन जिहादी आतंकवादी शरीफुल्लाह की गिरफ्तारी से अमेरिका और पाकिस्तान के मध्य प्रबल सहयोग बनता हुआ प्रतीत हो रहा है। अमेरिका अभी तानाशाह पाकिस्तानी फौज पर अपना पूरा एतमाद रखता है। अमेरिकन सरकार का स्पष्ट नजरिया है कि पाकिस्तान अभी कुछ मोर्चेबंदी पर उसके लिए बड़ा मददगार साबित हो सकता है। वह पाकिस्तान को चीन के सैन्य गुट में शामिल हो जाने से भी रोकना चाहता है। भारत के प्रति कूटनीतिक निकटता होते हुए भी डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य संघर्ष के दौर में अमेरिका और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तोला है। पाकिस्तान को उसके एफ-16 प्रोग्राम को बाकायदा चलाए रखने के लिए 3.97 करोड़ डॉलर प्रदान करने का ऐलान कर दिया गया। जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने 90 दिनों तक किसी तरह की विदेशी मदद स्थगित करने का ऐलान किया था। उस वक्त प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा यह उदारता पाकिस्तान के प्रति दिखाई गई और इसी रोज भारत की चार कंपनियों पर अमेरिका ने प्रतिबंध भी आयद कर दिया। अमेरिकन सरकार का कहना है कि भारत की इन चार कंपनियों से ईरान को इमदाद मिल रही थी।

कूटनीतिक कलाबाजियों के मध्य राह बनाए भारत

कूटनीति के अन्य पहलुओं पर नजर डालें तो चीन-पाकिस्तान इकोनामिक कॉरिडोर का अफगानिस्तान तक विस्तार करने पर सहमति जताई गई है। भारत सदैव से ही पाकिस्तान-चीन इकोनामिक कॉरिडोर की प्रबल मुखालफत करता रहा है, क्योंकि यह आर्थिक गलियारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है और भारत वस्तुतः पाक अधिकृत कश्मीर को अपना अभिन्न अंग करार देता है। चीन इस कूटनीतिक कोशिश में है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य शत्रुता खत्म हो जाए ताकि चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव परियोजना का विस्तार अफगानिस्तान तक किया जा सके। भारत-पाक सैन्य संघर्ष ने हमें सिखा दिया है कि प्रत्येक राष्ट्र अपने राष्ट्रीय हितों को ही प्राथमिकता प्रदान करता है। प्रेसिडेंट पुतिन का वर्तमान रूस भी हमारा बहुत भरोसेमंद मित्र नहीं रह गया है। बहुत कोशिशों के बावजूद अमेरिका भी भारत का विश्वसनीय सहयोगी राष्ट्र नहीं रहा है। विस्तारवादी चीन तो खुलकर सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान के साथ सन्नद होकर खड़ा ही रहा। दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों और जटिल कूटनीतिक कलाबाजियों के मध्य से भारत को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की राह निर्मित करनी है।

छात्र नेता-बीएनपी की जंग में उलझे यूनुस

बांग्लादेश में सियासी सरगर्मियों का दौर जारी है। दरअसल, देश में लगातार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। खासकर उसकी तरफ से किए गए सुधार और देश में लोकतंत्र की नई इबारत लिखने के वादों पर। बीते 10 महीने में जिस तरह से बांग्लादेश में अर्थव्यवस्था से लेकर सुधारों की गति ठहरी है, उसके बाद न सिर्फ आम लोग, बल्कि यूनुस के करीबियों ने भी अपने सुर बदल लिए हैं। अब बांग्लादेश में ताजा तनाव मोहम्मद यूनुस के बयान से उपजा है। बीबीसी बांग्ला को दिए एक इंटरव्यू में यूनुस के करीबी रहे छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने कहा है कि अंतरिम सरकार के प्रमुख अपना पद छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। कभी यूनुस के सलाहकार रहे छात्रों की पार्टी नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिक के मुताबिक, यूनुस ने आशंका जताई कि देश की मौजूदा स्थिति में वे काम नहीं कर पाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक राजनीतिक दल सहमति नहीं बना लेते, मैं काम नहीं कर पाऊंगा। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान शेख हसीना के सरकार से हटने के बाद छात्रों के ही एक गुट ने मांग की थी कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को पद से हटा दिया जाए। इसके पीछे वजह दी गई कि राष्ट्रपति, जो कि तीनों सेनाओं का प्रमुख होता है, उसकी नियुक्ति 2023 में शेख हसीना की सरकार ने ही की थी। हालांकि, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने छात्रों के गुट की मांग पर असहमति जता दी थी। इसके चलते बांग्लादेश में बीएनपी और छात्र संगठनों के बीच टकराव की शुरुआत हो गई। रिपोर्ट्स की मानें तो मोहम्मद यूनुस सरकार जल्द ही संविधान संशोधन के जरिए राष्ट्रपति का पद ही खत्म करने पर विचार कर रही है। हालांकि, इसे बीएनपी ने अब तक समर्थन नहीं दिया है। यहां तक कि बांग्लादेश के सेना प्रमुख तक ने ऐसे कदम की जानकारी न होने के साथ ऐसी कथित बातों को बकवास करार दिया है। हाल ही में जब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता इशराक हुसैन ने ढाका दक्षिण शहर निगम में मेयर पद के लिए शपथ लेने का अभियान शुरू किया तो उनके समर्थक इस मांग के साथ मोहम्मद यूनुस के बंगले के बाहर तक पहुंच गए।

ट्रंप बदले तो यूरोप को आई भारत की याद

कूटनीति
ओंकारेश्वर पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व रणनीतिकार

बीते हफ्ते जब भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बारूदी गुबार के बाद जीत-हार के दावे और नुकसान के आकलन कर रहे थे और वाशिंगटन में बैठे राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार सीज फायर कराने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी समय ब्रुसेल्स में यूरोप और ब्रिटेन इतिहास के एक नये अध्याय पर हस्ताक्षर कर रहे थे। एक ऐसा इतिहास जो खामोशी से एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय दुनिया की तरफ ले जा रहा था। 19 मई 2025 को ब्रुसेल्स की सर्द हवाओं में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने जो रणनीतिक समझौता किया, उसमें सुरक्षा, रक्षा, यूक्रेन समर्थन, प्रवास, जलवायु, शिक्षा और व्यापार तो शामिल था ही, इसमें अमेरिकी छत्रछाया से इतर एक नया यूरोप बनाने की दृढ़ इच्छा शक्ति की झलक भी थी। यह समझौता महीनों की उस गोपनीय बातचीत का नतीजा था, जो जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप की दी हुई अपमानजनक उपेक्षा और अवहेलना से शुरू हुई थी। यह ब्रेक्सिट के पुराने जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि यूरोप की उस जिद का प्रतीक था, जो अब अमेरिका के तलाकनामे के बाद अपनी नई राह तलाश रही है। इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी, उस भारत की जिसने नेहरु के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरु के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये।

ट्रम्प के बयान से बदली दिशा : शायद ट्रंप को अंदाज़ा भी नहीं होगा कि यूरोप के प्रति उनके जहरीले बयान विश्व राजनीति की दशा और दिशा ही बदल देंगे। 20 जनवरी 2025 को, वाशिंगटन डीसी में ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ ली। इसके बाद, 15

मार्च 2025 को पेन्सिलवेनिया की एक रैली में उन्होंने नाटो को "बेकार का बोझ" ठहराया और यूरोप को "अमेरिकी खजाने पर पलने वाला मेहमान" बताया। 10 अप्रैल 2025 को टेक्सास में रूढ़िवादी दानदाताओं के सामने उन्होंने ईयू के ग्रीन डील को "आर्थिक हत्या" करार दिया, यह कहते हुए कि "अमेरिकी मज़दूर यूरोप के जलवायु सपनों का बोझ क्यों उठाए?" ट्रंप के ये तीखे बयान कोई तात्कालिक तुनकमिजाजी नहीं थे। राष्ट्रपति के रूप में उनका पहला कार्यकाल (2017–2021) भी इसी तरह के तानों से भरा था, जब उन्होंने नाटो को "पुराना ढाँचा" कहा, जर्मनी को "रूस का गुलाम" बताया, और ईयू को अमेरिका का "लाभ उठाने वाला" करार दिया। अब, 2025 में, इससे मर्माहत और तिलमिलाये यूरोप की आँखों में रोष है, मुट्ठियाँ बँधी हैं, और इरादे पक्के।

यूरोप की कलम में जागा विद्रोह : ट्रम्प के अपमान भरे बयानों ने यूरोप के गौरव को ललकारा, तो यूरोप की कलम ने विद्रोह की स्याही से जवाब लिखा। 5 मई 2025 को, फ्रांस के अखबार ले मॉन्ड ने अपने संपादकीय में लिखा, "ट्रम्प ने साफ कर दिया कि यूरोप उनके लिए एक पुराना कोट है, जिसे वे कबाड़खाने में फेंकने को तैयार हैं।" जर्मनी के डेर स्पीगल ने तंज कसा, "ट्रम्प हमें इसलिए नीचा दिखाते हैं, क्योंकि वे शक्ति को केवल बम-बारूद में देखते हैं। मगर यूरोप की ताकत उसकी कूटनीति, उसकी स्थिरता, उसका धैर्य है।" 15 अप्रैल 2025 को, ब्रुसेल्स में यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स (ईसीएफआर) ने अपने पेपर नो लॉन्गर पार्टनर्सः ए पोस्ट-अटलांटिक यूरोप में ऐलान किया कि "स्वायत्तता अब सपना नहीं, बल्कि ज़रूरत है।" तथ्य यह है कि यूरोप और अमेरिका कभी विश्व मंच के दो जिगरी दोस्त थे। 1949 में दोनों ने मिलकर नाटो की नींव रखी, मार्शल प्लान (1948–1952) के ज़रिए यूरोप का पुनर्निर्माण किया। 11 सितंबर 2001 को, 9/11 हमलों के बाद नाटो ने पहली बार आर्टिकल 5 लागू किया, और यूरोप के सैनिक अफगानिस्तान में अमेरिका के साथ लड़े। 2008 के आर्थिक संकट में, यूरोपीय बैंकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के साथ मिलकर वैश्विक बाजारों को संभाला। मगर ट्रम्प के लिए ये सब पुरानी कहानियाँ हैं, जिन्हें वे लेन-देन के बहीखाते में बदलना चाहते हैं। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का यही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया।

आदरांजलि

ऋषि तुल्य व्यक्तित्व रामजीलाल अग्रवाल

छत्तीसगढ़ की राजधानी में अविभाजित मध्यप्रदेश से लेकर वर्तमान काल तक जिन-जिन व्यक्तित्वों को सामाजिक सफलता का प्रतीक माना गया, उनमें आदर्श उदाहरण रहे- रामजीलाल अग्रवाल। जीवन पर्यंत जिन्होंने पीड़ित मानवता के कल्याण की अपनी राह नहीं छोड़ी। टीबा बसाई झुंझनू, राजस्थान से आकर वे छत्तीसगढ़ के रायपुर में रच बस गए और इस माटी के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। आज 96 वें वर्ष उन्होंने अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर मोक्ष की यात्रा अंगीकार कर ली। ऋषि तुल्य गौ साधक रामजीलालजी ने जितना जीवन जीया वह केवल अग्रवाल सभा के लिए ही नहीं, अन्य समाजों के लिए भी प्रेरक बना रहा। एक व्यक्ति अपने जीवन में परिवार सहित समाज के कल्याण की खातिर किस हद तक सोच सकता है वे इसका अतुलनीय उदाहरण थे। सही मायनों में अनथक कर्म योगी। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान उन्हें वरिष्ठ समाजसेवी, गौसेवक के रूप में पहचानता था।

अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय संरक्षक तो वे थे ही। इन सबके पहले एक विशाल कुटुम्ब को संभालने वाले आदर्श परिवार के मुखिया भी थे। श्रीमती सावित्री देवी अग्रवाल, गोपालकृष्ण अग्रवाल, राजधानी के सांसद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मध्यप्रदेश - छत्तीसगढ़ बृजमोहन अग्रवाल, विजय अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, यशवंत अग्रवाल के वे पिता और श्री विष्णु अग्रवाल के बड़े भाई, पूरनलाल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल के चाचा, एवं देवेंद्र अग्रवाल, गणेश अग्रवाल के ताऊजी थे।

रामजीलाल अग्रवालजी से जो कोई एक बार मिल ले तो उन्हें भूलता नहीं था। ता-उम्र शुभ वस्त्रों में रहे। गांधी टोपी उनकी सुगठित कदकाठी को अधिक सम्मोहक बनाती थी। उनका जीवन संघर्षों की मिसाल था तो सफलता का भी सुंदर प्रतीक था। सक्रियता के दौर तक उन्होंने भरपूर जीवन जीया और दूसरों को प्रेरणा देते रहे। कैसी भी परिस्थितियाँ क्यों न रही हों, व्यक्ति को सदैव अपना आत्मविश्वास बनाये रखना चाहिए। जीवन में दुःख और निराशा को वे पानी का बुलबुला कहते थे जो टिकता नहीं। प्रत्येक आगंतुकों के लिए सदैव मुस्कुराते हुए उपलब्ध रहना वैसा गुण आज के समय में दिखाई नहीं देता! अपनी सक्रियता के दिनों में वे हरेक के लिए उपलब्ध रहा करते थे। उनसे कोई कभी भी मिल सकता था। आगंतुकों की उम्मीदों को यथा संभव पूरा करने की सकारात्मकता ऐसी कि कोई भी मुग्ध हो जाए। स्वास्थगत समस्याओं से जूझने के दौरान भी व्हील चेयर पर बैठे रहते और स्वयं से मिलने वालों को इशारों से भोजन का आग्रह करते जाते थे - जिसके लिए उनका प्रायः सभी कौतुक करते थे।

इधर दो वर्षों से, जब से वे उम्र की चुनौतियों से जूझ रहे थे उसके पहले उन्हें खाली बैठे हुए कभी देखा नहीं जाता था। यदि कुछ न कर रहे हों, तब भी व्यस्त रहना उनकी जीवन शैली थी। दिनचर्या रात 11 बजे बिस्तर पर जाते समय तक निर्बाध चलती जाती। पहट के 4.30 बजे या 5.00 बजे तक किसी भी परिस्थितियों में बिस्तर छोड़ देने की आदत हमेशा बनाए रखीं। इसके बाद गौ-सेवा से दिन का आरंभ होता था।

आज अग्रवाल समाज यदि वृहद पैमाने पर सक्रिय और एकजुट है तो इसमें उनका योगदान और समर्पण एक बड़ा कारण है। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय अनेक जिलों की भरपूर यात्राएँ वे किया करते थे। कारण होता था समाज के प्रत्येक आम-ओ-खास को अग्रसेन जयंती उत्सव हेतु प्रेरित करना। इसके पीछे उनका मानना था कि भागीदारी से ही समाज एकजुट होता है। कालांतर में वे इस बात से प्रसन्न होते थे कि जो बिरवा कभी अपने साथियों के साथ उस काल में रोपा था वह आज आदर्श और अनुकरणीय ऊंचाइयाँ छू रहा है। नए लोगों को यह तथ्य पता न होगा कि विवाह के तुरंत बाद पैतृक ग्राम टीबाबसई (राजस्थान) से उन्हें रायपुर आने का अवसर मिला। सन 1951 का साल था वह और देश आजाद हुए 3 साल ही बीते थे। जब आए तो रामसागरपारा में ही अपने व्यवसायिक स्वप्न पूरा करने में जुट गए। सामाजिक गतिविधियों से उनका जुड़ाव शुरू हुआ 1969 के दौरान।

समाज बिखरा और बेतरतीब क्यों है?

यह सवाल उन्हें चुभता जाता था। हालांकि 1961 से ही उनकी दिलचस्पी सामाजिक मामलों को लेकर जाग गई थी। स्व. बिशम्भर दयाल अग्रवाल, स्व. महावीर प्रसाद अग्रवाल आदि उस दौर के वे बड़े नाम थे जिनके साथ काम करने का सिलसिला शुरू हुआ। नौजवान होते हुए भी उनके इरादों में छिपी समाज के लिए कुछ कर गुजरने की तड़फ उभरने लगी थी। उस दौर में रायपुर शहर में आयोजित एक बड़ा परिचय सम्मेलन समाज सेवा की ओर खुलने वाला उनका पहला बड़ा क़दम था। तब समाज के भीतर इस बात को ठीक तरह से बिठाना कि 'सामूहिक विवाह में ही भला है!' एक कठिन काम था। इसी प्रकार मितव्ययिता के लिए उस दौर में प्रेरित करना भी कितना मुश्किल रहा होगा समझना आसान है। उनकी कामयाबी और सफलता का असर उनके समूचे खानदान और तीसरी , चौथी पीढ़ी तक फैला हुआ दिखाई देता है। लेकिन पीछे मुड़कर देखा जाए तो उनकी संघर्ष गाथा अपने आप में एक मिसाल बनकर सामने आती है।

वे समाज में अनेक-अनेक पदों पर वे रहे। जैसे- मध्यप्रदेश अग्रवाल सभा का उपाध्यक्ष पद 1991 से 2003 तक और अग्रवाल सभा में अध्यक्ष दायित्व उन्होंने 4 बार उठाया। तीन मर्तबा तो सर्वसम्मति से उनका नाम तय हुआ और एक मर्तबा लोकतांत्रिक ढंग से यानी जीतकर आये। उस चुनाव को पुराने हमराही आज भी रामजीलाल अग्रवाल के जीवन के दुर्लभतम उदाहरणों में रखकर याद करते हैं। कारण था "हारा हुआ प्रतिद्धंद्वी भी अपना ही भाई है!" यह सोचकर उसे तत्काल रामजीलाल जी ने गले से लगाकर संदेश दिया कि समाज को बिखरने से बचाये रखना है।

महावीर गौशाला के साथ तो उनका नाता रहा। 1967 से गौशाला जाने का प्रारंभ किया। गौशाला का दायित्व अध्यक्ष के रूप में 1988 से संभालना आरंभ किया। बाद में अनेक साल उन्हें यह जिम्मेदारी उठानी पड़ी। गौ सुरक्षा की दृष्टि से भी उनका कार्यकाल बहुतेरी योजनाओं के लिए लोकप्रिय रहा। मसलन शेड, पानी और हरा चारा की भरपूर व्यवस्था। गौशाला में आम भागीदारी बढ़े इस दिशा में सोचने वाले भी वे ही कहलाए। यदि सामाजिक जिम्मेदारियों की ही बात की जाए तो अग्रवाल सभा रायपुर में संरक्षक, छत्तीसगढ़ प्रदेश अग्रवाल महासभा में अध्यक्ष और छत्तीसगढ़ प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन में सलाहकार की हैसियत से भी काम किया, करवाया। पदों को लेकर उनका अपना दृष्टिकोण भी उनकी खुली दृष्टि को बयान करता था जैसे कि प्रायः कहते थे कि "अध्यक्ष जैसे पद उनकी नजर में सिर्फ नाम के लिए होते हैं, वरना काम तो सभी को करना पड़ता है। उनकी लगन और क्षमता ने उन्हें और भी संस्थाओं, संस्थानों से जोड़ा। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय , रायपुर ने उन्हें 1991 में कार्यकारिणी के रूप में भी गौरवान्वित किया।

उनके जीवन का लंबा समय समाज के साथ गुजरा। लेकिन जैसे कल की बात हो। आँखों के सामने वह बीता दौर रह-रह कर घूमने लगता है। कैसे एक-एक ईंट जोड़कर समाज को मजबूत करने की कोशिश उन्होंने की थी। संगठन जैसा आधार उस समय विकसित नहीं था, लेकिन नजरें लक्ष्य पर थीं और पीछे हटना या परिस्थितियों से हार जाना मंजूर नहीं रहा। खुली आँखों से सपने देखें जो पूरे होते गये। इसे उनकी कार्यशैली ही कहें कि प्रतिष्ठा और सम्मान भी निरंतर पाया।

तत्कालीन उप राष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला और गुजरात के राज्यपाल से भी सम्मानित हुए। बतौर गौ-सेवक छत्तीसगढ़ राज्य ने भी उन्हें (राज्य अलंकरण) सम्मानित किया। उन्होंने अपने लम्बे अनुशासित जीवन के कुछ मूल मंत्र बना रखे थे। उस दौर में छोटे-मोटे मतभेद तो होते ही थे बावजूद मतभेदों को मनभेद नहीं बनने दिया और विरोधियों के प्रति भी स्नेह भाव रखा। वास्तविक अर्थों में वे विशाल कुटुम्ब छोड़ गए हैं। सभी संतानें भी सफल सामाजिक, व्यवसायिक जीवन में भी व्यस्त हैं। जीवन में अच्छा आहार, अच्छा ज्ञान, अच्छी संगत मिलें तो नौजवानों से बेहतर नतीजा प्राप्त किया जा सकता है। इस ध्येय वाक्य के साथ अपने समस्त जीवनकाल में पथ प्रदर्शक की हैसियत से ऊर्जा देते रहे।

धूप-छांव से भरी हुई इस खूबसूरत, लेकिन (उन्हीं के शब्दों को दोहराएं तो) "श्रम से भरी हुई अपनी इस गहरी यात्रा को जब भी पीछे मुड़कर देखता था तो संतोष का यही धन मुझे अपनी जमा पूंजी नज़र आता रहा।"

इक्विटी में घट रहा निवेश तो डेट और हाइब्रिड फंड्स में बढ़ रहा

शेयर बाजार में इन दिनों मंदड़ियों का ही राज है। इस वजह से म्यूचुअल फंड के निवेशकों ने भी पहले की तरह से खुले हाथ से पैसा लगाना कम कर दिया है। तभी तो बीते महीने यानी अप्रैल 2025 के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ है। बीते अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 24,269 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि एक महीने पहले यानी मार्च 2025 यह आंकड़ा 25,082 करोड़ रुपये का था।एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अप्रैल महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च के मुकाबले लगभग 3% की गिरावट आई है। लोग अब इक्विटी फंड से ज्यादा, डेट म्यूचुअल फंड में पैसा लगा रहे हैं। बीते महीने डेट म्यूचुअल फंड में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। जबकि इस साल मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। अप्रैल में इसमें यह एक बड़ा बदलाव आया है।

ईएलएसएस का जलवा खत्म!

आप जानते ही होंगे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कई तरह की कैटेगरी होती हैं। इनमें से 11 कैटेगरी में से ईएलएसएस फंड्स को छोड़कर बाकी सभी में अप्रैल महीने के दौरान उल्लेखनीय निवेश आया। फ्लेक्सी-कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा, 5,541 करोड़ रुपये का निवेश आया। हालांकि, ये मार्च के 5,615 करोड़ रुपये से थोड़ा कम था। स्मॉल-कैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। इनमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ये हैं तेज बढ़ते फंड्स

बीते अप्रैल महीने के दौरान सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश बहुत तेजी से बढ़ा। अप्रैल में इनमें 2,000 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये सिर्फ 170 करोड़ रुपये आया था। वहीं, ईएलएसएस फंड्स से अप्रैल में 372 करोड़ रुपये निकाले गए। जबकि मार्च में इसमें 735 करोड़ रुपये का निवेश आया था। पिछले साल अप्रैल 2024 में भी इससे 144 करोड़ रुपये निकाले गए थे।

डेट फंड का बढ़ा वैल्यू

डेट म्यूचुअल फंड्स की 16 कैटेगरी में से 12 में निवेश आया। लिक्विड फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश आया। अप्रैल में लिक्विड फंड्स में 1.18 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में इससे 1.33 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। यह एक बड़ा बदलाव है।

कम अवधि के फंड में क्या?

मनी मार्केट फंड्स और अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन फंड्स में भी अच्छा निवेश आया। इनमें अप्रैल में क्रमशः 31,507 करोड़ रुपये और 26,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। डेट फंड्स की चार कैटेगरी ऐसी रहीं जिनसे अप्रैल में पैसा निकाला गया। इनमें गिल्ट फंड्स से सबसे ज्यादा, 425 करोड़ रुपये निकाले गए। इसके बाद क्रेडिट रिस्क फंड्स से 301 करोड़ रुपये निकाले गए। डायनेमिक बॉन्ड फंड्स से सबसे कम, 10.23 करोड़ रुपये निकाले गए। मार्च में इससे 372 करोड़ रुपये निकाले गए थे, जिसके मुकाबले ये बहुत बेहतर है।

हाइब्रिड फंड्स में भी बढ़ा निवेश

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में अप्रैल में 14,247 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 946 करोड़ रुपये निकाले गए थे। हाइब्रिड फंड्स की छह कैटेगरी में से डायनेमिक एसेट एलोकेशन, मल्टी-एसेट एलोकेशन और आर्बिट्राज फंड्स में पॉजिटिव फ्लो देखने को मिला। आर्बिट्राज फंड्स में सबसे ज्यादा, 11,790 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 2,854 करोड़ रुपये निकाले गए थे। मल्टी-एसेट एलोकेशन और डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स में क्रमशः 2,105 करोड़ रुपये और 881 करोड़ रुपये का निवेश आया।

इन फंड्स से निकाले गए पैसे

इस महीने कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स और इक्विटी सेविंग्स फंड्स से क्रमशः 236 करोड़ रुपये, 151 करोड़ रुपये और 141 करोड़ रुपये निकाले गए। दूसरे स्कीम्स, जिनमें इंडेक्स फंड्स और ईटीएफएस शामिल हैं, में भी निवेश 43% बढ़ा। अप्रैल में इस कैटेगरी में 20,229 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये 14,48 करोड़ रुपये था।

डेट फंड्स

डेट फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो मुख्य रूप से डेट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जैसे कि बॉन्ड, डिबेंचर, और सरकारी सिक्योरिटीज। डेट फंड्स का उद्देश्य नियमित आय और पूंजी की सुरक्षा प्रदान करना है।

डेट फंड्स के फायदे

- नियमित आयः डेट फंड्स नियमित आय प्रदान कर सकते हैं।
- कम जोखिमः डेट फंड्स आमतौर पर इक्विटी फंड्स की तुलना में कम जोखिम वाले होते हैं।
- पूंजी की सुरक्षाः डेट फंड्स का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा करना है।

घूमने फिरने के शौकीन हैं तो शुरू कर लें ट्रैवल एसआईपी

- म्यूचुअल फंड से पूरा कर सकते हैं अपने ड्रीम वेकेशन का पूरा खर्च
- अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम
- हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना जरूरी
- आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन नहीं बनेगा
- ट्रैवल के लिए एसआईपी बेहतरीन तरीका, यात्राओं के लिए जोड़ सकते हैं पैसे और कर सकते हैं घूमने का सपना पूरा, नहीं होगी कोई परेशानी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी घूमने फिरने के शौकीन हैं या गर्मी की छुट्टियों में कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं तो ट्रैवल एसआईपी आपके लिए सबसे बेहतरीन प्लान हो सकता है। इससे आपको अपने घूमने फिरने की चिंता नहीं रहेगी। आसानी से अपना खर्च मैनेज कर सकेंगे। जैसे ही गर्मी की छुट्टियां शुरू होती हैं, लोगों में घूमने फिरने (ट्रैवल करने) का ट्रेंड बढ़ जाता है, चाहे देश के अंदर घूमना फिरना हो या विदेश जाकर छुट्टियां मनाना। घूमने-फिरने का शौक पूरी तरह से लौट आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2024 के पहले छह महीनों में ही 1.5 करोड़ भारतीय विदेश यात्रा पर गए, जो पिछले साल के समान अवधि मुकाबले 14% ज्यादा है और इस दौरान उन्होंने घूमने फिरने पर कुल 2.83 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लेकिन अपने सपनों की जगह पर छुट्टियां मनाने जाना सस्ता नहीं होता, सिर्फ पहाड़ों की अकेले ट्रिप का खर्च 1 लाख रुपये तक हो सकता है, जबकि यूरोप में 12 दिनों के लिए कपल टूर की शुरुआत 6 से 7 लाख रुपये (जिसमें हवाई टिकट भी शामिल है) से होती है। तो इसका उपाय क्या है?

समझदारी से करें प्लानिंग

यदि घूमने के लिए जाना है तो समझदारी से प्लानिंग करना, सही बजट बनाना और अपनी वित्तीय स्थिति को अपनी यात्रा की ख्वाहिशों (इच्छा) के साथ जोड़ना यानी सही कदम उठाकर आप बिना किसी आर्थिक तनाव के पूरी दुनिया घूम सकते हैं। जानकारों का कहना है कि अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम है हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना, ताकि आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन न बने। आप यह काम कुछ चुनी हुई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके धुमंतू स्टाइल को बिना किसी चिंता के चमका देंगी।

शॉर्ट-टर्म लक्ष्य के लिए लिक्विड फंड्स

अगर आपकी यात्रा की योजना अगले एक साल के अंदर की है, तो लिक्विड फंड के बारे में विचार करें। ये फंड आपके सेविंग्स अकाउंट से ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं, साथ ही इनमें से पैसा निकालना आसान (हाई लिक्विडिटी) होता है और जोखिम भी कम होता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 1 लाख रुपये के बजट की मानसून रिट्रीट प्लान कर रहे हैं, तो लिक्विड फंड या आर्बिट्रेज फंड में निवेश करके आप अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं और आपकी रकम आसानी से उपलब्ध रहेगी। जहां सेविंग्स अकाउंट में आपको सालाना सिर्फ 1.75% तक ब्याज मिल सकता है, वहीं लिक्विड फंड्स में कंपाउंडिंग के जरिए आप इसे बढ़ाकर 6% तक रिटर्न हासिल कर सकते हैं। अगर आप थोड़ा और समझदारी से निवेश करें और आर्बिट्रेज फंड में लगाएं, तो आप साल भर में 7.5% तक रिटर्न कमा सकते हैं।

ट्रैवल एसआईपी शुरू करें

ट्रैवल के लिए एसआईपी यह एक ऐसा बेहतरीन तरीका है, जिसमें आप अपनी यात्राओं के लिए पैसे बचा सकते हैं। चाहे आप देश के अंदर किसी छोटी जगह घूमने जा रहे हों या विदेश की लंबी यात्रा पर, एसआईपी आपको हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की सुविधा देता है। ये पैसे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जब आपको अपनी यात्रा के लिए पैसों की जरूरत होगी, तो फंड तैयार रहेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर आप 3 साल बाद अपने पार्टनर के साथ पेरिस घूमने की योजना बना रहे हैं और आपका बजट 5 से 6 लाख रुपये है, तो सालाना 13% रिटर्न मानते हुए, आपको हर महीने लगभग 12,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी या फिर, आप 1.5 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करके अपनी मंथली एसआईपी को घटाकर करीब 7,500 रुपये कर सकते हैं।

लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड

क्या आप 5-10 साल में दुनिया घूमने या किसी शानदार क्रूज पर जाने की योजना बना रहे हैं? लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड सबसे बेहतर विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि इनमें हाई रिटर्न मिलने की संभावना होती है। कंपाउंडिंग की ताकत से ये फंड आपको एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप हर महीने 10,000 रुपये किसी इक्विटी फंड में निवेश करते हैं और 12% सालाना रिटर्न की उम्मीद करते हैं, तो 10 सालों में आपके पास लगभग 20 लाख रुपये जमा हो सकते हैं, जो आपके ड्रीम वेकेशन के लिए काफी होंगे।

सीजनल यात्रियों के लिए खास टिप्स

सर्दियों की यात्राओं के लिए

जनवरी में एक एसआईपी शुरू करें जो अगले साल दिसंबर तक चले। 12 महीने की एसआईपी बैलेंस्ड या हाइब्रिड फंड में करें। यह आपके छुट्टी के खर्चों को पूरा करने में मदद करेगा। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जैसे हाइब्रिड फंड आमतौर पर आर्बिट्रेज फंड की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं।

गर्मियों की छुट्टियों के लिए

पीक सीजन के खर्च को अच्छे से मैनेज करने के लिए 18 महीने पहले से निवेश शुरू करें। इसके लिए मल्टी एसेट फंड जैसे हाइब्रिड फंड का उपयोग करें। अगर आप 3-5 साल की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं, तो आप प्योर इक्विटी फंड पर भी विचार कर सकते हैं, जिसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता होती है. ऐसे में लार्ज कैप फंड आपकी पहली पसंद होनी चाहिए।

(डिसक्लेमर : यह जानकारी एक्सपर्ट के हवाले से दी है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए अपनी यात्रा के लक्ष्यों से मेल खाने वाली निवेश रणनीतियों के लिए किसी एम्फी रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर से सलाह लें।)

बिजनेस साइट

हर आयु वर्ग के लोगों को लुभा रहा नया वॉटर राइड मल्टीस्टेशन

एमएम फन सिटी में जनरल पुल मल्टीस्टेशन बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर। चाहे कड़ाके की गर्मी हो या झमाझम बारिश का मौसम, एमएम फन सिटी हर मौसम में लोगों की पहली पसंद बना है। एमएम फन सिटी ने इस बार अपने नए आकर्षण जनरल पुल मल्टीस्टेशन से सभी आयु वर्ग के लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है। वाटर स्लाइड्स, वेव पूल और अन्य मनोरंजक एक्टीविटीज से लैस यह नया मल्टीस्टेशन लोगों के लिए मस्ती और रोमांच का नया अनुभव बन गया है। जनरल पुल मल्टीस्टेशन को विशेष रूप से बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यहां की विभिन्न स्लाइड्स और वॉटर एक्टिविटीज पूरे परिवार के लिए मजेदार और सुरक्षित हैं। हर दिन बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर गर्मी को मात देते नजर आ रहे हैं। एमएम फन सिटी के संचालक राजेश थौरानी ने बताया कि इस बार सीजन को खास बनाने के लिए हमने कई नई सुविधाएं जोड़ी हैं। वाटर राइड्स का क्लस्टर खास डिजाइन में तैयार किया गया है जिससे हर विजिटर को अलग अनुभव मिलता है। यहां वॉटर एक्टिविटीज के अलावा आरामदायक एयर कंडीशन डीलक्स रूम, लगभग 200 लोगों के लिए बैंक्वेट हॉल और खूबसूरत लॉन भी मौजूद हैं। शादी, बर्थडे पार्टी, किटी पार्टी और कॉरपोरेट इवेंट्स के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। रायपुर और आसपास के इलाकों से लोग अपने परिवार के साथ यहां पहुंच रहे हैं और एक दिन की छुट्टी को मस्ती से भरपूर बना रहे हैं। एमएम फन सिटी एक बार फिर शहर के सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभर कर सामने आया है।

आरसीपी इंफ्राटेक : वीआईपी सिटी में रजिस्ट्री व पीएलसी पर 50% की छूट, विला पर 5 लाख तक का डिस्काउंट

रायपुर। सड्डू स्थित वीआईपी सिटी टाउनशिप में आरसीपी इंफ्राटेक की ओर से आकर्षक ऑफर्स के साथ रेसिडेंशियल और कमर्शियल प्रॉपर्टीज की पेशकश की जा रही है। कंपनी की ओर से बताया गया कि साइट विजिट करने वाले ग्राहकों ने लोकेशन, कनेक्टिविटी और उपलब्ध सुविधाओं को खूब सराहा है। इस दौरान बुकिंग करने वाले ग्राहकों को रजिस्ट्री और पीएलसी पर 50% की छूट दी जा रही है। साथ ही विला खरीदने पर 5 लाख रुपए तक का सीधा डिस्काउंट भी ऑफर किया जा रहा है। उपलब्ध प्रॉपर्टी विकल्पों में 1000 और 1200 वर्गफीट के प्लॉट्स के साथ-साथ 2, 3 और 4 बीएचके के विला शामिल हैं। कमर्शियल सेगमेंट में शॉप्स और ऑफिस स्पेस भी उपलब्ध हैं, जो छोटे निवेशकों और व्यवसायिक यूज़र्स के लिए लाभदायक साबित हो सकते हैं।

आरसीपी इंफ्राटेक के सीएमडी राकेश पांडे ने बताया कि वीआईपी सिटी में क्वालिटी लिविंग को प्राथमिकता दी गई है और इस पहल को ग्राहकों का जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खास तौर पर मिनिमम मेंटेनेंस वाले प्लॉट्स को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

VIP CITY
A City in The City

दस साल में 19 से 22% सालाना रिटर्न के साथ विनर बने ये 5 स्मॉलकैप फंड

बिजनेस डेस्क

बीते 1 दशक यानी 10 साल की बात करें तो इक्विटी म्यूचुअल फंड में स्मॉलकैप कैटेगरी क्लीयर विनर साबित हुई है। 10 साल में जिन 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा है, उनमें से 50 फीसदी यानी 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की हैं। इन 5 स्कीम ने लम्प सम निवेश पर 10 साल में 19 से 22 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न दिया है। इनमें निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ गया, वह भी सिर्फ 10 साल में। वहीं, एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए किए गए निवेश पर 20 से 24 फीसदी सालाना रिटर्न मिला है। 10 साल की अवधि में रिटर्न देने में डॉमिनेट करने वाले इन स्मॉलकैप म्युचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत है। इन सभी स्कीम को 3 स्टार से 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है। इनमें एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड और एक्सिस म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप स्कीम शामिल हैं। हम इस रिपोर्ट में 1 से नंबर 5 रही स्कीम की जानकारी देंगे।

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 30,880 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.78% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.15% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 5,76,687 रुपये (5.77 लाख)
- कुल फायदा : 4,76,687 रुपये (4.77 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.80%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 42,53,472 रुपये

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 23,318 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.68% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,02,859 रुपये (6.03 लाख)
- कुल फायदा : 5,02,859 रुपये (5.03 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.68%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 44,77,632 रुपये

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 31,790 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.90% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,14,033 रुपये (6.14 लाख)
- कुल फायदा : 5,14,033 रुपये (5.14 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.52%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 41,84,206 रुपये

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- एसेट्स : 26,222 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 20.29% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,34,301 रुपये (6.34 लाख)
- कुल फायदा : 5,34,301 रुपये (5.34 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24.98%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 54,33,614 रुपये

डिफेंस म्यूचुअल फंड ने तीन महीने में दिया 54% तक का रिटर्न

'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक बार फिर दुनियाभर को भारत के डिफेंस सेक्टर की ताकत दिखा दी है। भारतीय मिसाइलों ने जिस तरह से पाकिस्तान में दहशत पैदा की है, उससे ब्रम्होस जैसे देश में बनने वाले हथियारों की ताकत को दिखाया है। इसका नतीजा यह है कि भारत का डिफेंस सेक्टर अब निवेशकों का पहला फोकस बन गया है। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी है, तो डिफेंस म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन भी बेहतरीन दिख रहा है। इन फंड्स का औसत रिटर्न, ब्रॉडर इक्विटी मार्केट से काफी बेहतर है, वहीं शॉर्ट टर्म में दूसरे अन्य सेक्टोरल फंड के मुकाबले भी ज्यादा है।

म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी : भारतीय डिफेंस सेक्टर पर केंद्रित म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी देखी जा रही है। इस सेक्टर पर आधारित म्यूचुअल फंड ने जहां 1 महीने में 27 फीसदी, 3 महीने में 54 फीसदी तक रिटर्न दिए हैं, वहीं इनमें 6 महीने का रिटर्न 38 फीसदी तक हो गया है। खास बात है कि इनमें से ज्यादातर म्यूचुअल फंड 1 साल के अंदर लॉन्च किए गए हैं, जिससे यह बात साफ होती है कि इस सेक्टर की ओर म्यूचुअल फंड भी आकर्षित हो रहे हैं, वहीं हाल की घटनाओं के बाद निवेशक की पहली पसंद बन गया है।

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), कोरबा
CENTRAL INSTITUTE OF PETROCHEMICALS ENGINEERING & TECHNOLOGY (CIPET), KORBA
Department of Chemicals & Petrochemicals Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India
Education Hub, Syahimudi, Post - Gopalpur, Via-Jamnipali, Korba-495450 (C.G.)
Email: korba@cipet.gov.in, Ph - 07815-350001

CIPET/KRB/Admin./Rect./Manpower/2025-26/01 Date: 25.05.2025

WALK-IN-INTERVIEW FOR MANPOWER (THROUGH MANPOWER AGENCY)

Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology (CIPET) is a premier national institution fully devoted to the growth of Petrochemicals & Allied Industries in the country with a clear focus on Skill Academic, Technology Support & Research (STAR).

CIPET:CSTS, Korba is in search of dynamic, result oriented personnel for the following Contractual Job role through Manpower Agency :-

Job Role	Qualification/Experience	Remuneration
Laboratory Instructor (Physics)	Full Time First class Graduate in Physics with 1 year relevant post qualification experience.	Based on qualification and experience (as per CIPET norms)
Laboratory Instructor (Plastics Processing/ Testing)	Full Time First class Graduate in plastics/polymer with 1 year relevant post qualification experience.	
Instructor (Skill Development : Soft Skills)	Full time Graduate in English (Hons) with 1 year experience in the relevant area.	
Consultant IT & Networking	Full time Degree or Diploma in IT and Networking or allied fields with minimum two years' experience in installation, functioning and maintenance of IT & Networking infrastructure at any reputed organisation.	
Data Entry Operator (Accounts/Admin)	Full time graduate in any discipline from recognized University/ Institute. Should be well versed with Tally, MS-Office (word, excel, power-point). Sufficient knowledge of Mail wizard. Knowledge of English Typing, preferably supported by a certificate of proficiency	

Interested candidate may attend walk-in interview along with updated CV/Resume/ certificate /Pay slip or bank passbook and other supporting documents for education and experience on **05.06.2025 at 10.30 am**

Venue- CIPET:CSTS, Korba Education Hub, Syahimudi, Post - Gopalpur, Via-Jamnipali, Korba-495450 (C.G.)

The engagement shall be done through manpower agency in no case it will be considered as employment on CIPET Roll. Remuneration shall be as experience & qualification of the candidate. The vacancies are tentative and subject to change any time. CIPET, Korba reserve the rights to accept or reject the candidature of any candidate at any stage of recruitment process.

Principal Director & Head

मेडिकल पैरामेडिकल/नर्सिंग/ फार्मेसी एवं डी.एल.एड. बी.एड./इंजीनियरिंग
देश के विभिन्न शासकीय विश्वविद्यालयों में मान्यता प्राप्त संस्थानों में नि:शुल्क पाठ्यक्रमों में चयन हेतु आवेदन आमंत्रित सत्र-2025-26 (SSGE/0769)

निम्न तालिका अनुसार छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से निम्नांकित पाठ्यक्रमों के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित है, समस्त पाठ्यक्रम भारत सरकार के सी.एस.आर निधि द्वारा चयनित उम्मीदवार को देश के विभिन्न संस्थानों में पूर्णतय: नि:शुल्क उपलब्ध कराई जावेगी।

विभिन्न पाठ्यक्रम समयावधि एवं सीटें

क्र.	पाठ्यक्रम	समयावधि	न्यूनतम योग्यता	कुल सीटें
1	डी.एम.एल.टी. मेडिकल लैब टैक	2 वर्ष	12 वीं पास (विज्ञान)	500
2	बी.एम.एल.टी. मेडिकल लैब	3 वर्ष	12 वीं पास (विज्ञान)	300
3	डी. फॉर्मा	2 वर्ष	12 वीं पास (बायोलॉजी)	400
4	बी. फॉर्मा	4 वर्ष	12 वीं पास (बायोलॉजी)	400
5	फॉर्मा डी.	6 वर्ष	12 वीं पास (बायोलॉजी)	300
6	डी.ओ.टी.ऑपरेशन थियेटर	3 वर्ष	12 वीं पास (विज्ञान)	400
7	जी.एन.एम	3 वर्ष	12 वीं पास (विज्ञान)	300
8	बी.एस.सी. नर्सिंग	4 वर्ष	12 वीं पास (विज्ञान)	300
9	बी.पी.टी. फिजियोथेरेपी	4 वर्ष	12 वीं पास (विज्ञान)	300
10	बी.एस.सी. फोरेंसिक साईंस	3 वर्ष	12 वीं पास (विज्ञान)	300
11	बी.एस.सी. एग्रीकल्चर	4 वर्ष	12 वीं पास (विज्ञान)	300
12	बी.टेक	4 वर्ष	12 वीं पास (गणित)	300
13	बी.टेक.साइबर सिक्योरिटी	4 वर्ष	12 वीं पास (गणित)	300
14	एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग	4 वर्ष	12 वीं पास (गणित)	300
15	डी-एड	2 वर्ष	12 वीं पास (सभी संकाय)	300
16	बी-एड	2 वर्ष	स्नातक (सभी संकाय)	300

आवेदन हेतु न्यूनतम प्रतिशत-समस्त पाठ्यक्रमों में आवेदन हेतु उपरोक्त योग्यता में न्यूनतम अनुजाति/जनजाति हेतु 45% एवं ओ.बी.सी./ सामान्य हेतु न्यूनतम 50% आवश्यक है। दिव्यांगजन/सैनिक/स्व.संग्राम सेनानी एवं महिला वर्ग हेतु निर्धारित सीटें आरक्षित है।

नोट:-आवेदन हेतु निम्न दिये गये आवेदन पत्र के प्रारूप को कम्प्यूटर द्वारा टाईप कर अपना पूर्ण विवरण स्पष्ट रूप से भरें। साथ ही 10×4 का सफेद कोरा लिफाफा में 26 रूपयें का डाक टिकट डालकर आवेदन पत्र के साथ स्पीड पोस्ट द्वारा कार्यालय के निम्न पते पर निर्धारित तिथि तक भेजें। आवेदन पत्र पोस्ट द्वारा ही स्वीकार किया जावेगा। चयनित उम्मीदवारों को वाट्सअप, ई-मेल, मेसेज एवं कॉल लेटर द्वारा काउंसिलिंग हेतु सूचित किया जावेगा।

आवेदन डाक द्वारा भेजने की अंतिम तिथि-05.06.2025

आवेदन पत्र का प्रारूप

प्रति,
संचालक
छ.ग. वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट
बिलासपुर (छ.ग.)

महोदय,
.... में चयन हेतु में अपना आवेदन प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ।
1. आवेदक का नाम ....2. पिता/पति ....
3. जन्मतिथि अंकों में ....4. वर्ग ....
5. पत्र व्यवहार का पता ग्राम ....पो........................तहसील. ....
थाना. .... जिला ....पिन कोड ....
6. मोबाईल नं. ....वाट्सअप नं.......................पालक नं. ....
7. ई. मेल ....
8. शैक्षणिक योग्यता-

क्र.	उत्तीर्ण परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	कुल अंक	प्राप्तांक	प्रतिशत
1					
2					

कार्यालय का पता - छ.ग. वोकेशनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, शिवाजी मार्ग, टिकरापारा, बिलासपुर (छ.ग.) 495001
हेल्पलाईन नं. - 6232455151, 8839189302

तरकश

संजय के. दीक्षित

ईओडब्लू जांच, अदृश्य आत्माएं

जाहिर है, लारा कांड के बाद सरकार यदि कौवा मारकर टांग दी होती, एसडीएम को फरार और जमानत लेने का टाईम नहीं मिला होता तो अभनपुर, बजरमुंडा, अरपा-भैंसाझाड़ जैसे मुआवजा कांड नहीं होता। अलबत्ता, इनमें से कई की ईओडब्लू जांच का ऐलान हो गया है। मगर सिस्टम अगर लारा मुआवजा कांड की तरह आरोपी अधिकारियों को क्लीन चिट देकर केस खतम कराने में मदद करता रहा तो फिर ईओडब्लू जांच का क्या मतलब? इससे अमरेश मिश्रा एंड उनकी टीम का टाईम ही खराब होगा। जाहिर है, सीजीएमएससी के कई खटराल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई में अदृश्य आत्माएं बाधक बन रही हैं। आरआई भर्ती घोटाले की ईओडब्लू जांच भी किधर दबी है, पता नहीं चल रहा। सरकार चाहती हैं कि जीरो टॉलरेंस का नमूना पेश किया जाए मगर भांति-भांति की आत्माएं ऐसा होने नहीं दे रहीं।

भ्रष्टाचार का लायसेंस!

छत्तीसगढ़ का पड़ोसी राज्य तेलांगना ने सुधार की ऐतिहासिक पहल करते हुए कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार कोर्ट को समाप्त कर दिया है। क्योंकि, कोर्ट का फायदा उठा राजस्व अधिकारी वहां भ्रष्टाचार का रायता फैला रहे थे। छत्तीसगढ़ में भी अनेक बार ऐसा हुआ कि राजस्व अधिकारी कोर्ट की आड़ में बच गए। रायगढ़ एसडीएम के केस में भी हाई कोर्ट में इसी केस का हवाला दिया गया। इससे पहले एक और एसडीएम जेल से छूटने के बाद हाई कोर्ट से इसी कोर्ट का हवाला देकर बरी हो गए कि उनकी कोर्ट ने फैसला दिया है, और कोर्ट पर कोई सवाल कैसे खड़ा कर सकता है? मगर सवाल यह है कि अंग्रेजों ने अफसरों का कोर्ट इसलिए बनाया था कि राजस्व वसूली कड़ाई से हो सके। उस समय राजस्व वसूली ही सरकारों को राजस्व प्राप्ति का मुख्य जरिया होता था। अब आप बताइये, लोगों की जमीन लेकर मुआवजा बांटना प्रशासनिक काम है या न्यायिक? ये विशुद्ध रूप से प्रशासनिक काम है। मुआवजे को लेकर भारत सरकार ने एक मॉडल बनाया है। इसके लिए कोर्ट की तरह न कोई गवाही होती, न पक्ष-प्रतिपक्ष का वकील खड़े होते। सरकार और कानूनविदों को इस पहलू पर भी ध्यान देना चाहिए कि ज्यूडिशरी में हर साल गलत फैसलों की वजह से दर्जनों जज बर्खास्त किए जाते हैं। हाई कोर्ट ही उनका आर्डर निकालता है। मगर गलत फैसलों के लिए कितने कमिश्नर, कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदारों पर कार्रवाई होती है। इसका मतलब यह हुआ कि जिम्मेदारी कुछ नहीं, मगर करप्शन में कार्रवाई की तलवार लटके तो कोर्ट को ढाल बनाकर बच जाओ। ऐसा ही रहा तो फिर अभनपुर मुआवजा कांड में सस्पेंड राप्रसे अधिकारी निर्भय साहू और शशिकांत कुर्रे बच जाएंगे, तो अरपा-भैंसाझाड़ कांड में किसानों का मुआवजा फर्जी लोगों को बांट देने वाले एसडीएम भी बख्श दिए जाएंगे।

जीरो टॉलरेंस को पलीता

अरपा-भैंसाझाड़ मुआवजा कांड का जिक्र हुआ तो फिर जीरो टॉलरसें पर भी प्रश्न उठेगा। 1131 करोड़ की इस नहर में अपनों को फायदा पहुंचाने के लिए कागजों में नहर की डिजाइन बदल दी गई। किसानों का मुआवजा फर्जी लोगों को बांट दिया गया। करीब 400 करोड़ के मुआवजा कांड की जांच के लिए सिंचाई विभाग ने ईओडब्लू को लिखा है। मगर यह भी सही है कि बिलासपुर कलेक्टर अवनीश शरण द्वारा कराई गई जांच में दो एसडीएम समेत राजस्व और सिंचाई विभाग के 11 लोग दोषी पाए गए। कलेक्टर ने सरकार को इनके खिलाफ कार्रवाई करने लेटर लिखा। मगर इससे पहले दिसंबर 2023 में सरकार बदलने के दौरान आपाधापी में किधर से कैसी चकरी चली कि दोषी अधिकारियों की लिस्ट में जिस एसडीएम का नाम सबसे उपर लिखा गया है, उसे एक बड़े जिले में आरटीओ की कुर्सी सौंप दी गई। एक तरफ निर्भय साहू और शशिकांत कुर्रे निलंबित हो रहे मगर आरटीओ को पता नहीं किस अदृश्य शक्ति का बरदहस्त प्राप्त है कि उनकी कुर्सी कोई हिला नहीं पा रहा। ऐसी शक्तियां ही सरकार के जीरो टॉलरेंस को पलीता लगा रही हैं।

ई-ऑफिस का खौफ

कामकाज में पारदर्शिता लाने छत्तीसगढ़ सरकार ने फाइलों के लिए ऑनलाईन सिस्टम बना दिया है...मंत्रालय में नोटशीट अब ऑनलाइन दौड़ रहीं हैं। आलम यह है कि सचिवों ने सख्ती बरतते हुए विभाग प्रमुखों से हार्ड पेपर में नोटशीट लेना बंद कर दिया है। बहरहाल, ई-ऑफिस का खौफ इंद्रावती भवन समेत राज्य स्तर के ऑफिसों के मुलाजिमों पर सिर चढ़कर बोल रहा है। असल में, वहां ये बात फैला दी गई है कि सारी नोटशीट दिल्ली स्थित डीओपीटी के सर्वर में जा रही है...डीओपीटी ने छत्तीसगढ़ के खटराल अधिकारियों पर नजर रखने यह सिस्टम शुरू कराया है...नोटशीट में कोई गल्ती हुई कि ईडी, सीबीआई या सीवीसी जांच की तलवार लटक जाएगी। इसका नतीजा यह हुआ कि जब से ई-ऑफिस चालू हुआ है, विभागाध्यक्ष कार्यालयों के अधिकारियों, कर्मचारियों की रात की नींद उड़ गई है....नोटशीट पर अब फूंक-फूंककर टिप्स लिखे जा रहे। हालांकि, अफसरों ने एक रास्ता निकाला है...मंत्रालय भेजी जाने वाली फाइलों में ई-ऑफिस का इस्तेमाल कर रहे मगर अपने नीचे या जिलों को हार्ड पेपर में। मगर जब जिलों में भी ई-ऑफिस चालू हो जाएगा तो फिर अधिकारियों, कर्मचारियों की मुसीबतें और बढ़ जाएगी। जाहिर है, सिस्टम जितना ऑनलाईन होगा, गड़बड़ियां उतनी की कम होगी। पहले बड़ी संख्या में फाइलें गुम जाती थी या दबा दी जाती थीं। ई-ऑफिस में अब ये संभव नहीं है। इससे करप्शन पर भी अंकुश लगेगा। ऐसे में, बरसों से अपने ढर्रे पर काम करने वाले सरकारी मुलाजिमों को तकलीफ तो होगी ही।

ई-टेंडरिंग की तोड़

छत्तीसगढ़ में ई-ऑफिस अभी शुरू हुआ है मगर ऑनलाइन टेंडर 2015 से चल रहा है। तब इसकी जरूरत इसलिए महसूस की गई कि खासकर, बड़े टेंडरों में मसल पावर वाले ठेकेदार धमकी, रंगदारी दिखा दूसरों को टेंडर भरने नहीं देते थे। इसलिए रास्ता निकाला गया कि ठेकेदार घर बैठे टेंडर प्रॉसेज में हिस्सा ले सके। इसके बाद सरकारी खरीदी के लिए जेम पोर्टल प्रारंभ किया गया। मगर अब इसकी भी तोड़ ढूंढ ली गई है। सप्लायरों का इंटेलिजेंस इतना तगड़ा है कि स्टेट ऑफिस से उन्हें मालूम चल जाता है कि किस जिले या विभाग के लिए किस चीज की खरीदी के लिए कितना बजट स्वीकृत हुआ है। इसके बाद संबंधित ऑफिस से संपर्क कर टेंडर में ऐसा खास क्लॉज ऐड कर दिया जाता है, जो औरों के पास नहीं हो। फिर अधिकांश सप्लायरों ने दो-दो, तीन-तीन फर्जी कंपनी बना रखी है। योजनाबद्ध तरीके से एक ही सप्लायर अलग-अलग नाम से बनी अपनी तीनों कंपनियों से टेंडर भरता है, और एल1 के आधार पर उसे काम मिल जाता है। सीजीएमएससी में बहुचर्चित स्कैम में मोक्षित कारपोरेशन ने भी यही किया और बाकी विभागों में भी यही चल रहा है। कई बार जिलों के ऑफिसों को पता नहीं होता कि उनके लिए कितना बजट मिला है और सप्लायर लिस्ट लेकर उनके पास पहुंच जाते हैं। सरकार इसे अगर संज्ञान लेकर इस सिस्टम के पोल को अगर ठीक कर लें तो खजाने का करोड़ों रुपए बचेगा, जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जा रहा।

जिले का भगवान मालिक

जीपीएम कलेक्टर के लिए वह शर्मनाक दिन रहा...जब विष्णुदेव साय जैसे विनम्र मुख्यमंत्री को समाधान शिविर में तल्खी के साथ यह कहना पड़ गया कि तीन थाने का जिला भी नहीं संभल पा रहा, तो क्या मतलब। जीपीएम की तरह का छत्तीसगढ़ का एक मॉडल जिला है गरियाबंद। वहां के कलेक्टर भी सुप्रीम कोर्ट से स्टे वाले हैं...पीएससी 2003 बैच वाले। और उनके राम मिलाए जोड़ी जिला पंचायत के गैर आईएएस सीईओ...नायब तहसीलदार कैडर वाले। बड़ा सवाल है...ऐसे अफसरों से सरकार की नैया कैसे पार हो पाएगी?

बस्तर पोस्टिंग का क्रेज?

बस्तर कभी अकेला जिला होता था। बाद में कांकेर बना। फिर दंतेवाड़ा। नक्सलवाद चरम पर पहुंचा तो कोंडागांव, नारायणपुर, सुकमा और बीजापुर जिला अस्तित्व में आया। याने एक से बढ़कर सात जिला। जबकि, आबादी और काम की दृष्टि से देखें तो बस्तर चार जिले लायक भी नहीं। मगर संवेदनशीलता की वजह से सातों जिले के अपनी अहमियत थी और बस्तर पोस्टिंग का अपना क्रेज भी। मगर अब जब नक्सलवाद आखिरी सांस गिन रहा तब यह सवाल मौजूं है कि छोटे जिलों का क्या? बस्तर के ग्रामीण थानों में महीने में एकाध रिपोर्ट दर्ज नहीं हो पाती। क्योंकि, आदिवासी बड़े सरल और सहज होते हैं, वहां क्राइम के नाम पर सिर्फ नक्सली हिंसा की रिपोर्ट ही दर्ज हो पाती थीं। जाहिर है, बस्तर की पोस्टिंग का क्रेज अब कम होगा। अभी तक नक्सलवाद के नाम पर कलेक्टर, एसपी को बेहिसाब पावर और पैसे मिलते थे। कलेक्टरों को बड़ी राशि केंद्र से आती थी। तो निर्माण कार्यों का मोटा कमीशन कलेक्टर, एसपी को जाता था। आईजी को महीने का सात लाख और एसपी को हर महीने पांच लाख नगद...जिसका कोई हिसाब नहीं। नेशनल मीडिया में एक्सपोजर मिलता था, सो अलग। मगर अब सरकार ने अगर टूरिस्ट डेस्निशन बना दिया तब भी बस्तर पोस्टिंग का वैसा क्रेज नहीं रहेगा, जैसा अभी तक था। हालांकि, विष्णुदेव सरकार ने पत्रकार हत्याकांड के बाद कलेक्टर और एसपी का टेंडर करने का अधिकार समाप्त कर ऑनलाइन कर दिया है। फिर बस्तर पोस्टिंग की बात कुछ और थी।

निशाने पर अफसर या मंत्री?

छत्तीसगढ़ बीजेपी के एक पुराने नेता ने एक आईएएस अधिकारी के भ्रष्टाचार की शिकायत लोकल लेवल पर सोशल मीडिया में चलवाया ही, लेटर प्रधानमंत्री कार्यालय तक भेज दिया है। ब्यूरोक्रेसी इससे हतप्रभ है और उस अफसर को जानने वाले लोग भी। इसलिए, क्योंकि आईएएस अफसर की ऐसी छबि नहीं। दरअसल, यह सीनियर नेता के कंधे पर बंदूक रखकर किसी और को निशाना बनाने जैसा मामला है। निशाने पर अफसर नहीं, मंत्री बताए जा रहे हैं। मंत्री को घेरने की चौतरफा कोशिशें हो रही हैं। चारों तरफ आदमी लगा दिए गए हैं कि कोई पोल मिले और मंत्री को निबटाया जाए। ठीक है...सियासत में एक-दूसरे को घेरना, कमजोर करना कोई नई बात नहीं, मगर इसमें अफसरों को नहीं लपेटना चाहिए।

रुमाल प्रबल की, पोस्टिंग राव की

राज्य सरकार ने लाल बत्ती की एक दूसरी लिस्ट और जारी कर दी। इसके बाद अब मार्कफेड छोड़ लगभग सारे बड़े बोर्ड और निगमों के चेयरमैन के पद भर गए हैं। इसमें सबसे मलाईदार कारपोशन ब्रेवरेज में श्रीनिवास राव मद्दी की पोस्टिंग लोगों को चौंकाई। इस पद के लिए प्रबल प्रताप सिंह जूदेव की चर्चा चल रही थी। मगर आश्चर्यजनक तौर पर उनका नाम कट गया। श्रीनिवास राव बस्तर से ताल्लुकात रखते हैं। सुभाष राव के बाद वे दूसरे दक्षिण भारतीय नेता होंगे, जिन्हें मलाईदार पद से नवाजा गया है। रमन सिंह की पहली पारी में सुभाष राव को हाउसिंग बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था। श्रीनिवास की पोस्टिंग को सियासी पंडित किरण सिंहदेव को मंत्री न बनाए जाने से जोड़कर देख रहे हैं। बीजेपी के लोग भी यह मान रहे कि श्रीनिवास को सिंहदेव के कोटे से ब्रेवरेज की कुर्सी सौंपी गई है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. राज्य सरकार ने केदार गुप्ता की दुग्ध संघ चेयरमैन की पोस्टिंग बदलकर अपेक्स बैंक की कैसे कर दी?
2. यूपीएससी से डीजीपी का पेनल आ जाने के बाद भी पूर्णकालिक डीजीपी का आदेश न निकाल सरकार अरुणदेव गौतम का बीपी क्यों बढ़ा रही है?

मुकुल देव दुनिया से अलविदा पायलट का सपना छोड़कर फिल्मों में की थी एंट्री...

फिल्म इंडस्ट्री में पसरा मातम, संजय और शाहिद के रहे जोड़ीदार

मुंबई। बॉलीवुड से एक दिलदुखाने वाली खबर सामने आई है। अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाने वाले एक्टर मुकुल देव ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। एक्टर मुकुल देव ने 54 साल की उम्र में अपनी अंतिम सांस ली है। मुकुल देव कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। मुकुल का जन्म 17 सितंबर 1970 को दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। आइए जानते हैं एक्टर के फिल्मी करियर के बारे में कैसे वो अपनी नौकरी छोड़कर बॉलीवुड में आए थे। भले अपनी पहली फिल्म से फैंस के बीच मुकुल छाए हों लेकिन इसके बाद बॉलीवुड में टिकना उनके लिए काफी मुश्किल रहा था। पहली फिल्म के बाद उनकी फिल्में जैसे किला, वजूद, और मुझे मेरी बीवी से बचाओ बॉक्स ऑफिस पर नजर आईं लेकिन ये फिल्में ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई थीं पर उसके बाद उन्होंने जो कमबैक किया तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। मुकुल ने पायलट की अच्छी नौकरी छोड़कर फिल्मों में एंट्री की थी। जी हां फैंस को शायद ये ना ही पता हो कि मुकुल ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी से पायलट की ट्रेनिंग ली थी। असल में जिन्होंने पायलट बनने का सपना छोड़कर बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाई थी। फिल्मों में एंट्री करते ही वो रातोंरात स्टार बन गए थे।

ऐसे हुई फिल्म व टीवी कॅरियर की शुरुआत : दिल्ली में जन्मे मुकुल ने 1996 में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। मुकुल ने 1996 में आई फिल्म दस्तक से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुष्मिता सेन के साथ थी। वैसे फैंस को शायद ये ना पता हो कि दस्तक फिल्म से पहले वह टीवी शो मुमकिन में नजर आए थे। जी हां मुकुल टीवी के फेमस शो कहानी घर घर की में दिखाई दिए थे। इसके अलावा उन्होंने फियर फैक्टर के पहले सीजन के होस्ट करके हर किसी का दिल जीत लिया था।

मुकुल का कमबैक रहा बड़ा जोरदार: वैसे अगर कहें कि मुकुल का कमबैक यमला पगला दीवाना फिल्म से हुआ तो शायद गलत नहीं होगा। जी हां यमला पगला दीवाना, सन ऑफ सरदार, और जय हो जैसी फिल्मों में सहायक किरदारों से नजर आ कर फैंस का दिल मुकुल ने फिर से जीत लिया था। मुकुल देव ने हिंदी के अलावा पंजाबी, बंगाली, और तेलुगु फिल्मों में भी एक्टिंग पेश की थी।

बड़े सितारों के साथ किया काम : मुकुल देव ने अपने फिल्मी सफर में मुकुल देव ने कई बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर की। उन्होंने संजय दत्त के साथ 'सन ऑफ सरदार' और शाहिद कपूर के साथ 'आर राजकुमार' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वे धर्मेंद्र, सनी देओल और बॉबी देओल के साथ कॉमेडी फिल्म 'यमला पगला दीवाना' में भी नजर आए।

मुकुल की कुछ हिट फिल्में

मुकुल देव की कुछ यादगार फिल्मों में 'दस्तक' (1996), 'वजूद' (1998), 'सन ऑफ सरदार' (2012), 'यमला पगला दीवाना' (2011) और 'आर... राजकुमार' (2013) शामिल हैं। इन सभी फिल्मों में उन्होंने भले ही को-एक्टर के तौर पर काम किया, लेकिन उन्होंने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचने में कोई कमी नहीं छोड़ी. खासकर 'यमला पगला दीवाना' में उनका मजाकिया अंदाज और डायलॉग्स बोलने का तरीका बहुत पॉपुलर हुआ था।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Bhilai- 6267575723

Appointment
आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, फिल्ड अधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, सिटी ऑफिस, 434 चतुर्थतल प्रोगेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर छत्तीसगढ़ 7746000016, 7747000019, 7747000016, 7746000019.(RO-074)

आवश्यकता है- अगर सिक्योरिटी को रायपुर एवं छत्तीसगढ़ के लिए सुरक्षागार्ड, यूनिट सुपरवाइजर, एवं फील्ड सुरक्षा सुपरवाइजर, स्वयं का दो पहिया वाहन अनिवार्य। शीघ्र संपर्क करे- 8340714355, 7209137999.(RO-1902)

आवश्यकता है- सिक्योरिटी गार्ड की जरूरत है। स्कूल, कम्पनी, भिलाई आयु 25, 45 तक, वेतन 10000, 12 घंटा ड्यूटी सम्पर्क :- 9893153849.(आरो नं.-755)

आवश्यकता

आवश्यकता है- आनंदम सिटी एल एस स्मार्ट 6265807009 काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सैलरी चार अंको में योग्यतानुसार (RO-D)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बंगलो में कार्य हेतु अनुभवी घरेलु नौकर की तत्काल आवश्यकता है। अनुभवः 5 से 10 वर्ष, योग्यताः 10वी पास, वेतन 20000/- से 30000/- अनुभवी उम्मीदवार ही संपर्क करें:- 9109972720. (RO-6947)

टीचर

आवश्यकता है- रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल अश्वनीनगर एवं सत्तीबाजार में- लेडी प्रिंसीपल, हिंदी-अंग्रेजी माध्यम- नर्सरी से 5वीं सम्पूर्ण विषय 6वीं से 10वीं- संस्कृत, हिन्दी, अंगेजी, गणित, विज्ञान, एसएसटी, 11वी-12वीं- हिंदी, अंग्रेजी, एकाउंट, 11वीं-12वीं- भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान, कम्प्यूटर शिक्षिका, आयाबाई, चपरासी, ड्राईवर की आवश्यकता। साक्षात्कार 26.05.2025, प्रातः 10बजे अश्वनीनगरः 0771-2241548.(RO-6978)

आवश्यकता है- लेडी इंचार्ज, रिशेप्सनिष्ट, कम्प्यूटर टीचर एवं साइंस, मैथ्स, एसएसटी, इंगलिश, एकाउंट, कॉमर्स, इकोनॉमिक्स पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, ड्राईवर की आवश्यकता हैं। साक्षात्कार 28.05.2025 प्रातः 9:30बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानीटंकी के पास खमतराई, 9826198065, 07712252855. (RO-6979)

मैनेजर/एच आर

आवश्यकता है- (LG) आयुर्वेद फार्मेसी में 200पोस्ट की भरती सेल्स मैनेजर, सेल्सस्टॉफ, HR मैनेजर, लड़के, लड़कियां,महिला उम्र 18वर्ष से 50वर्ष HR मैनेजर , सेल्स मैनेजर , सैलरी योग्यता के अनुसार स्टॉफ सैलरी 8000/- से 16000/- रहना, खाना फ्री ,+पेट्रोल + मंथली बोनस - संपर्क गौरव सर 7757069427, 7378754405.(आरो नं.-753)

ऑपरेटर/सेल्समैन

आवश्यकता है- अनुभवी कंप्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन, सेल्सगर्ल की आवश्यकता है संपर्क:- सत्यम बेकर्स एंड स्वीट्स शॉप नं. 82, 83 सेक्टर 10 भिलाई मो:- 9827990006, 7693877777.(आरो नं.-754)

टेलीकॉलर/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट- 02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्निशियन- 2, ऑफिस बॉय- 1 सम्पर्क:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461.(RO-6944)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- रायपुर रिंग रोड नंबर -1, सरोना चौक, अरिहंत नगर में ऑफिस कार्य के लिए कम्प्युटर ज्ञाता ग्रेजुएट चाहिए। वेतन 10 से 15 हजार। बायोडाटा व्हाट्सएप करें 9131276161. (RO-7218)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- फार्मासिस्ट, OT टेक्नीशियन, ड्रेसर, कंपाउंडर, ड्राइवर, मेडिकल स्टोर में काम करने वाला लड़का अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क- 9300734153, 0771-2994153.(RO-madh)

आवश्यकता है- होम्योपैथिक दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की एवं ड्राइवर की आवश्यकता है संपर्क करें 900910 8903.(RO-madh)

ऑफिसर/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- बजाज फाइनेंस में कलेक्शन हेतु कलेक्शन ऑफिसर एवं टेली कॉलर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- A-37 ऑक्सीजोन गार्डन के सामने रवि नगर पंडरी रायपुर फोन 9826166613. (RO-6948)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

प्रचार कार्य

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ में नवबोध प्रकाशन की किताबों के प्रचार कार्य हेतु स्नातक लड़कों की। (मासिक वेतन+ रहना, खाना, पेट्रोल, बाईक मेंटेनेंस खर्च) संपर्क- दुर्ग- 9755845276, राजनांदगांव - 6264313203, धमतरी- 9644033457, बेमेतरा- 8889745219, कांकेर- 8770732495, बालोद- 9201967001, गरियाबंद- 8965043034, महासमुंद- 7509441877, मुंगेली- 9993727517, जगदलपुर- 9098118268, कवर्धा- 7898948892, रायपुर ऑफिस- 7471145007, 7471145009. (RO-819)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- आर एस होंडा सेजबाहर में डोर टू डोर मार्केटिंग के लिए लड़का एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क करें।- 8085067364, 7089999459.(RO-D)

सेल्स एक्जीकेटिव

Wanted- Sales Executive for Door-to-Door Sales Palini is hiring a smart, confident Sales Executive to sell *premium* hand-crafted products to *premium* clients. Door-to-door sales in Raipur and other cities.Attractive incentives on every sale.Contact:9669841111.(RO-6934)

आवश्यकता

आवश्यकता है- जीओ कम्पनी मे इंस्टालेशन कार्य करने हेतु 10वी,12वी पास लड़कों की अवश्यकता है। सैलरी अनुभव अनुसार दिया जाऐगा । संपर्क - 8349490631, 9343642635.(RO-6942)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ऑपरेटर/लेबर

आवश्यकता है- अरवा राईस मिल (कोढ़ा मिल) चलाने हेतु ऑपरेटर एवं लेबर(5-6) की आवश्यकता है । स्थान - ऊरला, रायपुर संपर्क - 7987970711, 7987974445.(RO-07)

कुक/कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- घर में रह कर खाना बनाने एवं ऑफिस में कंप्यूटर ऑपरेटर लड़की/ महिला की आवश्यकता है। वेतन 5000/10000 प्रतिमाह संपर्क करे। मोबाइल न 9826949552. (RO-6949)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- किताब दुकान में सेल, दुकान कार्य हेतु परमानेंट पार्ट / फुल टाइम युवक / लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। 4 से 5 अंको में । जैन बुक डिपो, सदर बाजार। 9425205244.(RO-398)

कुक/ड्रायवर

आवश्यकता है- हॉस्टल में आवश्यकता हैं। खाना बनाने हेतु कुक, एवं ड्राइवर , नशा मुक्त एकल व्यक्ति महिला/पुरुष, रहने खाने की सुविधा, driving license जरूरी , अनुभवी एवं शाकाहारी को प्राथमिकता। जैन गर्ल्स हॉस्टल लक्ष्मी नगर, पचपेड़ी नाका रायपुर. 9425206595.(RO-7376)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- प्लास्टिक के थोक दुकान में कार्य करने हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर लड़का या लड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क समय 12 से 6 प्रकाश मार्केटिंग डॉक्टर मटरेजा गली नयापारा रायपुर 98261-13735.(RO-401)

हरिभूमि क्लासीफाईड

चिकित्साकर्मी

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
WE ARE HIRING
SCRUB NURSE - 01
Qualification: B.Sc Nursing / GNM with CG Registration.
STAFF NURSE - 70
Qualification: B.Sc Nursing / GNM with CG Registration.
CORPORATE EXECUTIVE- 02
Qualification: Any Graduate with DCA / PGDCA
PATIENT RELATIONSHIP EXECUTIVE (PRE) - 02
Qualification: Any Graduate (MBA in Hospital Administration Preferred)
SONOGRAPHY & PATHOLOGY REPORT TYPIST
Qualification: Any Graduate with DCA/PGDCA
CSSD TECHNICIAN - 2
Qualification: Diploma in CSSD
DIALYSIS TECHNICIAN - 02
Qualification: Diploma / B.Sc in Dialysis
X-RAY TECHNICIAN - 02
Qualification: Diploma / B.Sc in OT
ECHO, TMT, ECG- TECHNICIAN - 01
Qualification: Diploma / B.Sc. in ECG/ECHO/ TMT
WARD BOY - 10
WARD GIRL - 10
Qualification: 12th Pass
Freshers / Experienced can apply
07713510945
vacancyatsnh@gmail.com
Near Ganj Mandi, Sec.-5, Devendra Nagar, Pandri, Raipur (CG) 492001)

टीम लीडर/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- कलेक्शन एजेंसी को भिलाई क्षेत्र में आवश्यकता हैं ,(1) टीम लीडर (फीमेल) पद - 03, (2) टेलिकॉलर (फीमेल) पद 05 कंप्यूटर की जानकारी ,बैंकिंग व कलेक्शन क्षेत्र में अनुभव रखने वालों को प्राथमिकता (3) फील्ड एग्जीक्यूटिव पद -10 , (4) ऑफिस बॉय पद 2 मेल : egenesis.2023@gmail.com contact : 9589049626 ,9329208862 हेड ऑफिस :- ई-जेनेसिस फाइनेंसियल सोलूशन्स ,4 /16 दक्षिण गंगोत्री ,सुपेला ,भिलाई (आरो नं.-SP/917)

व्याख्याता/ऑपरेटर

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय रामनगर भिलाई में व्याख्याता विज्ञान, गणित एवं कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। संपर्क करें- मो.- 6261443664, 8109653738. (आरो नं.-756)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 20000/- प्रतिमाह। रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी। जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें। पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल :- 9644720222.(RO-06)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 7480810919.(RO-894)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती भारतीय वनविभाग को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 725 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+62500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (धीरेंद्र कुमार)- 7392890179. (RO-887)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9204441270.(RO-892)

Property
प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- न्यू चंगोरा भाटा मे मकान बेचना है प्लाट एरिया 450 sq.ft. का हैं और कंट्रक्शन 900 sq.ft. का है ऊपर नीचे मिला के हैं । मो. 9752444511.(RO-6930)

गोडाऊन

बेचना है- 4600' जमीन 4000' टिनशेड युक्त गोडाऊन बेचना है, GE रोड से 50 मीटर अंदर वंदना ऑटो के पास विवेकानंद आश्रम रायपुर। संपर्क करे- 9685444823, 9827935215.(RO-0003)

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- दुर्ग बायपास टोलप्लाज़ा, किआ शोरूम के पास रेसिडेंशियल व कमर्शियल सर्वसुविधायुक्त प्लाट - विकसित क्लोज़्ड कैंपस, CC रोड, नाली, मंदिर, स्ट्रीट लाइट, मैरिज हॉल सहित। तुरंत मकान बना सकते हैं। संपर्क:- 7247006610, 7247006609.(आरो न.-7183)

प्लॉट बेचना है - बेचना है रायपुर रोड, हाईकोर्ट के सामने, मेन रोड से 50 मीटर अन्दर, एयरपोर्ट रोड, में 50×200 वर्गफीट, व्यावसायिक, डायवर्सन, बाउन्ड्रीवाल, कार शोरूम, आटोमोबाईल, होटल एवं अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु उपयुक्त प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 9300310774. (RO-37827)

क्लासीफाईड

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
42 वर्षीय 5'-10" अविवाहित मांगलिक व्यवसायरत कलार वर हेतु सामान्य परिवार की सजातीय वधू चाहिए
-:सम्पर्क करें:-
9301260984

वधु चाहिए
बंगाली 47 वर्ष स्वयं का व्यापार वर हेतु सुन्दर, सुशिक्षित वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं। सन्तान सहित भी स्वीकार।
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
-:सम्पर्क करें:-
6268373521

वधु-1978, 5'-6'' राजपूत शासकीय सेवारत गौरवर्ण हेतु योग्य वधू चाहिए सम्पर्क करें- 9826936206 (21016)

वधु चाहिए- रंग गोरा स्मार्ट 36 वर्षीय, हाईट 5 फुट 6 इंच व्यावसायिक लड़का (अनाथ एवं विकलांग) के लिए वधु चाहिए तलाकशुदा भी स्वीकार्य है। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें 8435278895 (7330)

कृषिभूमि

बेचना है- 5 एकड़ सिंचित कृषि भूमि (फार्म हाउस) 5 H.P पंप सहित, राइस मिल, पोल्ट्री हेतु अति उत्तम। अर्जुंदा गुरेदा डामर रोड पर। संपर्क - 9752408700. (आरो नं.-757)

For Rent
किराया

FOR RENT- At Rajdhani Vihar,Saddu Vidhan sabha Road,3BHK 1500 sq ft Row House East facing available on rent.Service holders with family pref.contact: 7024124853.(RO-7267)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जैकेट के शेष

12 साल बाद ....

वैसा ही दिख रहा है। थोड़ा बहुत नेशनल हाईवे की सड़क पक्की हुई है। गांव में वही बदहाली, अभाव की जिंदगी और सरकारी योजनाओं का कोई लाभ झीरम के ग्रामीणों को मिलता नही दिख रहा है। सड़क किनारे अपने तीन साल के बेटे को दूध पिलाती चेयती यहां की दयनिय स्थिति की गवाह है। वह कहती है पति मर गया, एक बेटा है हमारे पास कुछ नही है। बेटा पूरी तरह नग्न है न कमीज न चड्डी। विधवा मां इस मासूम को जैसे तैसे पाल रही है। झीरम को 12 साल बीत गये, अगले 12 साल बाद यह मासूम 15 साल का हो जायेगा। उसके भविष्य की कोई गारंटी नही है क्योकि संभाग मुख्यालय से मात्र 45 किलोमीटर दूर नेशनल हाइवे का यह गांव झीरम जहां चेयती विधवा को वृद्धावस्था पेंशन नही मिलती। वनोपज के अलावा उसके पास खाने पीने का कोई साधन नही है। चेयती के साथ एक 14 साल की लड़की बैठी थी। उसने अपना नाम सुनिता कश्यप बताया। उसने पढ़ाई छोड़ दी है। उसके माता-पिता मर चुके हैं। वह 6वीं तक पढ़ी थी, आगे का रास्ता किसी ने नही बताया। अभी वह नानी के पास रह रही है। **झीरम कांड पर अभी भी चुप्पी** : झीरम गांव में मिली महिला ,युवतियों से 12 साल पहले घटित नरसंहार के बारे में पूछने पर वें कुछ नही कहती, वैसे भी गोंडी बोली में ही वे बात करती हैं। थोड़ी बहुत हिन्दी जानती हैं, लेकिन वह पैसा लेनदेन या साग, सब्जी ,फल बेचते समय ही हिंदी बोलती हैं। काड़े और जिमलो टोकनी और सब्बल लेकर जमीन से खोदने बोड़ा के लिये जंगल जाने की बात कही।

सरपंच कौन, नही पता : यह भी सोचनीय है कि झीरम गांव के लोगों को अपने ही सरपंच का नाम और पता नही मालूम। आयती, जोगी , सुनिता, काड़े और जिमलो कहते हैं- कौन है सरपंच नही मालूम , किस पारा में रहता है, यह भी नही मालूम। लेकिन झीरम गांव और घाट में स्थित बंजारीन माता मंदिर के बीच यात्री प्रतिक्षालय में भाजी बेच रही एक युवती ने सरपंच का नाम और पता बताया। उसने उंचे पहाड़ को दिखाते हुये कहा कि पहाड़ के पीछे ऐलंगनार गांव में सरपंच सोमु रहता है। झीरम गांव ग्राम पंचायम ऐलंगनार में आता है। पहले यह कनकापाल ग्राम पंचायत में आता था। भौगोलिक और बीहड़ इलाका होने से सरपंच से मिलना, जैसे पहाड़ को खोदने जैसा कठिन है। एक दूसरे पारा और गांव जाने में पगडंडी से होकर पहाड़ पार करना पड़ता है।

जवान बेटा ...

वाहन को चला रहा था, जिसे नक्सलियों ने बारूदी सुरंग विस्फोटक से उड़ा दिया। वाहन के परखच्चे उड़ गए और मनोज हमेशा के लिए चल बसा। दरभा स्थित अपने निवास पर हरिभूमि से चर्चा में रमादेवी जोशी ने बताया कि मुझे सिर्फ 50 हजार मिले थे। वाहन का मुआवजा आज तक नहीं मिला है। **नौकरी और राशि बहू को मिली** : मनोज की मां रमादेवी ने कहा कि 25 दिन शादी के बाद बेटा चल बसा, बहू को क्लर्क की नौकरी और 13 लाख रुपए मिले, वह बिलासपुर चली गई। फिर कभी नहीं आयी। पत्नी को सरकार से नौकरी और राशि मिल गई, लेकिन बेटे को जन्म देने वाली मां को कुछ नहीं मिला।

केरल में मानसून ....

अधिकारी ने कहा कि देश के अन्य हिस्सों में मानसून का आगमन वैश्विक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समेत कई कारकों से तय होता है। आईएमडी ने अप्रैल में इस साल मानसून में सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान जताया था जिससे अल नीनो की स्थिति की संभावना खारिज हो गई।

सप्ताहभर पहले ....

आने वाली नमी और बारिश की वजह से गर्मी पूरी तरह समाप्त हो चुकी है और प्रदेश का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच से लेकर दस डिग्री तक नीचे जा चुका है। मई के बाकी दिनों में भी गर्मी बेअसर रहने की संभावना है, हालांकि धूप निकलने के दौरान उसम की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक सामान्य स्थिति में जगदलपुर में दक्षिण-पश्चिम मानसून 13 जून जगदलपुर, 16 जून को रायपुर तथा 21 जून तक अंबिकापुर पहुंचता है।

हरा सोना, इस ....

तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन अब तक सिर्फ 101057 संग्राहकों ने 92 लाट संख्या में एक लाख 16 हजार 999 मानक बोरा तेंदूपत्ता का ही संग्रहण कर पाए हैं। वर्तमान में 64 लाख 34 हजार 995 रूपए पारिश्रमिक है। आंधी, ओले एवं बारिश की वजह से अब नए पत्ते कम आ रहे हैं, आगामी दिनों में तेंदूपत्ता संग्रहण का काम प्रभावित हो सकता है। इस तरह से पिछले वर्ष संग्राहकों को 155 करोड़ रुपए तेंदूपत्ता के पारिश्रमिक दिया गया था, लेकिन इस बार लक्ष्य पूरा नहीं होने पर संग्राहकों को लगभग 90 करोड़ रुपए कम पारिश्रमिक देने की संभावना है, यानि आंधी, ओले एवं बारिश से तेंदूपत्ता कम होने से 90 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। **आंधी व ओले का असर** : बताया जा रहा है कि बस्तर जिले के 15 लाट संख्या में 17201.240, दंतेवाड़ा जिले के 11 लाट संख्या में 17001.715, बीजापुर जिले के 23 लाट संख्या में 11598.187 एवं सुकमा जिले के 43 लाट संख्या में 71198.774 मानक बोरा का तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है, जो आंधी, ओले एवं बारिश के चलते लक्ष्य से कम है।

क्वालिटी व क्वांटिटी में फर्क : वन विभाग बस्तर वृत्त के मुख्य वन संरक्षक आरसी दुग्गा ने बताया कि बारिश और ओले गिरने का सिलसिला से तेंदूपत्ता संग्रहण क्वालिटी और क्वांटिटी में फर्क आ रहा है। उन्होंने सुकमा जिले के तेंदूपत्ता संग्रहण केन्द्र पहुंच कर संग्राहकों से चर्चा की और तेंदूपत्ता का भी अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि बस्तर वन वृत्त के अंतर्गत 2 लाख 70 हजार 600 मानक बोरा तेंदूपत्ता की खरीदी का लक्ष्य मिला है। इसके लिए वन विभाग 75 समिति और 1710 फड़ तैयार किया गया है, जहां संग्रहण किया जा रहा है।

उम्मीदों पर ....

गांठ बनने की आशंका बढ़ जाती है। इसके साथ ही कई जगह पत्तों में छेद होने का खतरा बना रहता है, ऐसे में सभी पत्ते उपयोग के लिए तोड़े नहीं जा सकते हैं। शुरुआती गर्मी में पत्ते अच्छे निकल रहे थे, लेकिन बेमौसम बारिश ने ग्रामीणों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

टॉप नक्सली का ....

10 करोड़ के ईनामी नक्सल संगठन के टॉप लीडर व महासचिव बसवराजू का शव लेने अब तक परिजन नहीं पहुंचे हैं। मुठभेड़ में मारे गए 10 लाख की ईनामी साउथ की महिला नक्सली कमाण्डर संगीता व भूमिका तथा 8 लाख के ईनामी विवेक का शव लेने आंध्र व तेलगांना से परिजनों के पहुंचने की खबर है। जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ में मारे गए स्थानीय कैडर के आठ नक्सलियों के शवों को शनिवार को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। शेष के परिजनों का इंतजार किया जा रहा है।

गिल बने टेस्ट ....

से संन्यास के बाद टीम के नेतृत्व पर चयनकर्ताओं का यह फैसला अपेक्षित था। इन दोनों दिग्गजों के संन्यास के बाद टीम बदलाव के दौर से गुजरेगी जिसमें इंग्लैंड में उसकी कड़ी परीक्षा होगी।

थाने से दुष्कर्म का...

आरोपी की पहचान देवेन्द्र यादव, पिता रामलाल यादव, उम्र 32 वर्ष, निवासी देवरी (थाना चंदनू) के रूप में हुई है। उस पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप है और वह खम्हरिया थाना की हिरासत में था। फरारी के बाद प्राथमिक जांच में सामने आया कि लॉकअप की निगरानी में गंभीर लापरवाही हुई है। एसएसपी ने बिना देरी किए निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, एएसआई भानुप्रताप पटेल, प्रधान आरक्षक कामता प्रसाद साहू, आरक्षक कुसुम लाल कोसले, और गौकरण मंडावी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

पेज एक के शेष

दांतों को भी मिलेगा...

में जानकारी मांगी गई है। निजी अस्पतालों में दांतों के इलाज के नाम पर होने वाले तोड़-मरोड़ की लंबी शिकायतों के बाद इसे स्वास्थ्य योजना के पैकेज से हटा दिया गया था। आयुष्मान योजना में शामिल नहीं होने की वजह मरीजों को दांतों की छोटी से लेकर बड़ी समस्या के इलाज के लिए पैसे खर्च करने पड़ते हैं। एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय के उपचार का शुल्क तो कम है, मगर निजी डेंटल क्लीनिकों में इसके लिए मोटी फीस देनी पड़ती है। स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने में गंभीरता दिखा रही प्रदेश सरकार ने दांतों की बीमारी की भी सुध ली है। आने वाले समय में मरीजों को दांतों के इलाज की निशुल्क सुविधा सरकारी अस्पताल में मिलने की संभावना है। इसके लिए प्रारंभिक स्तर पर तैयारी शुरू की जा चुकी है और बीमारियों की जानकारी के साथ शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय से प्रस्ताव मांगा गया है। जानकारी के आधार पर इसका परीक्षण किया जाएगा, फिर आयुष्मान योजना में इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शुक्रवार को हुई स्वशासी समिति की बैठक में शासकीय डेंटल कालेज की सुविधा बढ़ाने के लिए स्वशासी समिति में निर्देश जारी किया जा चुका है। जरूरी मशीनों को एक नियत समय में महाविद्यालय को उपलब्ध कराने की हिदायत भी दी जा चुकी है।

साय ने खींचा...

कहा कि राज्य प्रशासन अब तकनीक आधारित, पारदर्शी और तेज गति से निर्णय लेने वाला बन रहा है। हर योजना को डिजिटली ट्रैक किया जा रहा है, ताकि आम जनता को समय पर और सही सेवाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह मॉडल न सिर्फ छत्तीसगढ़ को विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने में मदद करेगा, बल्कि भारत के विकसित राष्ट्र बनने के वर्ष 2047 लक्ष्य में राज्य की बड़ी भूमिका सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने वर्ष 2047 तक के लिए एक विस्तृत रणनीति तैयार की है, जिसके तहत राज्य की अर्थव्यवस्था को 6 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 75 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें प्रति व्यक्ति आय में 10 गुना वृद्धि होगी। इस रणनीति को 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन डाक्यूमेंट' नाम दिया गया है, जिसमें राज्य के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय विकास की विस्तृत योजना है। नक्सलवाद पर बात करते हुए मुख्यमंत्री साय ने बताया कि मार्च 2026 तक पूरे राज्य को नक्सलमुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए पुनर्वास, प्रशिक्षण और स्वरोजगार की योजनाएं बनाई गई हैं। बस्तर में अब आदिवासियों को स्वरोजगार, प्रशिक्षण और बाजार की सुविधाएं मिल रही हैं। स्थानीय उत्पादों की बिक्री से रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं। बस्तर का धुड़मारास गांव तो संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव' की सूची में भी शामिल किया गया है। राज्य में रेल नेटवर्क को 1100 किलोमीटर से बढ़ाकर 2200 किलोमीटर तक ले जाने का काम किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर 21 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। रायपुर एयरपोर्ट से अब कार्गो सेवा भी शुरू हो चुकी है, जिससे राज्य एक प्रमुख लॉजिस्टिक हब बनने की ओर अग्रसर है।

देश का पहला राज्य : छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां लिथियम ब्लॉक की सफल नीलामी हुई है। यह लिथियम इलेक्ट्रिक वाहनों और ग्रीन एनर्जी की दिशा में भारत को आत्मनिर्भर बनाएगा। मुख्यमंत्री साय ने राज्य सरकार द्वारा किए गए 350 से अधिक नीतिगत सुधारों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि अब जमीन के पंजीकरण जैसे कार्य घर बैठे केवल 500 रुपये में किए जा सकते हैं। नई औद्योगिक नीति में ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले स्कूल, हॉस्पिटल और कॉलेज खोलने पर विशेष छूट दी जा रही है।

पीएम ने आत्मीयता से...

बताया कि कैसे बस्तर अब संघर्ष नहीं, संभावना का प्रतीक बन रहा है। जहां कभी बंदूकें चलती थीं, वहां अब मशीनें, लैपटॉप और स्टार्टअप की चर्चा हो रही है। नवा रायपुर में देश की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट और एआई डेटा सेंटर की स्थापना से लेकर लिथियम ब्लॉक की नीलामी तक- छत्तीसगढ़ अब संसाधनों से परिपूर्ण राज्य बनने की ओर अग्रसर है और देश के विकास में छत्तीसगढ़ की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्णायक...

छत्तीसगढ़ की प्रस्तुति ने प्रधानमंत्री की विशेष रुचि और सराहना प्राप्त की। यह स्पष्ट संकेत है कि छत्तीसगढ़ अब केवल एक उभरता हुआ राज्य नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास में एक निर्णायक भूमिका निभाने वाला राज्य बन चुका है।

नक्सलवाद-उद्योग नीति पर...

बड़ी बैठक हो रही है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा भी रहेंगे। इस बैठक में भाजपा और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

साय देंगे...

पर रहेगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में काम हो रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने की ऐलान किया है। इसको लक्ष्य बनाकर काम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को लेकर जो सफलता मिल रही है, उसकी जानकारी प्रस्तुति में दी जाएगी। इसी के साथ बस्तर में चल रहे विकास के बारे में भी बताया जाएगा। बस्तर और उसके आसपास के 32 ब्लॉकों में स्किल डेवलपमेंट सेंटर खोले गए हैं, जहां युवाओं को कंप्यूटर, स्वास्थ्य सेवा, फूड प्रोसेसिंग और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब यहां के बच्चे जंगल में लकड़ी चुनने के बजाय लैपटॉप और मशीनें चला रहे हैं।

करोड़ों की गड़बड़ी..

संसाधन विभाग को इस बारे में पत्र भी लिखा है। खास बात है कि अरपा भैंसाझार परियोजना के लिए शुरुआत में 606 करोड़ का बजट रखा गया था। विलंब और अन्य कारणों के चलते निर्माण लागत बढ़ती गई। वर्तमान में छत्तीसगढ़ सरकार ने बजट में बढ़ोतरी करते हुए इसके लिए 1141.90 करोड़ कर दिया है। परियोजना के तहत 370.55 किलोमीटर नहर निर्माण होना है लेकिन वर्तमान में 229.46 किलोमीटर ही नहर बन पाया है। इस मामले में पूरी गड़बड़ी राजस्व और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने मिलकर की। कुछ खास लोगों को करोड़ों रुपए मुआवजा के नाम पर रेवड़ी बांटने के लिए कागजों में नहर का एलाइमेंट बदल दिया है। तय जगह से तकरीबन 200 मीटर नहर को आगे खिसका दिया गया जबकि उन लोगों की जमीन दूर-दूर तक नहर निर्माण के दायरे में नहीं आ रही थी। लेकिन फर्जी भूअर्जन का प्रकरण पटवारी ने बनाया और भूअर्जन अधिकारी ने करोड़ों का मुआवजा भी दे दिया।

एक खसरे का चार...

टीम गठित की। जांच में पुष्टि हुई कि तत्कालीन पटवारी मुकेश साहू ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और भूअर्जन अधिकारी कोटा को भूअर्जन प्रकरण में एक खसरे का चार अलग-अलग रकबा दर्शाते हुए विरोधाभासी प्रतिवेदन दिया था। बटांकित खसरा नंबरों को बिना सक्षम अधिकारी के आदेश के बगैर ही मर्ज कर दिया था।

गुमशुदा सूचना

हनुमान देवांगन (सिब्बू) उम्र 34 वर्ष पिता नंदकुमार देवांगन, पता- गभरापारा टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.) 17.03.2025 को घर से आ रहा हूं बोलकर निकला है जो अब तक नहीं लौटे हैं। रंग-गेहुंआ, हाईट- 5.4'', वजन- मिडियम, निशान- लेफ्ट हाथ में गोदने से निधी लिखा हुआ है, पावर चश्मा पहना हुआ है, हिंदी-अंग्रेजी में बात करता है। किसी व्यक्ति को मिले या दिखे तो नीचे लिखे नंबर पर संपर्क करें।

अपर्णा देवांगन (पत्नी)
मो. 91090-99525

राहुल ने पुंछ में पाक गोलाबारी के पीड़ितों से मुलाकात की

पुंछ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के पीड़ितों से शनिवार को मुलाकात की। उन्होंने गोलाबारी से हुई क्षति को एक 'बड़ी त्रासदी' बताया और पीड़ितों की व्यथा को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का संकल्प लिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने पुंछ का दौरा किया और प्रभावित लोगों से एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। इनमें सात मई से 10 मई के बीच हुई गोलाबारी में अपने सदस्यों को खोने वाले परिवार भी शामिल थे। राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, यह एक बड़ी त्रासदी है। कई लोगों की जान चली गई।

पीएम श्री स्कूल, ज.न.वि. चिस्दा, जिला सक्ती-छ.ग.

सत्र 2025-26 हेतु निविदा फार्म जमा करने की परिवर्तित अंतिम तिथि की सूचना

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, चिस्दा जिला सक्ती (छ.ग.) मे निविदा सत्र 2025-26 के लिए पूर्व में निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 20 मई 2025 (पूर्वान्ह 11.00 बजे) निर्धारित की गई थी जिसे तकनीकी/प्रशासनिक कारण से निविदा फार्म जमा करने की अंतिम बढाकर 05 जून 2025 (अपरान्ह 1.00 बजे) तक की जाती है। एवं निविदा खोलने की तिथि 06 जून 2025 को पूर्वान्ह 11.00 बजे प्रस्तावित है। यदि विद्यालय वेबसाइट पर फार्म डाउनलोड करने में असुविधा हो रही हो तो विद्यालय के ईमेल आई डी: jnvsakti@gmail.com अथवा jnvjanjgirchampa@gmail.com पर संपर्क कर निविदा फार्म प्राप्त कर सकते है।

प्राचार्य

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ETCECONIIVSKP 2025020, दिनांक : 21.05.2025

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-सिंगापुर रोड दोहरीकरण परियोजना से संबंधित टिकिरि-भालूमास्का सेक्शन के बीच सभी प्रमुख ब्रिज एवं रोड ओवर ब्रिजों के लिए नवीनतम मानक RDSO विनिर्देश के अनुसार QAP, WPSS की समीक्षा एवं अनुमोदन के लिए तीसरे-पक्ष द्वारा सेवाएं प्रदान करना एवं नवीनतम मानक RDSO विनिर्देश के अनुसार गर्डर ब्रिजों के स्टील गर्डर और इलास्टोमेरिक/POT-PTFE बेयरिंग (Bearing) के फैब्रिकेशन कार्य का अनुमोदित QAP, WPSS के अनुसार निरीक्षण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 113.97 लाख, **EMD :** ₹ 2,07,000/-, **कार्य पूरा होने की अवधि:** 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 12.06.2025 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फार्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B जमा करने साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/ भुवनेश्वर

PR-32/CI/25-26

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड

सी/ओ एनएमडीसी आयरन एंड स्टील प्लांट
पोस्ट – नगरनार (बस्तर) सी.जी. पिन 494001
जीएसटीआईएनः 22AAFCN3661C1ZX
कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन) – L27310CT2015GO1001618
ई–मेलः nslcontracts@nmdc.co.in, mundenayan@nmdc.co.in, csn@nmdc.co.in

निविदा पूछताछ संख्याः एनएसएल/कॉन्ट्रैक्ट्स/कॉन/787/आयरनओर ट्रांसपोर्टेशनकेएमआरएस/2025/638 **दिनांकः** 25.05.2025

एनएसएल लिमिटेड, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी, आपसे अनुरोध है कि आप अपना प्रस्ताव **दो बोली** प्रणाली में प्रस्तुत करें। कुमार मरंगा (केएमआरएस) परियोजना जगदलपुर से एनएसएल, नगरनार तक 2,40,000 मीट्रिक टन लौह अयस्क के परिवहन के लिए अनुभवी घरेलू बोलीदाताओं से **तकनीकी – वाणिज्यिक बोली और मूल्य बोली।**

विस्तृत एनआईटी और बोली दस्तावेज **25.05.2025 से 31.05.2025 तक** देखे और / या डाउनलोड किए जा सकते हैं, जमा करने की अंतिम तिथिः **31.05.2025, अपराह्न 14:30 बजे।**

विस्तृत एनआईटी और बोली दस्तावेज एनएमडीसी वेबसाइट **http://www.nmdc.co.in** और केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल (सीपीपी पोर्टल) **http://www.eprocure.gov.in/epublish/app** से देखें और / या डाउनलोड किए जा सकते हैं।

बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां केवल ऑफलाइन प्रस्तुत करें। ऑफलाइन माध्यम से बोली प्रस्तुत करने का विवरण एनआईटी में दिया गया है।

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए, निम्नलिखित से संपर्क किया जा सकता हैः विभागाध्यक्ष (अनुबंध), अनुबंध विभाग, चौथी मंजिल, सिंटर और बीएफ एरिया शॉप ऑफिस, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल), पी.ओ. नगरनार, जगदलपुर, जिलाः बस्तर, छत्तीसगढ़–494001, ई–मेलः **nslcontracts@nmdc.co.in, mundenayan@nmdc.co.in, csn@nmdc.co.in.**

विभागाध्यक्ष (अनुबंध)
एनएसएल, नगरनार

Franklin Templeton Mutual Fund

Cordially invites you for a program under it's Investor Education and Awareness Initiative.

Venue :
Hotel Central Park, 29, Shivnath complex, GE Road, Supela, Bhilai, Chhattisgarh - 490023.

Date: 27th May, 2025
Time: 7:00 p.m.

Contact Person: Satyaki Paul (8910815275)

Due to limited seats, entry will be provided to registered attendees only. Please call on the above number to register by tomorrow.

We look forward to your participation.

FRANKLIN TEMPLETON

Registered office: One International Centre, Tower 2, 12th & 13th Floor, Senapati Bapat Marg, Elphinstone (West) Mumbai - 400013

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र

भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़, इंडिया - 490001

भिलाई इस्पात संयंत्र एवं इसके खदानों के चिकित्सालयों में कन्सल्टेन्टस (डॉक्टर्स इन मेडिकल डिसिप्लीन्स) की नियुक्ति हेतु वॉक-इन-इन्टव्यूं

भिलाई इस्पात संयंत्र एवं इसके खदानों के चिकित्सालयों में कन्सल्टेन्टस (डॉक्टर्स इन मेडिकल डिसिप्लीन्स) की नियुक्ति हेतु नीचे दिये गये पात्रता मानदण्डों को पूरा करने वाले चिकित्सकों हेतु वॉक-इन-इन्टव्र्यू आयोजित किया जा रहा है :-

S. No.	Post	No. of Posts	Essential Qualification	Rates of Monthly Con- solidated Remuneration (Rs. per month)		Place of posting
				Bhilai	Mines	
1	General Duty Medi- cal Officers (GDMOs)	07(1 UR, 1 ST, 4 OBC (NCL) - 2 BL*, 1 EWS)	MBBS**	90,000/-	1,00,000/-	05 posts for Bhilai (in- cluding CSR) & 02 posts for Mines

*BL = Backlog

GDMOS have been identified suitable for PWBD candidates with minimum 40% disability of (a) OA, OL, BL, OAL, CP, LC, Dw, AAV (Non- Surgical jobs), (b) SLD & (c) MD involving (a) to (b) above.

****नोटः सिर्फ वही डॉक्टर जो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एम.सी.आई.) या नेशनल मेडिकल कमीशन (एन.एम.सी.) या स्टेट मेडिकल काउंसिल (एस.एम. सी.) में पंजीकृत हैं अथवा स्टेट रजिस्टर या नेशनल रजिस्टर में वैध प्रेक्टीशनर लाइसेन्स रखते हों साथ ही विज्ञापन में दर्शित अन्य शर्तो को पूर्ण करतें हों, आवेदन कर सकते हैं।**

दिनॉक **11.06.2025** को ऊपरी आयु सीमा : 69 वर्ष (वाक-इन-इन्टर्व्यू की तिथि को)

वॉक-इन-इन्टव्र्यू का कार्यक्रम

दिनांक	समय	स्थान
11.06.2025	रिपोर्टिंग समय प्रातः 09:30 बजे	**मानव संसाधन विकास केंद्र (मेन गेट के पास)** भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई 490001

विज्ञापन, आवेदन प्रारूप आदि की पूरी जानकारी के लिये, कृपया हमारी कंपनी की वेबसाइट www.sail.co.in के 'Careers' लिंक या https://sailcareers.com पर जाये।
विज्ञापन. क्र. – बीएसपी – 01 / 25-26 / दिनांक : 24.05.2025

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : L27109DL1973GOI006454, Website: www.sail.co.in

हर किसी की जिंदगी से जुड़ा हुआ है सेल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना
एमआईबी कार्यशाला, नागपुर में विभिन्न कार्य के लिए

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, MIB-WS, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

1. निविदा सूचना सं.: MIBW/2025/19/06/02/02 दिनांक: 20.05.2025
कार्य का विवरण: मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में तीन वर्षों के लिए एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (IMS) - (ISO9001:2015, ISO 14001:2015, ISO 45001:2018) व ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली - ISO 50001:2018 के प्रमाणन के लिए अधिकृत एजेंसी को नियुक्त करना।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 2,50,647.56 (रु. दो लाख पचास हजार छह सौ सैंतालीस और छप्पन पैसे मात्र), सभी करों सहित), **बयाना राशि:** ₹ 5,000.00 (रु. पांच हजार मात्र), **अनुबंध की अवधि:** 36 (छत्तीस) महीने, **निविदा प्रपत्र मूल्य:** ₹ 0 (शून्य)।

2. निविदा सूचना सं.: MIBW-24-19-06-09-1-Main-R दिनांक: 22.05.2025
कार्य का विवरण: मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में कार्य के दायरे के अनुसार ICF/LHB कोचों की बोगियों की स्ट्रिपिंग, ग्रिट ब्लास्टिंग, बोगी फ्रेम्स की मरम्मत और स्प्रिंग्स की ओवरहॉलिंग।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 3,32,52,423.72 (रु. तीन करोड़ बत्तीस लाख बावन हजार चार सौ तेईस और बहत्तर पैसे मात्र), सभी करों सहित),
बयाना राशि: ₹ 3,16,300.00 (रु. तीन लाख सोलह हजार तीन सौ मात्र)
अनुबंध की अवधि: 18 (अठारह) महीने, **निविदा प्रपत्र मूल्य:** ₹ 0 (शून्य)।

निविदा जमा करना: बोलीदाता उपरोक्त निविदाओं के लिए अपनी मूल / संशोधित बोलियां निम्नानुसार **11:00** बजे तक या उससे पहले प्रस्तुत कर सकेंगे:
निविदा क्र. 1: दिनांक **11.06.2025** तक
निविदा क्र. 2: दिनांक **13.06.2025** तक

इन निविदाओं के तहत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। प्राप्त सभी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

कार्यशाला प्रबंधक,
मोतीबाग कार्यशाला,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

AIM/05-26

स्वच्छ भारत अभियान — एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय प्राचार्य, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, लामकन्हार अंतागढ़ जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

क्रमांक / 1654/EMRS/निविदा/2025-26 अंतागढ़ दिनाँक 22/05/2025

संक्षिप्त निविदा सूचना

जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.) अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय लामकन्हार अंतागढ़ के संचालन हेतु शिक्षण सत्र 2025-26 में लगने वाले सब्जी एवं फल, मांसाहारी सामग्री, खाद्य एवं दैनिक उपयोगी सामग्री, बेकरी, स्वीट्स, डेयरी सामग्री एवं हेयर कटिंग के लिए फर्मों/आपूर्तिकर्ताओं से पृथक-पृथक सील बंद निविदाऐं छत्तीसगढ़ भण्डार क्रय नियम 2002 (यथा संशोधित 2022) के नियम 4.6 में निहित प्रावधान अनुसार स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्तानुसार सामग्री के लिये निविदा प्रपत्र एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय लामकन्हार अंतागढ़ से "निविदा से प्राप्तियां अंतर्गत 250 सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण 800 अन्य प्राप्तियाँ, निविदा फार्म विक्रय राशि" शीर्ष में रू. 200/- का पृथक-पृथक चालान जमा कर चालान की मूल प्रति प्रस्तुत करने पर दिनांक 30.05.2025 तक कार्यालयीन दिवस प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा की प्रक्रिया के लिए निम्नानुसार समय-सारणी निर्धारित होगी-

विवरण	तिथि	समय
निविदा प्रपत्र, शर्तें एवं सामग्री सूची प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	30.05.2025	दोपहर 03.00 बजे तक
स्पीड पोस्ट के माध्यम से कार्यालय में निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि	10.06.2025	सायं 05:30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	13.06.2025	पूर्वान्ह 11:00 बजे

प्राचार्य, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय,
लामकन्हार अंतागढ़ जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य, संयुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

क्रमांक / 618/ EMRS / निविदा / 2025-26 **कांकेर दिनॉक 22/05/2025**

// संक्षिप्त निविदा सूचना //

जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.) अंतर्गत संचालित संयुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कांकेर के संचालन हेतु शिक्षण सत्र 2025-26 में लगने वाले सब्जी एवं फल, मांसाहारी सामग्री, खाद्य एवं दैनिक उपयोगी सामग्री, बेकरी एवं डेयरी सामग्री एवं हेयर कटिंग के लिए फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं से पृथक-पृथक सील बंद निविदाऐं छत्तीसगढ़ भण्डार क्रय नियम 2002 (यथा संशोधित 2022) के नियम 4.6 में निहित प्रावधान अनुसार स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्तानुसार सामग्री के लिये निविदा प्रपत्र संयुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कांकेर से "निविदा से प्राप्तियां अंतर्गत 250 सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण 800 अन्य प्राप्तियाँ, निविदा फार्म विक्रय राशि" शीर्ष में रू. 200/- का पृथक-पृथक चालान जमा कर चालान की मूल प्रति प्रस्तुत करने पर दिनांक 31.05.2025 तक कार्यालयीन दिवस प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा की प्रक्रिया के लिए निम्नानुसार समय-सारणी निर्धारित होगी

विवरण	तिथि	समय
निविदा प्रपत्र, शर्तें एवं सामग्री सूची प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	31.05.2025	दोपहर 02.00 बजे तक
स्पीड पोस्ट के माध्यम से कार्यालय में निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि	10.06.2025	सायं 05:30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	13.06.2025	पूर्वान्ह 11:00 बजे

प्राचार्य
संयुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कांकेर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर

नाम परिवर्तन शपथ-पत्र

मै हरिशचन्द्र साहू उम्र 32 वर्ष पिता श्री अवध राम साहू निवासी वार्ड नंबर 04 गाडाडीह धौराभाठा जिला धमतरी छ०ग० का हूँ जो कि शपथ पूर्वक निम्न कथन करता हूँ कि :-

1. यह कि, उपरोक्तानुसार मेरा नाम व पता सत्य एवं सही हैं।
2. यह कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य शासकीय, अशासकीय दस्तावेजो मे मेरा नाम हरिशचन्द्र दर्ज है।
3. यह कि मेरा सही एवं पूरा नाम हरिशचन्द्र साहू पिता श्री अवध राम साहू है जो कि सत्य एवं सही है।
4. यह कि मेरे समस्त शासकीय, अशासकीय एवं अन्य दस्तावेजो मे मेरा सही एवं पूरा नाम हरिशचन्द्र साहू पिता श्री अवधराम साहू दर्ज किया जाये भविष्य में उक्त नाम के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई दावा आपत्ति होती है तो उसकी जिम्मेदारी मेरी होगी।
5. यह कि, उक्त कथनों के सत्यता के समर्थन में यह शपथपत्र संबंधित अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन

मैं उपरोक्त शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि, इस शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 05 तक में वर्णित समस्त कथन सत्य एवं सही है अतः आज दिनांक को अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित करता हूँ।

दिनांक- 24/05/2025

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
कम्बाईण्ड बिल्डिंग, प्रथम तल्ला, एल०सी० रोड, धनबाद

ई– निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 01/**RWD/DHANBAD/25-26** दिनांक :- **23.05.2025**

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या / पैकेज संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में) अंक में	प्राक्कलित राशि (लाख में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल संख्या
1	DMFT 14/ 24-25	बाघमारा	बाघमारा प्रखण्ड अन्तर्गत हटिया ग्राउड पाण्डेयडीह ध्रुव ताला के घर से खानुडीह स्टेशन दक्षिण दिशा बुकिंग काउन्टर तक पथ निर्माण (लम्बाई – 0.430 कि०मी०)	71.781	एकहतर लाख अठहतर हजार एक सौ	06 माह	प्रथम
2	DMFT 15/ 24-25	निरसा	निरसा प्रखण्ड अन्तर्गत पहाड़गोड़ा स्कूल से भमशान घाट नदी तक पथ निर्माण (लम्बाई –1.00 कि०मी०)	96.971	छियानवे लाख संतानवे हजार एक सौ	06 माह	प्रथम
3	DMFT 16/ 24-25	निरसा	निरसा प्रखण्ड अन्तर्गत मधुरायडीह से बनकुली अंगुलकाटा तक पथ निर्माण (लम्बाई –1.00 कि०मी०)	74.801	चौहतर लाख अस्सी हजार एक सौ	06 माह	प्रथम
4	DMFT 17/ 24-25	निरसा	निरसा प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम रामकनाली माडोईधाम क्लब से एन0एच0 2 तक पथ निर्माण(लम्बाई – 0.400 कि०मी०)	36.727	छतीस लाख बहतर हजार सात सौ	04 माह	प्रथम
5	DMFT 01/ 25-26	झरिया	झरिया अंचल अन्तर्गत होरलाडीह रेलवे फाटक से अम्बेडकर चौक जामाडोबा पुटकी मुख्य पथ तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई –1.20 कि०मी०)	135.743	एक करोड़ पैतीस लाख चौहतर हजार तीन सौ	09 माह	प्रथम
6	DMFT 02/ 25-26	झरिया	झरिया अंचल अन्तर्गत बागडिगी हाथी तालाब से कर्बला रोड होते हुए एल्युमिनियम क्वार्टर तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई –1.85 कि०मी०)	138.364	एक करोड़ अड़तीस लाख छतीस हजार चार सौ	09 माह	प्रथम
7	DMFT 03/ 25-26	झरिया	झरिया अंचल अन्तर्गत भोटियापट्टी राजकुमार राम के घर से सामुदायिक भवन तक पथ निर्माणकार्य (लम्बाई –1.40 कि०मी०)	117.058	एक करोड़ सतरह लाख पॉच हजार आठ सौ	09 माह	प्रथम

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– **02.06.2025**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– **10.06.2025** अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– **12.06.2025** अपराह्न 3.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद, पिन– 826001
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0326–3554757
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

PR.NO.353443 Rural Work Department(25-26):D

शब्द पहेली - 5877

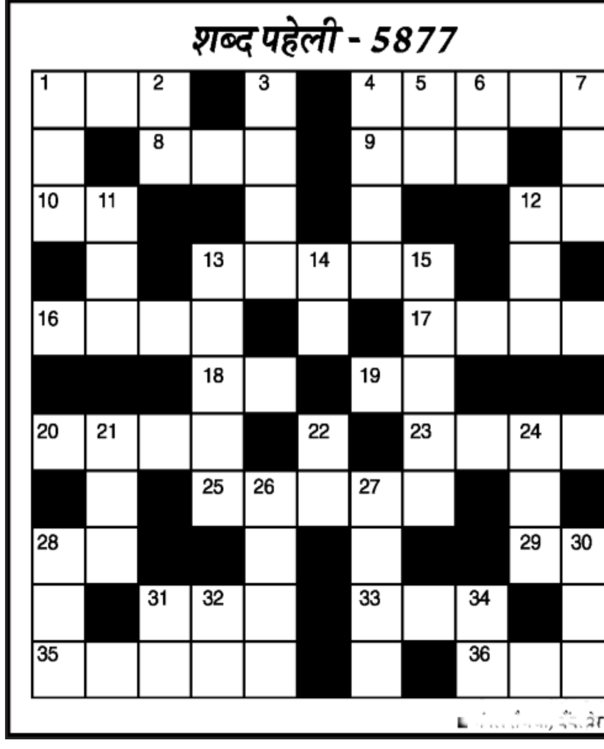

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास–3
4.पानी से सराबोर–5
8.अंधकार–3
9.आक्रमण–3
10.दम, सुट्टा–2
12.समय, वक्त–2
13.कहानी लेखक–5
16.अपराधी, गुंडा–4
17.आलोकित होना–4
18.उद्देश्य, मंजिल–2
19.छाती, सिलना–2
20.जागरण–4
23.सफल, उत्तीर्ण–4
25.पत्नी का नाना–2,3
28.मार्ग, रास्ता–2
29.जरा, थोड़ा–2
31.वैमनस्य–3
33.पाजेब–3
35.जरुरतमंद–3,2
36.गदर, क्रांति–3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह–3
2.वोट,राय–2
3.हथियार, गोला–बारूद–4
4.सनसनी, रोमांच–4
5.एक विदेशी शराब–2
6.आफत, मुसीबत–2
7.उपपत्नी–3
11.बलिदानी–3
12.कार्य करने वाला–3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना–2,3
14.पानी, जल–2
15.निर्माण करने वाला–5
21.प्रकार–3
22.उम्मीद, आशा–2
24.भिखारी–3
26.ख्यात,प्रसिद्ध–4
27.मदिरापान–4
28.मदद,आराम–3
30.इससे कच्ची शराब बनती है–3
31.उस समय–2
32.नागालैंड की एक जाति–2
34.अधर, होठ–2

शब्द पहेली- 5876 का हल

ना	म	क	मा	ना	■	स	म	झ	दा	र
म	■	र	ह	म	■	म	द	न	■	म
र	त	■	■	ची	■	झो	■	■	वा	णी
ख	स	■	ना	न	ख	ता	ई	■	रा	य
ना	ला	य	क	■	त्म	■	मा	त	ह	त
■	■	■	क	था	■	का	न	■	■	■
प	न	घ	ट	■	आ	■	दा	न	वी	र
व	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	र	वि
न	म	■	■	म	■	चा	■	■	ता	न
सु	■	आ	स	व	■	ल	ह	र	■	य
त	ल	ब	गा	र	■	न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल - 5887

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5886 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

भविष्य की दुनिया बदल देगी

जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी

संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट

प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे

ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा काम: डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजना: भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसान: सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षम: रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

गजल

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य

संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब।* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तक: जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकार:** शंकरानंद, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

‘शुभ आरंभ’ : सुदर्शन-अर्शदीप नए चेहरे, नायर-शार्दुल की वापसी, तीन अनुभवी और 15 को मौका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान चुना गया है। वहीं, ऋषभ पंत टेस्ट में नए उपकप्तान हैं। गिल भारत के 37वें टेस्ट कप्तान हैं। इसके अलावा करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं।

इसके अलावा भारतीय-ए टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को भी मौका दिया गया है। साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह टेस्ट टीम में दो नए चेहरे हैं। जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा और केएल राहुल अनुभवी खिलाड़ी हैं। इस दौरे के लिए बीसीसीआई ने अनुभवी प्लेयर्स के साथ-साथ युवा खिलाड़ियों पर भी भरोसा जताया है। भारतीय टीम में छह मुख्य बल्लेबाज, दो विकेटकीपर बल्लेबाज, दो स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर, दो पेस बॉलिंग ऑलराउंडर और पांच मुख्य तेज गेंदबाज और एक विशेषज्ञ स्पिनर है।

सुदर्शन-अर्शदीप की एंट्री

टीम में सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की एंट्री हुई है। दोनों खिलाड़ी पहली बार टेस्ट टीम में चुने गए हैं। सुदर्शन और अर्शदीप दोनों इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं।

करुण-शार्दुल की वापसी

मिडिल आर्डर बल्लेबाज करुण नायर और फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की भी टीम में वापसी हुई है। करुण ने अपना आखिरी टेस्ट मैच मार्च 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। उसके बाद वो टीम से बाहर थे। जबकि शार्दुल ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन में खेला था।

पंत बने उपकप्तान

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जसप्रीत बुमराह टीम के उप-कप्तान थे और उन्होंने उस दौरे पर दो टेस्ट मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी भी की थी, लेकिन उन्हें अब इस रोल से मुक्त कर दिया गया है।

टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

दिनांक	प्रारुप	स्थान
20-24 जून	टेस्ट	हेडिंग्ले, लीड्स
2-6 जुलाई	टेस्ट	एजबेस्टन, बर्मिंघम
10-14 जुलाई	टेस्ट	लॉर्ड्स, लंदन
23-27 जुलाई	टेस्ट	ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर
31 जुलाई से 4 अगस्त	टेस्ट	द ओवल, लंदन

अय्यर, सरफराज और शमी ड्रॉप

श्रेयस अय्यर

श्रेयस अय्यर का पिछले सीजन घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन मिला-जुला रहा था। दलीप ट्रॉफी में श्रेयस अय्यर ने इंडिया-डी की अगुवाई की। साथ ही रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए श्रेयस ने कुछ बेहतरीन पारियां खेली थीं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए मध्य क्रम में खुद को साबित किया और 5 मैचों में 68.57 की औसत से 480 रन बनाए।

सरफराज खान

घरेलू क्रिकेट में गदर काटने के बाद सरफराज खान को इंग्लैंड के खिलाफ साल 2024 में टेस्ट डेब्यू करने का मौका मिला। भारत में खेली गई इस सीरीज में सरफराज ने तीन टेस्ट मैच की पांच पारियों में 200 रन बनाए। इसमें नाबाद 68 रन की सर्वोच्च पारी भी शामिल रही। सरफराज ने कुल तीन अर्धशतक जमाए थे। हालांकि, वह इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया-ए टीम का हिस्सा हैं।

मोहम्मद शमी

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली। शमी ने इंग्लैंड के खिलाफ 2012 से 2022 तक कुछ 15 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 27 पारियों में कुल 44 विकेट चटकाए। शमी ने 2014 से 2023 तक इंग्लैंड की धरती पर कुल 14 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 25 पारियों में उनके नाम कुल 42 विकेट दर्ज हैं। शमी के टीम से बाहर होने की प्रमुख वजह उनकी एड़ी की चोट है, जो इस सीजन आईपीएल में भी देखने को मिली है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	13	9	4	18
पंजाब	13	8	4	17
बेंगलुरु	13	8	4	17
मुंबई	13	8	5	16
दिल्ली	14	7	6	15
लखनऊ	13	6	7	12
कोलकाता	13	5	6	12
हैदराबाद	13	5	7	11
राजस्थान	14	4	10	8
चेन्नई	13	3	10	6

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
638 रन
गुजरात

पर्पल कैप

नूर अहमद
21 विकेट
चेन्नई

खबर संक्षेप

मणिपुर बना खेलो इंडिया ‘बीच गेम्स’ चैंपियन

दीव। मणिपुर शनिवार को सबसे ज्यादा रजत पदक की बदौलत महाराष्ट्र और नगालैंड को पछाड़कर शुरुआती खेलो इंडिया ‘बीच गेम्स’ 2025 का चैंपियन बना। इन सभी तीनों टीम के पास पांच पांच स्वर्ण पदक थे लेकिन मणिपुर (6) ने महाराष्ट्र (5)और नगालैंड (3) से ज्यादा रजत पदक हासिल कर तालिका में शीर्ष पर रहकर खिताब जीता।

आईपीएल : गुजरात, बेंगलुरु के बाद किंग्स का भी नंबर-2 के लिए बढ़ा इंतजार

दिल्ली का जीत के साथ अभियान खत्म अब प्लेऑफ की तीसरी टीम पंजाब हारी

एजेंसी ▶▶| जयपुर

दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराकर शनिवार को आईपीएल के इस सत्र से जीत के साथ विदा ली। लगातार तीसरे दिन प्लेऑफ की तीसरी टीम पंजाब को निचली टीम से हार मिली है। इससे पहले गुजरात और बेंगलुरु को भी हार का सामना करना पड़ा है। जीत के लिए 207 रन के कठिन लक्ष्य के जवाब में दिल्ली ने 19.3 ओवर में जीत हासिल कर ली। 21 वर्ष के समीर रिजवी 25 गेंद में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में चुने गए करुण नायर ने 27 गेंद में 44 रन का योगदान दिया जिसमें दो छक्के और पांच चौके शामिल थे।

पंजाब ने मार्कस स्टोइनिस और कप्तान श्रेयस अय्यर की आतिशी पारियों के दम पर आठ विकेट पर 206 रन बनाए थे। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दिल्ली के लिए लक्ष्य कठिन लग रहा था लेकिन इंपैक्ट खिलाड़ी केएल राहुल (35 रन) और कार्यवाहक कप्तान फाफ डु प्लेसी (23 रन) ने टीम को अच्छी शुरुआत दी और छह ओवर के भीतर 55 रन जोड़े। राहुल ने अजमतुल्लाह उमरजई को चौका और हरप्रीत बरार को छक्का लगाया लेकिन मार्को यानसेन की आफ कटर पर शशांक सिंह को कैच दे बैठे। दिल्ली ने 15 पॉइंट्स के साथ 5वें नंबर पर रहकर अपना लीग स्टेज फिनिश किया। टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी।

दिल्ली के 14 मैच में 15 अंक

दिल्ली का ये आईपीएल के इस सीजन का आखिरी मैच था, जिसमें दिल्ली ने जीत हासिल की। दिल्ली के 14 मैच में 15 अंक हो गए हैं। लेकिन उसका सफर खत्म हो गया है। दिल्ली इस सीजन के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी। हालांकि, पंजाब की टीम पहले ही क्वालिफाई कर चुकी है। 13 मैच में उसके अभी 17 अंक हैं। पंजाब के पास टेबल टॉपर बनने का मौका था। लेकिन वो पिछड़ गया।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
प्रियांश का स्टब्स बो रहमान	06	09	1	0
प्रभसिमरन सिंह बो निगम	28	18	4	1
इंगलिस स्ट स्टब्स बो निगम	32	12	3	2
अय्यर का शर्मा बो यादव	53	34	5	2
वढेरा का डु प्लेसी बो मुकेश	16	16	1	0
शशांक का स्टब्स बो रहमान	11	10	0	0
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	44	16	3	4
उमरजई का रिजवी बो यादव	01	03	0	0
यानसेन का स्टब्स बो रहमान	00	02	0	0
हरप्रीत बरार नाबाद	07	02	0	1

अतिरिक्त : 08, कुल : 20 ओवर में 206/8
गेंदबाजी : मुकेश 4-0-49-1, रहमान 4-0-33-3, मोहित 4-0-47-0, निगम 4-0-38-2, यादव 4-0-39-2.

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
राहुल का शशांक बो जानसेन	35	21	6	1
डु प्लेसी का आर्य बो बरार	23	15	2	1
करुण नायर बो बरार	44	27	5	2
अटल का अर्शदीप बो दुबे	22	16	0	2
समीर रिजवी नाबाद	58	25	3	5
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	18	14	2	0

अतिरिक्त : 08, कुल : 19.3 ओवर में 208/4
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-35-0, उमरजई 4-0-46-0, बरार 4-0-41-2, जानसेन 4-0-41-1, दुबे 2-0-20-1, स्टोइनिस 1.3-0-21-0.

चेन्नई के खिलाफ उलटफेर से आज बचेगा गुजरात

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स की टीम जब रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी निगाहें तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने की होगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सनराइजर्स हैदराबाद से हारने के बाद गुजरात टाइटन्स प्लेऑफ के लिए तालिका में नियंत्रण बनाए हैं। सीएसके के खिलाफ जीत से उसके 20 अंक हो जाएंगे, इससे वह शीर्ष दो में जगह बनाने में सफल रहेगी और उसे फाइनल में जगह बनाने के दो मौके मिलेंगे।

केकेआर के सामने एसआरएच की चुनौती

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम रविवार को आईपीएल मैच में खिताबी दौड़ से बाहर हो चुकी टीम अन्य टीम सनराइजर्स हैदराबाद खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश सत्र को जीत के साथ खत्म करने की होगी। इसे विडंबना ही कहें कि जब केकेआर और एसआरएच ने 2024 आईपीएल का अपना आखिरी मैच खेला था तो वह फाइनल मुकाबला था जहां श्रेयस अय्यर की टीम ने एकतरफा मैच में पैट कमिंस की टीम को मात दी थी।

श्रीकांत छह साल में पहली बार खेलेंगे बीडब्लूएफ टूर्नामेंट का कोई फाइनल

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने शनिवार को यहां मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जापान के युशी टनाका पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर छह साल में पहली बार बीडब्लूएफ टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश किया। 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सटीक नेट प्ले और आक्रामक खेल की बदौलत दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी टनाका को रोमांचक मुकाबले में 21-18, 24-22 से शिकस्त दी।

श्रीकांत ने जीत के बाद कहा, ‘मैं बहुत खुश हूं, काफी समय के बाद यहां तक पहुंचा हूं।’ वह रविवार को होने वाले फाइनल में दूसरे वरीय चीन के लि शि फेंग से भिड़ेंगे। श्रीकांत 2019 इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे और इसके बाद से इस 32 वर्षीय खिलाड़ी का बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर में पहला फाइनल है। उन्होंने 2017 में चार खिताब जीते थे। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत पिछले कुछ सत्र में खराब फॉर्म और फिटनेस के दौर से गुजर रहे हैं जिससे अब वह विश्व रैंकिंग में 65वें स्थान पर मौजूद हैं।

जोकोविच ने जीता 100वां कॅरियर एकल खिताब

जिनेवा। नोवाक जोकोविच ने आखिरकार कॅरियर का 100वां एकल खिताब जीत लिया जब उन्होंने जिनेवा ओपन फाइनल में शनिवार को हुबर्ट हुरकाज को 5-7, 7-6, 7-6 से हराया। जोकोविच ने नौ महीने पहले पेरिस ओलंपिक में कॅरियर का 99वां एकल खिताब जीता था। उसके बाद से वह शंघाई मास्टर्स और मियामी मास्टर्स में दो फाइनल हार चुके हैं। अपने 38वें जन्मदिन के दो दिन बाद 100वां खिताब जीतने के लिए उन्हें तीन घंटे मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने जीत के बाद कहा, ‘मुझे यहां सौवां खिताब जीतने की खुशी है। मुझे इसके लिए काफी मेहनत करनी पड़ी।’ 24 ग्रैंडस्लैम जीत चुके जोकोविच से अधिक एकल खिताब जिम्मी कोनोर्स (109) और रोजर फेडरर (103) के नाम हैं।

नेपोली बना सिरी ए चैंपियन

मैकटोमिने और लुकाकू का गोल, 38 मैचों में 24 जीत से 82 अंक

एजेंसी ▶▶| रोम

स्कॉट मैकटोमिने और रोमेलु लुकाकू के गोल की बदौलत नेपोली ने इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सिरी ए में कैग्लियारी पर 2-0 की जीत के साथ तीन साल में अपना दूसरा खिताब हासिल किया।

नेपोली के कोच एंटोनियो कोन्टे इसके साथ ही तीन अलग-अलग टीमों के साथ सिरी ए चैंपियनशिप जीतने वाले पहले कोच बन गए। मैकटोमिने ने मध्यांतर से पहले (42वें मिनट में) एक्रोबैटिक बाइसिकल किक से गोल किया जबकि लुकाकू ने 51 मिनट में गोल करके टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। नेपोली ने एक अंक के अंतर से इंटर मिलान को पछाड़कर यह खिताब जीता। नेपोली के 38 मैचों में 24 जीत से 82 अंक है जबकि मिलान के नाम इतने ही मैच और जीत से 81 अंक है। मिलान ने कोमो को 2-0 से हराया लेकिन यह टीम को खिताब दिलाने के लिए काफी नहीं था।

शांभवी को स्वर्ण, ओजस्वी को रजत पदक

सुहल। भारत की शांभवी क्षीरसागर ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में शनिवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता जबकि ओजस्वी ठाकुर को रजत पदक मिला। भारत अब दो स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य के साथ शीर्ष पर है। शांभवी ने 24 शॉट के फाइनल में 253 स्कोर किया जबकि ओजस्वी उनसे 1.2 अंक पीछे रह गई। इटली की कार्लोटा सालाफिया को कांस्य पदक मिला। पुरुष पर्ग में खेलो इंडिया युवा खेलों के चैंपियन नारायण प्रणव को कांस्य पदक मिला जिन्होंने फाइनल में 227.9 स्कोर किया।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
नकली माल से सावधान

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

डॉ. जाऊलकर
कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन
एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन
एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001
फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत नि:शुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

SHRI SHANKARACHARYA MAHAVIDYALAYA
JUNWANI-BHILAI
NAAC A
Certificate Training Programme in Various Subjects
Programmes
with latest NEP 2020 syllabus and Indian knowledge system
ADMISSION OPEN
B.Com Hons.
B.Sc. Hons. (Computer Science Chemistry, Electronics, Mathematics, Biotechnology, Biochemistry, Microbiology, Botany, Zoology)
B.C.A. Hons. (Approved by AICTE)
B.B.A. Hons. (Approved by AICTE)
B.A. Hons.
M.Sc. Physics
M.Sc. Chemistry
M.Sc. Mathematics
M.Sc. Microbiology
M.Sc. Comp. Science
M.A. English
M.A. Econonics
M.A. Sociology
M.A. Psychology
M.Com.
B.Ed.
M.Ed.
D.El.Ed.
PGDCA
DCA
Contact us
9244009086
8319333977
7974036214
Ph.D. Research Center Commerce & Education
Khasra No. 97/2 Near Petrol Pump, Junwani, Bhilai
Email : ssmbhilai@hotmail.com, Website : ssmv.ac.in

संविधान की भावना के विपरीत बहुमत का इस्तेमाल कर केंद्र सरकार राज्य का दर्जा बदल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर/लखनपुर

प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने संविधान सभा में कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर वो सही हाथों में नहीं लगा, तो वह अच्छा नहीं होगा। बहुमत के बल पर ये सरकार अपने हित के लिए जब चाहे तो छत्तीसगढ़ को भी केंद्र शासित प्रदेश बना सकती है।

लखनपुर में आयोजित विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैली की शुरुआत महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई जो अमवारी मैदान पहुंच सभा में तब्दील हो गई। सभा की शुरुआत में महात्मा गांधी और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पूर्व डिप्टी सीएम श्री सिंहदेव ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में आम लोगों से मुलाकात में राहुल गांधी को अहसास हुआ कि संविधान पर खतरे से नागरिक आशंकित हैं। जब दूसरी भारत जोड़ो यात्रा प्रारंभ हुई तो राहुल गांधी ने संविधान को यात्रा का प्रतीक बनाया। जिस संविधान की बदौलत मोदी जी ने सरकार बनाई उसे संघ परिवार विदेशों की नकल बताता है। भारत का संविधान स्वतंत्र भारत के भौगोलिक क्षेत्र के निवासियों के द्वारा चुने हुए लोगों ने बनाया जो प्रजातांत्रिक है। यह व्यवस्था मौजूदा सत्ताधारी को मंजूर नहीं। वो देश मे ऐसी व्यवस्था बनाने में लगे हैं ताकि भारत में चीन की तरह एक व्यक्ति और एक दल की तानाशाही सरकार बने। जम्मू कश्मीर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि संविधान की भावना के विपरीत बहुमत का इस्तेमाल कर ये सरकार राज्य का दर्जा समाप्त कर उन्हें केंद्र शासित प्रदेश में बदल देती है।

विपक्षी सरकारों को कर रहे अस्थिर

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि संघ परिवार और भाजपा सत्ता में आती है तो देश मे नाथूराम विचारधारा का बोलबाला बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि आज राज्यपाल के माध्यम से मोदी सरकार विपक्षी सरकारों को अस्थिर कर रही है। कार्यक्रम को लखनपुर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष विक्रमादित्य सिंहदेव, लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृपाशंकर गुप्ता, ब्लॉक कांग्रेस उदयपुर के अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने भी संबोधित किया लखनपुर में आयोजित संविधान बचाओ रैली और सभा का संचालन अमित सिंहदेव ने किया। रविवार 25 मई को सीतापुर विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैली एवं सभा सीतापुर में पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव और पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत की उपस्थिति में होगा।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान राकेश गुप्ता, पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की, अजय अग्रवाल, द्वितेंद्र मिश्रा, श्रीमती मधु सिंह, रशीद अंसारी, मोहम्मद इस्लाम, हेमंत सिन्हा, अनुप मेहता, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, हिमांशु जायसवाल, आशीष जायसवाल, आलोक सिंह, सतीश बारी सहित अम्बिकापुर विधानसभा के चारों सांगठनिक ब्लॉक अम्बिकापुर शहर, अम्बिकापुर ग्रामीण, लखनपुर और उदयपुर के कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद थे।

समाजसेवी और गोसेवक रामजीलाल अग्रवाल का निधन

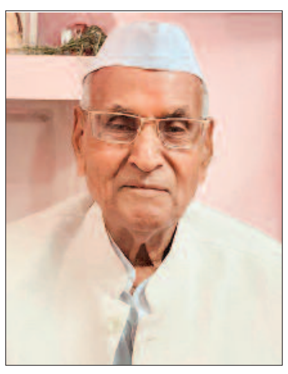

रायपुर। वरिष्ठ समाजसेवी और गोसेवक रामजी लाल अग्रवाल का शनिवार को 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए हैं। श्री अग्रवाल, अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय संरक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी थे। वे सावित्री देवी अग्रवाल, गोपालकृष्ण अग्रवाल, सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, विजय अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, यशवंत अग्रवाल के पिता, विष्णु अग्रवाल के भाई, पूरनलाल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल के चाचा एवं देवेंद्र अग्रवाल, गणेश अग्रवाल के ताऊ थे। श्री अग्रवाल की अंतिम यात्रा रविवार को सुबह 10 बजे रामजी वाटिका मौलश्री विहार, वीआईपी रोड, रायपुर से निकलेगी। अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशान घाट रायपुर में होगा।

बंधन बैंक के 13 खातों में ऑनलाइन ठगी के लेनदेन

भिलाई। अपने बैंक खाते का उपयोग ठगी के लिए दिए जाने के मामले में पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई की। बंधन बैंक स्मृतिनगर के 13 खातों में संदिग्ध लेनदेन की खबर है। करीब 1.61 लाख रुपए का लेनदेन हुआ है। आरोपियों में प्रेम प्रकाश बांधे उम्र 19 साल निवासी हरिनगर कातुलबोर्ड दुर्ग, फैजल अहमद उम्र 24 साल निवासी रामनगर सुपेला, देवेन्द्र कुमार गुप्ता उम्र 22 वर्ष निवासी वैशाली नगर शामिल है। सायबर फ्राड में ठगी की रकम 52716 रुपए एवं खाता में कुल ट्रांजेक्शन 161084 रुपए हुआ है।

छज्जा गिरने से चार कर्मी घायल

डोंगरगांव। सेवा सहकारी समिति डोंगरगांव के अस्थायी कार्यालय का छज्जा शनिवार को गिरने से चार कर्मचारी घायल हो गए। हादसे में समिति प्रबंधक तुलसी यादव के सिर, हाथ और पैर में चोंट आई है। जबकि कर्मचारी केशू साहू और नवीन साहू को मामूली चोंटे आई हैं। गंभीर रूप से घायल हरीश साहू को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रेफर किया गया है।

अपराध : युवक का अपहरण कर परिजनों से की थी 5 लाख की डिमांड

बोकारो से रेड्डी अन्ना ऑनलाइन सट्टा 5 लाख की फिरौती मांगने पर भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

स्मृतिनगर पुलिस ने रेड्डी अन्ना ऑनलाइन सट्टा एप का बड़ा भंडाफोड़ किया है। पिछले लंबे समय से कुछ लोग बोकारो झारखंड में बैठकर इस ऑनलाइन एप के जरिए हार-जीत की बाजी लगवा रहे थे। क्रिकेट की आड़ में यह गोरखधंधा चल रहा था। इस मामले का खुलासा भिलाई के युवक का अपहरण कर फिरौती मांगने के कारण हुआ। मामले में पुलिस एक युवती और एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि वैशाली नगर थाने में शहर के प्रतिष्ठित कारोबारी प्रहलाद शाह ने अपने भतीजे रजत शाह के अपरहण और 5 लाख रुपए के फिरौती मांगने की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने धारा 140 (ए), 61 (2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर मामले में जांच शुरू की। मामले में आरोपी सिमरन कौर मदर टेरेसा नगर भिलाई और राहुल पासवान उम्र 24 वर्ष बोकारो झारखण्ड का रहने वाले बताए गए हैं।

- पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

मोबाइल लोकेशन से पता चला कि आरोपी बोकारो में हैं

पुलिस ने बताया कि शिकायत के बाद रजत का मोबाइल लोकेशन पता किया जा रहा था। टीम को लोकेशन बोकारो का मिला। टीम बोकारो झारखण्ड रवाना हुई। पता तलाश के दौरान संदेही राहुल पासवान को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। रजत शाह के बारे में पूछताछ करने पर आरोपी ने अपनी दोस्त सिमरन और अन्य के बारे में बताया। उसने पुलिस को बताया कि रेड्डी अन्ना क्रिकेट सट्टे में पैसा हार जाने के कारण रजत शाह को बंधक बनाकर रखा गया है। उसके घर वालों से पैसा मांगा जा रहा है। आरोपी राहुल पुलिस को उस जगह पर भी लेकर गया, जहां रजत शाह को रखा गया था, लेकिन वे रजत को लेकर कहीं और चले गए थे। इसके बाद से लगातार खोजबीन की जा रही थी।

पतरातु स्टेशन के पास से आरोपी सिमरन हुई गिरफ्तार

पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के जरिए आरोपियों की तलाश जारी रखी, इस बीच पता चला कि आरोपी सिमरन और अन्य रजत शाह को पतरातु स्टेशन के आसपास लेकर घूम रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर रजत शाह को आरोपियों के चंगुल से छुड़वाया। सिमरन को पकड़ा। अन्य आरोपी पुलिस को देखकर फरार हो गए। बाकी आरोपियों के बारे में पुलिस पतासाजी कर रही है। बहरहाल मामले की जांच की जा रही है।

सिमरन का कनेक्शन हाई प्रोफाइल सटोरियों से, की जा रही पूछताछ

पुलिस ने बताया कि सिमरन का कनेक्शन देश के हाई प्रोफाइल सटोरियों से है। उससे पूछताछ की जा रही है। सिमरन और राहुल ने फिरौती के लिए रजत से मारपीट भी की, साथ धमकी भी दी। आरोपियों ने रजत शाह को पैसे की जरुरत होने पर ड्रीम इलेवन ऑपरेटर का काम करने के लिए रांची बुलाया और वहीं काम पर रख लिया था। रजत शाह को आरोपी बोकारो झारखण्ड लेकर गए, जहां क्रिक्रेट सट्टा का सेटअप लगा था। जहां ऑनलाइन सट्टा का पता चलने वाले रजत ने काम करने से इंकार कर दिया। अवैध क्रिकेट बैटिंग एप अन्ना रेड्डी का काम होने से रजत शाह डर गया। इसी बीच आरोपियों ने क्रिकेट सट्टा में 5 लाख का नुकसान होना बताकर रजत को बंधक बना लिया। इसके बाद घरवालों से फिरौती की मांग शुरू कर दी।

युवती की हत्या का प्रयास, जंगल में ले जाकर गला दबाया, मरा समझकर पत्थरों के बीच छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

कुकदुर थाना क्षेत्र के बदौरा के जंगल में शुक्रवार की शाम एक 21 वर्षीय युवती के गंभीर रूप से घायल तथा अचेत अवस्था में मिलने से पूरे क्षेत्र सहित जिले में सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि पिकनिक मनाने गए कुछ लोगों ने पीड़िता की कराह सुनकर उसकी सुध ली और डॉयल 112 की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने युवती के प्रेमी रवि मरकाम पिता बुद्धराम सिंह मरकाम आयु 21 वर्ष सहित उसके साथी अजीत मरकाम को भी हिरासत में लिया है। शादी की बात को विवाद होने पर दुपट्टा से युवती का गला दबाकर मृत समझाकर, उसे चट्टानों के बीच दबा दिया था।

- डायल 112 की तत्परता और स्थानीय युवकों की सजगता से युवती की जान बची
- मामले में दो युवक गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार 21 मई को युवती अपने रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने के लिए मुनमुना, थाना कुकदूर क्षेत्र में आई थी। 22 मई की शाम वह अपने पुराने परिचित रवि मरकाम के घर चली गई, जहां उस समय वह मौजूद नहीं था। रवि ने बाद में उसे कॉल कर अपनी गाड़ी में साथी अजीत मरकाम के साथ बिठाया और बदौरा जंगल की ओर ले गया। जंगल में दोनों के बीच शादी कर साथ रहने की बात को लेकर विवाद हुआ। इस दौरान रवि ने युवती से मारपीट की और दुपट्टे से गला दबा दिया, जिससे वह बेहोश हो गई।

संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दें: एसपी

कबीरधाम पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध या आपराधिक गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाया जा सके। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह द्वारा पिकनिक में गए युवकों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि उनकी तत्परता से एक युवती की जान बच गई जो सराहनीय है।

1 बाइक में 4 सवार, 2 की मौत, 2 घायल

महासमुंद। चार लोग एक ही मोटर सायकल में सवार होकर शराब पीने निकले। वापसी के दौरान उनकी तेज रफ्तार वाहन बिजली पोल से जा टकराई। शनिवार की दोपहर करीब 3 बजे तहसील ऑफिस सरायपाली की ओर से सरायपाली की तरफ आ रहे बेलमुंडी निवासी एक ही दोपहिया में चार लोग पोल से जा टकराए। घटना में चालक किशन पिता राजकुमार भोई (19) बेलमुंडी का सिर दो भागों में बंट गया। उसके पैर इस बुरी तरह मोटरसाइकल में उलझ गए थे कि शहर को वाहन से अलग करने कटर का इस्तेमाल करना पड़ा। सिर में लगी संघातिक चोट के चलते मौके पर ही उसकी मौत हो गई। साथी में ठीक पीछे बैठे अनीष पिता प्रहल्लाद (19) के भी सर में चोट लगने के कारण मौत हो गई।

तुमरेल में मारे गए 5-5 लाख के ईनामी एसीएम

जगदलपुर। दो दिन पूर्व सुकमा जिले के पेसलपाड़ व बीजापुर के तुमरेल में हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो वर्दीधारी नक्सलियों को मार गिराया था। मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त 5-5 लाख के ईनामी एरिया कमेटी मेंबर के रूप में हुआ है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने प्रतिबंधित और अवैध माओवादी संगठन के सदस्यों को चेतावनी देते हुए कहा कि तत्काल हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं अन्यथा अपने शीर्ष कमांडर बसवराजू की तरह भयावह अंत के लिए तैयार रहें। सुकमा जिले में हुए मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की शिनाख्त 5 लाख के ईनामी एरिया कमेटी मेंबर माड़वी माडा के रूप में हुई है जो साउथ सब जोनल ब्यूरो की डिप्टी कमांडर था।

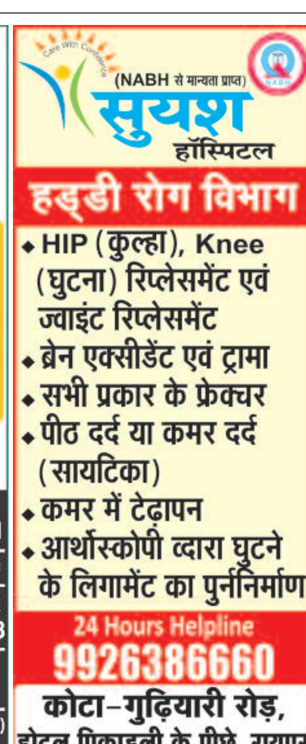

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com